**सुविचार**
सच्ची शिक्षा व्यक्ति को जीविकोपार्जन करने में सक्षम बना देती है।

Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 28 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 11 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

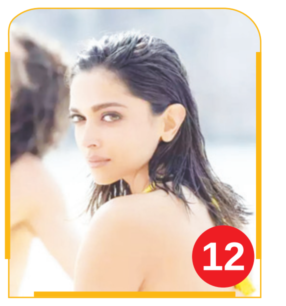
12
एमी विजेता शो से जुड़ीं दीपिका पादुकोण

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 70,700.67 |
| निफ्टी | : | 21,352.60 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 5,930 |
| चांदी | : | 77.05 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### सेना की पहली महिला सूबेदार बनीं प्रीति रजक

**NEW DELHI :** भारतीय सेना की मशहूर ट्रैप शूटर हवलदार प्रीति रजक को सूबेदार के पद पर प्रमोट किया गया। सूबेदार प्रीति रजक अब भारतीय सेना की पहली महिला सूबेदार हैं। प्रीति ने 22 दिसंबर 2022 को मिलिट्री पुलिस में सेवा शुरू की थी। सेना ने यह जानकारी शनिवार को दी। प्रीती ने 2022 में चीन में हुए 19वें एशियन गेम्स में ट्रैप वुमन टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जाता था। वो फिलहाल पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 की तैयारी के लिए आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट में ट्रेनिंग ले रही हैं। सेना ने कहा कि भारतीय सेना के साथ-साथ देश की महिलाओं के लिए गर्व का पल है। प्रीति रजक को उनके असाधारण प्रदर्शन के आधार पर सूबेदार के पद पर प्रमोट किया है। उनकी महान उपलब्धि लड़कियों को आर्मी में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी।

### श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में आरती का समय जारी

**AYODHYA :** श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम की आरती और दर्शन के समय के बारे में शुक्रवार को श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने जानकारी साझा किया है। श्रीराम लला की मंगलाआरती साढ़े चार बजे, श्रृंगार आरती (उत्थान आरती) सुबह साढ़े छह बजे, इसके बाद भक्तों को दर्शन सात बजे से, भोग आरती दोपहर बारह बजे, संध्या आरती शाम साढ़े सात बजे तथा नौ बजे रात्रि भोग एवं शयन आरती रात दस बजे होगी। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए शुक्रवार को ट्रस्ट से जुड़े विश्व हिन्दू परिषद के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने सभी आरतियों का समय जारी किया है।

### सुप्रीम कोर्ट के हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन आज

**NEW DELHI :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 जनवरी को दोपहर 12 बजे सुप्रीम कोर्ट के हीरक जयंती समारोह का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन सुप्रीम कोर्ट के सभागार में किया गया है। एक सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के 75वें वर्ष का अनावरण करते हुए प्रधानमंत्री नागरिक केंद्रित सूचना और प्रौद्योगिकी पहल शुरू करेंगे जिसमें डिजिटल सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट (डिजी-एससीआर), डिजिटल कोर्ट 2.0 और सुप्रीम कोर्ट की नई वेबसाइट शामिल हैं। इस अवसर पर वह सभा को भी संबोधित करेंगे। डिजी-एससीआर देश के नागरिकों को मुफ्त और इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में सुप्रीम कोर्ट के फैसले उपलब्ध कराएगी। डिजी-एससीआर की मुख्य विशेषताएं यह हैं कि 1950 के बाद से 36,308 मामलों को कवर करने वाली सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट के सभी 519 खंड डिजिटल प्रारूप में, बुकमार्क किए गए, उपयोगकर्ता के अनुकूल और खुली पहुंच के साथ उपलब्ध होंगे।

# विधायक दल की बैठक के बाद नीतीश सौंपेंगे इस्तीफा

## गवर्नर के पास सरकार बनाने का भी पेश करेंगे दावा

**AGENCY PATNA :** बिहार में नीतीश-लालू का गठबंधन टूट गया है। इसके लिए विधायकों का आना शुरू हो गया है। नीतीश कुमार रविवार सुबह 10 बजे विधायक दल की बैठक के बाद राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। साथ ही नई सरकार बनाने का दावा भी पेश करेंगे। जदयू कोर कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया। राज्यपाल से आज ही नए सीएम के तौर पर शपथ दिलाने को भी कहेंगे। पार्टी सूत्रों का दावा है कि नीतीश 2 डिप्टी सीएम के साथ शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी के 14 और जदयू के 14 मंत्री शपथ ले सकते हैं। इसके अलावा एक मंत्री हम के कोटे से शपथ लेंगे। बीजेपी की ओर से 1 डिप्टी सीएम बनाने की योजना पर बात चल रही है, ताकि वो पावरफुल बना रहे। सूत्रों की मैने तो सुशील मोदी की बिहार वापसी होती है तो वो अकेले डिप्टी सीएम होंगे। इसकी संभावना ज्यादा है। इसके साथ ही रेणु देवी को भी डिप्टी सीएम बनाने की बात चल रही है, लेकिन इस पर अंतिम फैसला अमित शाह लेंगे। सूत्रों की माने तो कैबिनेट का स्वरुप 2017 की तर्ज पर ही रहेगा। बीजेपी विधायक दल की बैठक से बाहर निकले केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने कहा राम की कृपा से सब काम हो रहा है। सेकुलर की बात हो रही है। बढ़े चलो.. बढ़े चलो.. सुपथ पर बढ़े चलो.. भला हो जिसमें देश का वह सब काम किए चलो। जेडीयू ने विधायक दल की बैठक के कार्यक्रम में फिर एक बार बदलाव किया।

● बिहार में नीतीश-लालू का टूटा गठबंधन, 10 बजे विधायक दल की बैठक

● राज्यपाल से आज ही नए सीएम के तौर पर शपथ दिलाने को भी कहेंगे

● बीजेपी के 14 और जदयू के 14 मंत्री ले सकते हैं शपथ, हम के कोटे से भी एक मंत्री

### लालू मंत्रियों से बोले- इस्तीफा नहीं दें तेजस्वी यादव बोले- अभी खेला बाकी

**PATNA :** बिहार में सियासी घमासान के बीच चल रही राजद विधायक दल की बैठक खत्म हो गई है। शनिवार को तेजस्वी यादव के आवास पर हुई इस बैठक में पार्टी ने आगे के सभी फैसले लेने के लिए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को अधिकृत कर दिया है। अभी तक इसके लिए डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ही अधिकृत थे। बैठक के बाद राजद सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए यह जानकारी दी। बैठक के दौरान तेजस्वी ने दावा किया कि असली खेला होना अभी बाकी है। नीतीश हमारे आदरणीय थे और रहेंगे। जो काम दो दशकों में नहीं हुआ, वह हमने कम समय में कर दिखाया। लालू ने अपने मंत्रियों से कहा- इस्तीफा नहीं दें। मनोज झा ने कहा कि विधायक दल की बैठक बहुत ही सकारात्मक हुई है। इस बैठक में राजनीतिक घटनाक्रम के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पार्टी ने आगे के फैसलों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को अधिकृत किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार को गिराने का प्रयास राजद नहीं करेगी। मनोज झा ने कहा कि हमारी इस सरकार ने तेजस्वी यादव के प्रयास से लाखों लोगों को रोजगार दिया है, बेहतर स्वास्थ्य

### इधर, सीएम हेमंत सोरेन दिल्ली रवाना

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी ने 10वां समन भेजकर 29 या 31 जनवरी को पूछताछ के लिए समय मांगा है। इस बीच मुख्यमंत्री शनिवार रात चार्टर्ड विमान से दिल्ली रवाना हो गये हैं। सीएम के दिल्ली दौरे को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है। राजनीतिक हलके में तरह-तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। हालांकि बताया यह भी जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन निजी काम से दिल्ली गये हैं।

### अमित शाह भी आ सकते बिहार, नड्डा भी रहेंगे साथ

बिहार में चल रहे सियासी घमासान के बीच रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पहुंचने की संभावना है। जानकारी के अनुसार भाजपा के दोनों वरिष्ठ नेता रविवार को होने वाली भाजपा विधायक दल की बैठक में शामिल हो सकते है। इस बैठक में नई सरकार में भाजपा के शामिल होने और इसके स्वरूप को अंतिम रूप दिया जाएगा। दोनों नेता नई सरकार के गठन के दौरान शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार करीब 12 बजे मुख्यमंत्री आवास पर जदयू और भाजपा की संयुक्त विधायक दल की बैठक होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजभवन जाकर इस्तीफा सौंपेंगे और नई सरकार बनाने के लिए दावा पेश करेंगे।

### लक्ष्मीकांत झारखंड के चुनाव प्रभारी नियुक्त

**MUMBAI :** आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने शनिवार को झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों के लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी और सह चुनाव प्रभारी की सूची जारी कर दी। लक्ष्मीकांत वाजपेयी को झारखंड का प्रदेश चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है। विनोद तावड़े व झारखंड के पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को बिहार का दायित्व दिया गया है। पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी एमएलसी मंगल पांडे, अमित मालवीय एवं रांची की पूर्व मेयर व बीजेपी की राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा को दी गयी है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की ओर से इनकी नियुक्ति की गयी है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा ये सूची जारी की गयी है। उत्तरप्रदेश बीजेपी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी को लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड का प्रदेश चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है।

**हेमंत ने दुमका में फहराया तिरंगा :** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 75वें गणतंत्र दिवस पर उप राजधानी दुमका के पुलिस लाइन में शुक्रवार को राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने अपने अभिभाषण में कहा कि झारखंड तभी सशक्त होगा जब यहां के गांव मजबूत होंगे। सरकार ने गांवों को मजबूत करने की दिशा में पहल करते हुए बिरसा हरित योजना, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, बिरसा सिंचाई योजना, दीदी बाड़ी योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना जैसे लोक कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही हैं।

# दुष्कर्म के आरोपी की पिटाई से मौत शरीर पर मल दिया था जहरीला तेल

## रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र की घटना, 17 गिरफ्तार

**CRIME REPORTER RANCHI :** रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र के मेढ़ा गांव में एक दुष्कर्म के आरोपी की ग्रामीणों ने पिटाई कर दी, जिसके एक सप्ताह बाद उसकी मौत हो गई। बताया गया कि एक सप्ताह पहले पंचायत लगाकर आरोपी की पिटाई की गई थी। पिटाई के बाद उसके पूरे शरीर पर जहरीला भेलवा तेल मल दिया गया था। युवक की मौत के बाद पुलिस ने 17 लोगों को गिरफ्तार कर किया। गिरफ्तार आरोपियों में ग्राम प्रधान सत्यनारायण मुंडा, युवती के पिता और चचेरे भाई समेत गांव के अनिल मुंडा, सुरेंद्र मुंडा, शिवनाथ मुंडा, दिगंबर सिंह मुंडा, चरवाह मुंडा, मनीनाथ सिंह मुंडा, कलिंदर मुंडा, जलेश्वर मुंडा, नरेश्वर मुंडा, प्रदीप मुंडा, पीतांबर मुंडा, कालेश्वर बेदिया, मोहर मुंडा व रंगलाल मुंडा शामिल हैं।

● एक सप्ताह पहले पंचायत लगाकर आरोपी की पिटाई की गई थी

● गिरफ्तार आरोपियों ने कबूला- सबक सिखाने के लिए ऐसा किया

थाना परिसर में गिरफ्तार ग्रामीणों के परिजन।

### मेला देख लौट रही युवती से मृतक ने किया था रेप

जानकारी के अनुसार 15 जनवरी 2024 को जोन्हा फॉल में टुसू मेला लगा था। मेढ़ा गांव की एक युवती अपनी सहेलियों के साथ मेला देखने गई थी। मेला देखकर लौटने के दौरान गांव के ही धनीराम मुंडा ने युवती को पकड़ लिया और उसे जंगल की ओर ले गया। उसके बाद धनीराम ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। युवती ने जंगल से फोन पर अपने चचेरे भाई को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद उसका भाई गांव के आधा दर्जन लोगों के साथ रात में ही जंगल पहुंचा और लड़की व दुष्कर्म के आरोपी दोनों को गांव ले आया। इस दौरान ग्रामीणों ने धनीराम मुंडा के साथ मारपीट की, फिर उसे एक घर में कैद कर दिया। 16 जनवरी को ग्राम प्रधान सत्यनारायण मुंडा की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी की पिटाई की। इसके बाद उसके पूरे शरीर पर भेलवा का जहरीला तेल मल दिया था। एक सप्ताह के बाद आरोपी की मौत हो गई।

# एसएफआई ने काला झंडा दिखाया, धरने पर बैठ गवर्नर

## केरल में घमासान, केंद्र ने दी जेड+ सुरक्षा

**AGENCY KERALA :** केरल में एक बार फिर से घमासान की स्थिति बन गई है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान कोल्लम जिले के निलमेल में शनिवार को स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकताओं ने फिर से काला झंडा दिखाया और विरोध प्रदर्शन किया। इधर इसके विरोध में राज्यपाल भी धरने पर बैठक गए। केरल में राज्यपाल के खिलाफ बढ़ते विरोध प्रदर्शन को लेकर केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के बढ़ते विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को सीआरपीएफ की जेड प्लस सुरक्षा दी प्रदान की है। इसकी जानकारी केरल

राजभवन ने एक्स पर पोस्ट कर दी है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान कोल्लम जिले के निलमेल में शनिवार को उनके खिलाफ स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के कार्यकताओं के प्रदर्शन करने पर अपने वाहन से बाहर निकले और प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क किनारे एक दुकान के सामने बैठ गए।

### महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म, सरकार ने माने सभी मांगे

**MUMBAI :** महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म हो गया है। शिंदे सरकार ने आंदोलनकारियों की सभी मांगें मान ली हैं। शनिवार (27 जनवरी) को सीएम एकनाथ शिंदे ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से नवी मुंबई में मुलाकात की। उन्होंने जरांगे को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया और अध्यादेश की कॉपी सौंपी। आंदोलन खत्म करने के बाद जरांगे ने कहा- हम 4 महीने से मराठा आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे थे। मराठा आरक्षण के लिए करीब 350 युवाओं ने आत्महत्या की। आज उनका सपना साकार हुआ। अब सरकार पर आरक्षण लागू करने की जिम्मेदारी है। अगर इस बार धोखा हुआ तो मैं मुंबई के आजाद मैदान आ जाऊंगा। इससे पहले शुक्रवार को जरांगे ने शिंदे सरकार को आज सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था- अगर 11 बजे तक आरक्षण का अध्यादेश जारी नहीं किया गया, तो वे 12 बजे मुंबई के आजाद मैदान पहुंचकर आंदोलन करेंगे।

# ईडी ने सीएम हेमंत को भेजा 10वां समन कहा- या तो आप आइए नहीं तो हम आएंगे

## एजेंसी ने सोरेन को 29 से 31 जनवरी तक का दिया समय, 20 को भी हुई थी पूछताछ

**CRIME REPORTER RANCHI :** जमीन घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर 10वां समन भेजा है। ईडी ने उन्हें 29 से 31 जनवरी तक का समय दिया है। ईडी ने पहले की तरह ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है कि पूछताछ के लिए या तो आप आइए या हम आएंगे। एजेंसी ने 22 जनवरी को मुख्यमंत्री को समन भेजकर 25 जनवरी तक यह बताने को कहा था कि वह 27-31 जनवरी के बीच पूछताछ का कोई वक्त मुकर्रर कर एजेंसी को बताएं। जवाब में हेमंत सोरेन ने 25 जनवरी को एक पत्र ईडी के अनुसंधान पदाधिकारी को भेजा था। मुख्यमंत्री ने कहा था वह पूछताछ की तारीख या वक्त बाद में बताएंगे। ईडी को उन्होंने यह नहीं बताया था कि एजेंसी पूछताछ कर सकती है या नहीं।

**22 को सीएम ने ईडी के समन का भेजा था जवाब**

**पत्र में पूछताछ के बारे में नहीं दी थी जानकारी**

### जमीन घोटाला केस से जुड़ा है पूरा मामला

सीएम हेमंत सोरेन को ईडी समन भेजे जाने का पूरा मामला जमीन घोटाला मामला से जुड़ा है। दरअसल, दक्षिणी छोटानागपुर के तत्कालीन आयुक्त नितिन मदन कुलकर्णी की रिपोर्ट के आधार पर ईडी ने जमीन घोटाले की जांच शुरू की थी। मामला सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया था कि फर्जी नाम-पता के आधार पर झारखंड में सेना की जमीन की खरीद-बिक्री हुई है। इस सिलसिले में रांची नगर निगम ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। ईडी ने उसी प्राथमिकी के आधार पर ईसीआईआर दर्ज करके जांच शुरू की थी। दस्तावेज में जालसाजी कर जमीन की खरीद-बिक्री के अलावा आदिवासी जमीन पर अवैध कब्जा के सिलसिले में मुख्यमंत्री से पूछताछ के लिए ईडी की ओर से बार-बार समन भेजा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व 20 जनवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद ईडी ऑफिस नहीं गए, बल्कि उन्होंने ईडी के अधिकारियों को मुख्यमंत्री आवास बुलाया। ईडी के अधिकारी सुरक्षा के घेरे में ईडी दोपहर करीब एक बजे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी के अधिकारी लंबी पूछताछ की थी। लगभग सात घंटे से अधिक लंबी पूछताछ के बाद रात करीब आठ बजे मुख्यमंत्री आवास से ईडी की टीम बाहर निकली थी।

**देशभर की 100 महिला सांस्कृतिक कलाकारों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों से शुरू की परेड**

# 'नारी शक्ति' के रंगों में सराबोर दिखी गणतंत्र दिवस परेड

**AGENCY NEW DELHI :** देश के 75वें गणतंत्र दिवस का मुख्य कार्यक्रम राजधानी दिल्ली के कर्तव्य पथ पर हुआ। हमेशा परेड की शुरूआत सैन्य बैंड के साथ होती आई है, लेकिन इस बार देशभर की 100 महिला सांस्कृतिक कलाकारों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ परेड का आगाज किया और अंत में भारत ने अपने लड़ाकू विमानों से हवाई ताकत दिखाई। इस बार की परेड विकसित भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, आत्मनिर्भर सैन्य कौशल और बढ़ती नारी शक्ति के रंगों में सराबोर दिखी। इस बार समारोह के मुख्य अतिथि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों रहे। यह छठा मौका था जब भारत के गणतंत्र दिवस परेड में फ्रांस को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। परेड में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, एकता एवं प्रगति, बढ़ती स्वदेशी क्षमताओं के दम पर इसकी सैन्य शक्ति और देश में बढ़ती नारी शक्ति को प्रदर्शित किया गया। 'विकसित भारत' और 'भारत-लोकतंत्र की मातृका' विषयों पर आधारित इस वर्ष की परेड में लगभग 13 हजार विशेष अतिथियों ने हिस्सा लिया। सरकार की ओर से यह एक ऐसी पहल थी, जिसमें समाज के सभी वर्ग के लोगों को इस राष्ट्रीय पर्व में शामिल होकर उत्सव मनाने और जन भागीदारी को प्रोत्साहित करने का अवसर मिला। पहली बार परेड की शुरूआत 100 से अधिक महिला कलाकारों ने भारतीय संगीत वाद्य यंत्र शंख, नादस्वरम, नगाड़ा आदि बजाते हुए मधुर संगीत के साथ की। यह महिला कलाकार कर्तव्य पथ पर मार्च करते हुए तीनों सेनाओं की महिला टुकड़ी की पहली भागीदारी का भी गवाह बनीं।

### हमारी बेटियां हर क्षेत्र में आगे : प्रधानमंत्री

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एनुअल एनसीसी पीएम रैली में परेड की सलामी ली। इस मौके पर संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि इस साल देश 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। कल कर्तव्य पथ पर हमने देखा कि ये सेलिब्रेशन महिला केंद्रित था। हमने दुनिया को दिखाया कि भारत की बेटियां कितना अद्भुत काम कर रही हैं। हमने दिखा दिया कि भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर रही हैं। एक पूर्व-एनसीसी कैडेट होने के नाते, जब भी मैं आपको संबोधित करने आता हूं, मुझे अपने अनुभवों और यादों का फ्लैशबैक मिलता है। एनसीसी कैडेट 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रतीक हैं। रैली में मोदी ने कहा कि इस साल वाइब्रेंट गांवों के 400 से अधिक सरपंच और देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 100 से अधिक महिलाएं यहां मौजूद हैं।

### सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाइकोर्ट की कार्यवाही पर लगायी रोक

**NEW DELHI :** सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षित श्रेणी के फर्जी प्रमाण-पत्र जारी किए जाने और उनका इस्तेमाल पश्चिम बंगाल के चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए किए जाने संबंधी मामले से जुड़ी कलकत्ता उच्च न्यायालय की सभी कार्यवाहियों पर शनिवार को रोक लगा दी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की पांच न्यायाधीशों वाली पीठ ने मामले का स्वतः संज्ञान लेकर विशेष सुनवाई करते हुए पश्चिम बंगाल सरकार और मूल याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया। पीठ ने इस मामले में एकल न्यायाधीश वाली पीठ और खंडपीठ की ओर से पारित आदेशों पर भी रोक लगा दी। इस मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों के बीच मतभेद सार्वजनिक हुए हैं।

## लालू यादव के परिवार पर ईडी का शिकंजा

# लैंड फोर जॉब केस में राबड़ी देवी, मीसा व हेमा को समन

**AGENCY PATNA :** लालू परिवार की मुसीबत बढ़ती दिख रही है। रेलवे में जमीन लेकर नौकरी देने के मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, उनकी बेटी मीसा भारती, हेमा यादव और अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए सभी आरोपियों को 9 फरवरी को अदालत में पेश होने को कहा है। अदालत ने व्यवसायी अमित कात्याल के लिए प्रोडक्शन वारंट भी जारी किया, जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने

आदेश पारित करते हुए कहा- संज्ञान लेने के लिए पर्याप्त आधार हैं। बड़ी बात यह भी है कि इस मामले में ही राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को 29 जनवरी और उनके बेटे और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को 30 जनवरी को पूछताछ के लिए दिल्ली के ईडी ऑफिस में बुलाया गया है। लैंड फॉर जॉब मामले को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से भी जोड़ा है।

## कविता

आकृति विज्ञा 'अर्पण'

### अहो औरतों सुंदर हो तुम

अहो औरतों सुंदर हो तुम,
पैमानों को ध्वस्त करो।
फुदक फुदक के खाओ पीओ ,
व्यस्त रहो तुम मस्त रहो।

हंसती हो तो लगता है कि,
गंगा मैया जारी हैं।
दुनिया की ये सारी खुशियां,
देखो देन तुम्हारी हैं।

खुशियों की तुम नदिया हो
बिन कारन न कष्ट सहो।

फुदक फुदक कर खाओ पीओ,
व्यस्त रहो तुम मस्त रहो।

मुस्कइया तुम्हरी सुन लो ना,
जैसे फूल खिलन को हो।
दोनो होठ सटे जैसे कि,
जमुना गंग मिलन को हो।

बाधाओं को ढाह चलो तुम,
अपने मन की राह चलो तुम।

टेंशन की अनगिनत किलों को
मार पैर से ध्वस्त करो।

फुदक फुदक कर खाओ पीओ,
व्यस्त रहो तुम मस्त रहो।

खड़ी हुई तुम जहां सखी,
वहां से लाइन शुरू हुई।
पर्वत सा साहस तुममे है,
तुम तुरुपन की ताग सुई।

चंहक रहे मन की संतूरी,
स्वस्थ रहो तुम यही जरूरी।

थाल सभी को बहुत परोसे,
अपनी थाली फर्स्ट करो।

फुदक फुदक कर खाओ पीओ,
व्यस्त रहो तुम मस्त रहो।

तुम धरती के जैसी हो,
जहां सर्जना स्वयं सजे।
सारे राग भये नतमस्तक,
पायलिया जब जहां बजे।

जो होगा तुम हल कर लोगी,
पानी से बादल कर लोगी,

सब कुछ मुट्ठी के भीतर है,
उचित बिंदु ऐडजस्ट करो.....

फुदक फुदक कर खाओ पीओ,
व्यस्त रहो तुम मस्त रहो।

खुद ही तुम अब डील करोगी,
अपनी वाली फील करोगी।
कैरेक्टर के सब प्रश्नो को,
मुसकाकर रीविल करोगी।

समय बड़े घावों का हल है,
गर हिम्मत साहस संबल है।

सब सिचुएशन आलराइट है,
चिल्ल अभी तुम जस्ट करो।

फुदक फुदक कर खाओ पीओ,
व्यस्त रहो तुम मस्त रहो।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# मनमोहक लैंसडाउन

**घुमक्कड़ की पाती** मैं घुमंतू प्रकृति का हूं, मुझे हमेशा से ही नई और अनोखी चीजें आकर्षित करती हैं। निरंतर यात्रा और नए पड़ाव मुझमें नित नवीनता का भाव ले आते हैं। ऐसे ही एक एहसास को आप सबके सामने ले कर आया हूं। चलिए लेकर चलता हूं आपको लैंसडाउन की ओर...

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

श्रीनगर में रहते हुए मुझे जो पहाड़ी खाने का स्वाद मिला वह अब तक नहीं मिला था। इसलिए घूमने के साथ-साथ खानपान की गतिविधियां भी चलती रहीं। मेरा ज्यादातर जगहों पर जाना नहीं हो पाया पर मैंने आसपास की तमाम जगहों के बारे में जानकारी हासिल की और आगे सफर पर निकलने की सोच ही रहा था कि एक दोस्त का फोन आ गया। वह श्रीनगर से निकलने के बाद लैंसडाउन पहुंच गया था और कुछ समय बिताना चाहता था। हालांकि उसका प्लान मसूरी से निकलकर दिल्ली जाने का था। सोचा इतनी दूर आ ही गया हूं तो अपनी सबसे पसंदीदा जगह पर भी कुछ समय बिता लूं।

मैंने उससे कहा, हां सही सोचा तुमने, यह एक बहुत ही खूबसूरत जगह है। घुमक्कड़ी का असल रोमांच तो इसी में है कि अपनी पसंदीदा जगह पर रहकर कुछ समय व्यतीत किया जाए और उसके अनुभवों को दूसरों के साथ बांटा जाये। लेकिन इतनी दूर-दराज जगहों पर भला अकेले कौन जाता है? उसने कहा फिर तुम भी चल लो। मेरे कुछ दोस्त पहले से यहां घूम रहे हैं। इसीलिए तो बिना किसी निश्चित प्लान के ही ठान लिया कि लैंसडाउन जाना ही है। मैंने कहा यह अच्छा है, दोस्तों के साथ इस तरह की पुरानी जगहों पर घूमने का अपना एक अलग ही मजा है।

यह जगह काफी शांत हैं और मनमोहक भी। दरअसल, पर्यटन स्थलों पर लोगों की बढ़ती संख्या और भीड़भाड़ ने कहीं ना कहीं घुमक्कड़ी के मजे को प्रभावित किया है जिसकी वजह से लोग प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर जाने से कतराने लगे हैं। अब तो हर किसी को ऐसी जगह की तलाश रहती है जहां शांति और सकून हो और अपना समय बिना शहरों के शोर शराबे के अच्छे से व्यतीत कर सकें। लैंसडाउन पहुंचकर आपको शांति और सकून का अहसास होता है। इस जगह पर आप अपनी छुट्टियां अपने तरीके से देवदार के वृक्षों की छांव में बिता सकते हैं। छोटे-छोटे टपरियों पर चाय की चुस्की का मजा लेते हुए स्थानीय लोगों के साथ वातालांप कर सकते हैं।

रास्ते और आसपास का दृश्य इतना खूबसूरत और स्वच्छ होता है कि इस जगह पर सुबह-सुबह या फिर शाम के वक़्त टहलना काफी अच्छा लगता है। इस जगह की जैव विविधता प्रभावित करती है, मौसम की रुमानियत भीतर कहीं उतरती जान पड़ती है। लैंसडाउन में टहलते हुए आपको जगह-जगह पर पुराने बंगलों का दीदार होता है। इस जगह पर पहुंचकर आपको असली हिलस्टेशन वाली फील आती है। ना तो कोई जीवन की भागदौड़ और ना ही गाड़ियों का शोर, शांति और ग्रामीण वातावरण वाला आनंद आता है।

मैं इस जगह पर पहली बार 2016 में गया था तब से लेकर अब तक कई बार जा चुका हूं। लैंसडाउन का इतिहास, यहां के पर्यटन स्थल, सब कुछ खास है। स्थानीय लोगों से बातचीत के जरिये आपको पता चलेगा कि लैंसडाउन का जो वर्तमान स्वरूप है वह पहले नहीं था।

इस जगह को कालूडांडा के नाम से जाना जाता था, जिसका अर्थ है काला जंगल। जहां जाने से भी लोगों को डर लगता था लेकिन प्राकृतिक खूबसूरती इतनी ज्यादा कि लोगों का ध्यान बरबस अपनी तरफ खींचती थी और इस खूबसूरती ने अंग्रेजों का ध्यान भी अपनी तरफ खींचा। देश के अधिकांश हिल स्टेशनों की तरह लैंसडाउन का महत्व तब बढ़ा, जब ब्रिटिश अधिकारियों का इस जगह पर आना जाना बढ़ा और इसे अंग्रेजों ने गढ़वाल राइफल्स के भर्ती केंद्र के रूप में इस्तेमाल करना शुरू किया।

इस जगह का नाम लैंसडाउन 1887 में मार्क्वेस ऑफ लैंसडाउन और भारत के वायसराय हैनरी चार्ल्स कीथ के नाम पर पड़ा था। वर्तमान में यह उत्तराखंड स्थित गढ़वाल जिले का एक खूबसूरत छावनी शहर है जो भारत के सबसे खूबसूरत हिल स्टेशनों में गिना जाता है। इस ऐतिहासिक शहर को बसाने का श्रेय भारत में औपनिवेशिक काल के दौरान अंग्रेजों को जाता है। ब्रिटिश सरकार ने उस दौरान यहां धार्मिक स्थल और कई भवनों का निर्माण करवाया था। वर्तमान में भी आप उस दौर की ब्रिटिश वास्तुकला को यहां की कुछ संरचनाओं के माध्यम से देख सकते हैं।

इस जगह पर घूमने टहलने की तमाम जगहें हैं जहां आप बेफिक्री से घूम सकते हैं। लैंसडाउन में घूमते हुए कभी भी अनजान शहर में होने का अहसास नहीं होगा। यहां की जगहें, यहां के लोग, यहां का खानपान आपको सब पसंद आएगा। इस जगह पर पहुंचकर घुमक्कड़ी के असल रोमांच का मजा ले सकेंगे।

सेंट मैरी चर्च बिलकुल टिफिन टॉप के नजदीक स्थित है। इस चर्च को देखने के लिए सैलानी दूर-दूर से आते हैं। यह अपनी खूबसूरत दीवारों और रंगीन ग्लास खिड़कियों के लिए सैलानियों के मध्य काफी ज्यादा विख्यात है। चीड़-देवदार के जंगलों से घिरा यह स्थल बहुत हद तक सैलानियों को आकर्षित करने का काम करता है। यह जगह आपको भी अच्छी लगेगी और आप यहां पहुंचकर सुख और शांति का अनुभव करेंगे।

शहर के मध्य भाग में वॉर म्यूजियम स्थित है। जिसे दरवान सिंह संग्रहालय के नाम से जाना जाता है। इसमें सेना के गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट द्वारा लड़े गए विभिन्न युद्धों के यादगार संग्रहों को प्रदर्शित किया गया है। टिप एन टॉप और स्नो व्यू प्वाइंट पर आप बर्फ से ढकी पहाड़ियों के रोमांचक दृश्यों को देखने का मजा ले सकते हैं। इस जगह से चौखम्बा और त्रिशूल की बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखलाओं को आसानी से देख सकते हैं। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त देखने लायक होता है। यह व्यू प्वाइंट यहां आने वाले सैलानियों के मध्य काफी लोकप्रिय है।

लैंसडाउन में भीम पकोड़ा स्थल की सैर करके भी आपको काफी मजा आएगा। इस जगह पर एक पत्थर रखा हुआ है और वह इतना मजबूत है कि उसे कोई भी नहीं हिला सकता। भीम पकोड़ा स्थल नाम के पीछे किवदंती है कि जब पांडव निर्वासन में थे तो भीम ने एक पत्थर लैंसडाउन के बाहर एक चट्टान पर रख दिया था। गढ़वाली मेस इस जगह पर सरकार के द्वारा संरक्षित एक प्रतिष्ठित ईमारत है। यह सदियों पुरानी ईमारत वास्तुकला का बेहद शानदार नमूना है। इस जगह पर देश दुनिया से लोग पहुंचते हैं।

इसके अलावा इस जगह पर भुल्ला ताल की भी सैर कर सकते हैं। यह एक छोटी-सी झील है जहां नौकायन की सुविधाएं उपलब्ध हैं। नौकायान के अलावा आप प्रकृति के सुन्दर रूप को निहार सकते हैं। संतोषी माता मंदिर लैंसडाउन की ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। इस जगह से शाम को सूर्यास्त का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। मैंने यहां पर अपनी कई शामें बिताई हैं।

यह शहर मेरी स्मृतियों में बसा अब तक का सबसे खूबसूरत शहर है। आप भी जरूर जाइए और इस जगह का लुत्फ उठाईए।

## पक्षी ■ पुराण

# बगुलों की दुनिया

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व-भारती, शांति निकेतन

फोटो - ग्रे हेरोन।

बगुला एक ऐसा पक्षी है जो हमेशा हमारे आस-पास मौजूद रहता आया है। लेकिन आपको जान कर हैरत होगी कि बगुलों की कोई दर्जन भर प्रजातियाँ झारखंड में पायी जाती हैं, लेकिन हम उनमें से एकाध को ही जानते हैं। बल्कि अमूमन उसकी तीन प्रजातियों के लिए बगुले का ही प्रयोग करते हैं। पर वे एक ही नाम से पुकारे जाने के बावजूद अलग-अलग होते हैं। खेतों, मैदानों और मवेशियों के आगे-पीछे सर्वाधिक दिखने वाले बगुले कैटल इग्रीट के नाम से जाने जाते हैं। लोग-बाग इसे गाय बगुला या मवेशी बगुला के नाम से भी जानते हैं। मवेशियों के साथ इनके घूमने की वजह यह होती है कि गाय-भैंस जब घास चर रहे होते हैं तो घास में रहनेवाले टिड्डे और कीट-पतंगे इधर-उधर उड़ते हैं, यह बगुले उन्हीं की ताक में रहते हैं। इसलिए मवेशियों के साथ इनकी अच्छी संख्या साथ-साथ परेड करती देखी जा सकती है। इसी प्रजाति में लिटिल इग्रीट और ग्रेट इग्रीट आते हैं। कैटल इग्रीट की तुलना में लिटिल इग्रीट और ग्रेट इग्रीट जलाशयों के आस-पास पाये जाते हैं। कैटल इग्रीट की तुलना में लिटिल इग्रीट थोड़े चपल होते हैं और कई मर्तबा इनके सिर में एक शिखा जैसी चीज भी मौजूद देखी जा सकती है। लिटिल इग्रीट अपने इलाके को लेकर खासे संवेदनशील होते हैं। पोखरों के आस-पास अपने इलाके में दखल बनाये रखने के लिए इन्हें लड़ते हुए देखा जा सकता है। इसे उनकी टेरिटेरियल फाईट के तौर पर जाना जाता है। बर्ड फोटोग्राफर्स के लिए लिटिल इग्रीट का टेरिटेरियल फाईट बेशकीमती होता है। कई बार इन क्षणों में उन्हें जीवन की सबसे सुन्दर तस्वीरें मिल जाती हैं। लड़ाई के इन क्षणों में इन बगुलों की जो भंगिमा होती है। उसे देखने पर मालूम होता है कि गुस्सा और आक्रामकता कैसे उनके चेहरे पर भी महसूस किया जा सकता है! ग्रेट इग्रीट अपने आकार में इन दोनों से तकरीबन दोगुना और कभी-कभी ढाई गुना तक हो सकता है। झारखंड के जलाशयों में वे इक्के-दुक्के ही देखने को मिलते हैं। इनके पंखों का फैलाव बहुत ज्यादा होता है। बगुलों की खासियत होती है कि उड़ते वक्त यह अपनी लंबी गर्दन को सिकोड़ कर छोटा कर लेते हैं। ग्रेट इग्रीट तो अपनी गर्दन को अंग्रेजी के एस अक्षर की तरह मोड़ लेता है। इससे इसकी लंबाई का उड़ते वक्त तो कतई अनुमान नहीं किया जा सकता है। प्रजनन काल में बगुलों के चोंच और पंखों के रंग में थोड़ा बदलाव देखने को मिलता है, जिसे प्लमेज के नाम से जाना जाता है। इग्रीट से थोड़ी अलग बगुलों की एक और प्रजाति होती है जो हेरोन के नाम से जानी जाती है। यह भी जलाशयों में पाई जाती है इसमें प्रमुख है ग्रे हेरोन, पर्पल हेरोन और पोंड हेरोन, जिन्हें क्रमशः धूसर बगुला, बैंगनी बगुला और अंधा बगुला के नाम से जाना जाता है। पोंड हेराने को अंधा बगुला क्यों कहते हैं, इसकी ठीक-ठीक जानकारी मुझे नहीं है। पर यह तीनों पानी में मछलियों और जलीय जीवों का शिकार करते हुए देखे जा सकते हैं। तीनों सावधान की मुद्रा में लंबे समय तक एकाग्रचित रहने की क्षमता से सम्पन्न होते हैं। अपनी उड़ान में एक मंथरता को वह धारण करते हैं। मानो कहीं जाने की इनको जल्दी नहीं होती है। छोटी या लंबी दूरी भी बहुत इत्मीनान से तय करते हैं। ग्रे हेरोन और पर्पल हेरोन आकार में ग्रेट इग्रीट की तरह ही बड़े होते हैं, पर अपने धूसर और बैंगनी रंगों के साथ अन्य रंगों की मौजूदगी इनको खासा आकर्षक बनाती है। इग्रीट और हेरोन के अलावे बगुले की एक और प्रजाति है जो बिटर्न के नाम से जानी जाती है। झारखंड में इनमें से येलो बिटर्न, सिनामन बिटर्न और ब्लैक बिटर्न थोड़ी मशक्कत के साथ देखे जा सकते हैं। कश्मीर की ओर लिटल बिटर्न भी देखने को मिलता है। बिटर्न एक आम बगुले की तुलना में आकार में छोटे होते हैं। पोखर के किनारे सरकंडे जैसी वाली घास में यह रहते हैं। बगुलों की यह सबसे शमीर्ली कौम है। आसानी से नहीं दिखते हैं, इन्हें देखने के लिए आपको जतन करना होगा। पीला, काला और दालचीनी रंग के इन छोटे बगुलों को देखना अपने आप में एक अलग अनुभव होता है। पोखर में उग आने वाली सरकंडे नुमा घास की पतली पत्तियों पर यह किसी नट की तरह संतुलन साधे चलते दिख सकते हैं। येलो बिटर्न तो अपने पैरों को स्ट्रैच करने की विलक्षण क्षमता के कारण कई मर्तबा चौंकाता है। बिटर्न की प्रजाति छिपी रहती है। बिटर्न के हैबिटेट खत्म होते जा रहे हैं, इसलिए इनका दिखना भी कम होता जा रहा है।

बगुलों की जितनी प्रजातियाँ ऊपर बतायीं और गिनायीं गयीं हैं, यह सब दिन में सक्रिय रहती हैं। पर बगुले की एक और प्रजाति भी है जो शाम और रात में भी सक्रिय रहती है। इसे ब्लैक कैप्ड नाईट हेरोन के नाम से जाना जाता है। हिन्दी में इसे चन्द्रवाक और स्थानीय स्तर पर क्वाक के नाम से भी जानते हैं। घूसर, काला और सफेद रंग के इतर सिर पर शिखा इनको बगुलों की बिरादरी में सबसे अलग खड़ा करती है। यह साल भर दिखते भी नहीं हैं।

बगुला एक ऐसा पक्षी है जो कालिदास के मेघदूत जैसे ग्रंथ में भी बलाका समूहों के तौर पर उपस्थित हैं। तो दूसरी ओर बच्चों की कौतुक वाली दुनिया में भी 'अगुला-बगुला दान दे, चिनिया बदाम दे' की हूक के रुप में उपस्थित है। लोक व्यवहार में बगुले अलग रुप में मौजूद हैं। मछलियों के लिए डाले गये जाल में जब कोई बगुला फंस जाता है तो जानकार आदमी बगुले की चोंच पकड़कर उसे आजाद करने की कोशिश करता है, जानते हैं क्यों? ऐसा माना जाता है कि मनुष्य की आँखों को देख कर उसे किसी मछली का भ्रम होता है। और वह आँखों पर अपनी चोंच से हमला करने से बाज नहीं आता। इसमें कितनी सचाई है मालूम नहीं पर दो मौकों पर बगुलों को चोंच से पकड़ बचाते लोगों ने इसकी यही वजह बताई। आपको जान कर हैरत हो सकती है पर बगुलों का भी शिकार होता है। झारखंड में कम से कम अब भी यह एक दर्जन के बगुले देखे जा सकते हैं पर यह कहना मुश्किल है कि भविष्य में भी यह इसी तरीके से देखे जा सकेंगे।

BRIEF NEWS

### जानलेवा हमला के दोषी को दस साल की सजा

**RANCHI :** अपर न्यायायुक्त एमके वर्मा की अदालत ने शनिवार को जानलेवा हमले के दोषी अंकुश कुमार साहू (27) को 10 साल की सजा और 20 हजार का जुमार्ना लगाया है। इससे पूर्व अदालत ने 24 जनवरी को अंकुश को दोषी करार किया था। अंकुश जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के पिठिया टोली अपर हटिया का निवासी है। इस पर अपने मोहल्ले के धर्मनाथ शाहदेव पर जान मारने की नियत से हमला करने का आरोप है। घटना को लेकर धुर्वा थाना में 20 अगस्त, 2021 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अंकुश ने धर्मनाथ को 19 अगस्त, 2021 को घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया और उस पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया था। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। यह हमला पुराने एक विवाद को लेकर किया गया था।

### बस लूट कांड मामले में चार गिरफ्तार

**RANCHI :** रांची के दशम थाना क्षेत्र के नवाडीह में शिवम बस में हुए लूटकांड मामले में रांची पुलिस ने शुक्रवार रात सद्दाम, नसीर सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने लगभग 10 लाख रुपये से ज्यादा नगद भी बरामद किया है। बताया जाता है कि लोहरदगा और गुमला के अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया था। उल्लेखनीय है कि गत 16 जनवरी को कोलकाता से रांची आ रही शिवम बस में लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया था। अपराधियों ने हथियार के बल पर बस में बैठे तीन सब्जी व्यापारियों से लगभग 20 लाख लूट कर नुनु होटल के पास उतर कर फरार हो गए थे।

### वित्त रहित शिक्षा कर्मी 31 को राजभवन के समक्ष देंगे धरना

**RANCHI :** वित्त रहित शिक्षण संस्थानों के शिक्षाकर्मी अपनी मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति बनाई है। वित्त रहित संघर्ष मोर्चा के रघुनाथ सिंह ने शनिवार को बताया कि 31 जनवरी को राजभवन के समक्ष धरना, नौ फरवरी को अपने-अपने संस्थानों के समक्ष 12 घंटे के उपवास, 15 फरवरी को शैक्षणिक हड़ताल, 16 फरवरी को अपने-अपने क्षेत्र के विधायक के आवास का घेराव करेंगे। फरवरी के तीसरे सप्ताह में विधानसभा का घेराव किया जाएगा। आठ फरवरी को मुख्यमंत्री और शिक्षा सचिव को ज्ञापन दिया जाएगा।

### अहिराना महाजुटान मिलन समारोह आज, तैयारियां पूरी

**RANCHI :** श्रीकृष्ण विकास परिषद की हटिया रेलवे कॉलोनी में वीर लोरिक सेवा संस्थान के कार्यालय में शनिवार को अहिराना महाजुटान सह मिलन समारोह को लेकर बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रम की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान मेधावी छात्रों को भी पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा। समिति की बैठक के दौरान परिषद के मुख्य संरक्षक कैलाश यादव ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी परंपरागत तरीके से यादव मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम भगवान श्रीकृष्ण के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

## झामुमो ने केंद्र सरकार के खिलाफ निकाला मशाल जुलूस, केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप

# भाजपा हमें छेड़ेगी तो हम छोडेंगे नहीं : झामुमो

**PHOTON NEWS RANCHI :** झामुमो कार्यकर्ताओं ने शनिवार को केंद्र सरकार और भाजपा पर केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने और झारखंड सरकार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक मशाल जुलूस निकाला। कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा हमें छेड़ेगी तो हम छोडेंगे नहीं। कहा कि 2024 में जनता झारखंड सहित पूरे देश से उखाड़ फेंकेगी। कार्यकताओं ने कहा कि राजभवन के समक्ष जोरदार धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

मशाल जुलूस में शामिल झामुमो कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

मशाल जुलूस में जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता, केन्द्रीय सदस्य समनुर मंसुरी चिंतामनी सांगा, जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, जनक नायक, बीरू साहू, कलाम आजाद, सयुक्त सचिव सुजीत उपाध्याय, प्रवक्ता रांची अरविंद सिंह देवल, आफताब आलम, रामशरण तिर्की, डॉ तालकेश्वर महतो, कुदुस अन्सारी, विक्रम सिंह, सुनील साहू, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नयन तारा उरांव, अरुण वर्मा, उपाध्यक्ष सालो देवी, सचिव शान्ति तिर्की, मो असलम, डॉ तनुज खत्री, कोषाध्यक्ष उषा उरांव शामिल थे।

इनके अलावा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष झबुलाल महतो, महिला मोर्चा रांची महानगर अध्यक्ष संध्या गुड़िया, सुनीता तिर्की, फैयाज शाह, युवा मोर्चा जिला सचिव सोनू मुंडा, उपाध्यक्ष आशुतोष वर्मा, संगठन सचिव रमजान रजा, कोषाध्यक्ष अजीत नायक, मन्टु पांडेय, नन्दकिशोर सिंह चंदेल, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष फरीद खान, उपाध्यक्ष शमीम मंसूरी, सचिव सुजीत कुजुर, परवेज आलम, रीना तिर्की, कयूम अंसारी, योगेंद्र राम, राजेश सिंह, गोपाल पांडे, राकेश वर्मा, राजेश सिंह, अवधेश यादव, लाडले खान, राहुल वर्मा संजय एरीक टोपो, राशिद अंसारी, लक्ष्मण राम, मोसरत परवीन, संध्या देवी, छात्र मोर्चा रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अमन तिवारी, उपाध्यक्ष भास्कर महतो, कांके प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी, मो असलम, रातु प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अंसारी, मो असलम, गौरव, रिशु, राकेश, अकबर कुरैशी, मोहम्मद नौशाद, परवेज अख़्तर, नौशाद आलम, मो शनावाज, मो तबरेज, अजय सोनी, मुन्ना यादव, अरविंद ठाकुर, अमन खान, मो गुड्डु, संजय सलमान अली, सोनू, प्रिंस, राजेश सिंह, के अलावा सैकड़ो कार्यकर्ता भी शामिल थे।

### प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने नवनियुक्त प्रदेश प्रभारियों व सह प्रभारियों को दी शुभकामनाएं

**RANCHI :** प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आगामी लोकसभा चुनाव के निमित्त नव नियुक्त प्रदेश चुनाव प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, बिहार के नवनियुक्त लोकसभा चुनाव प्रदेश सह प्रभारी सांसद दीपक प्रकाश एवं पश्चिम बंगाल की सह प्रभारी एवं राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा सहित अन्य राज्यों के प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं सह प्रभारियों का बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। मरांडी ने कहा कि पार्टी को सांगठनिक रूप से मजबूती प्रदान करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पुनः लोक कल्याणकारी सरकार बनाने में अपना सम्पूर्ण योगदान देंगे। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि 2024 में झारखंड के 14 लोकसभा सीट सहित पूरे देश में रिकॉर्ड सीटों के साथ तीसरी बार मोदी सरकार बनेगी।

# राजभवन में एट होम और 'बैंड डिस्प्ले कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**PHOTON NEWS RANCHI :** गणतंत्र दिवस समारोह अवसर पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति में राज भवन में आयोजित शनिवार को एट होम और बैंड डिस्प्ले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधान सभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, पूर्व मुख्यमंत्री व विधान सभा सदस्य बाबूलाल मरांडी, लोक सभा सांसद संजय सेठ, मुख्य सचिव, विकास आयुक्त, पुलिस महानिदेशक सहित भारतीय प्रशासनिक और पुलिस सेवा के वरीय अधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल, मुख्यमंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

समारोह में पंजाब रेजिमेंटल सेंटर, प्रथम बटालियन जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फेंट्री, झारखण्ड सशस्त्र पुलिस- 1, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं विवेकानंद विद्यालय, रांची की टीम द्वारा बैंड डिस्प्ले का मनमोहक प्रस्तुति की गई। मौके पर राज्यपाल ने मोरहाबादी में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह 2024 के अवसर पर झांकी, परेड एवं बैंड प्रदर्शनी के विजेताओं के मध्य पुरस्कार वितरण भी किया। उल्लेखनीय है कि झांकी में झारखण्ड राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड प्रथम, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग द्वितीय, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग तथा सूचना एवं जन-संपर्क विभाग को तृतीय, परेड में सेना को प्रथम, जैप-1 को द्वितीय, सी०आर०पी०एफ० को तृतीय, बैंड में जैप-1 को प्रथम, सेना को द्वितीय एवं जैप 10 को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

## शक्ति वंदन, स्वयं सहायता समूह और एनजीओ संपर्क अभियान की कार्यशाला आयोजित

# बाबूलाल मरांडी ने महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ किया संवाद, योजनाओं की दी जानकारी

**PHOTON NEWS RANCHI :** महिला वोटरों से संपर्क साधने के लिए भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर शक्ति वंदन कार्यक्रम चला रही है। हरमू पटेल धर्मशाला में शनिवार को शक्ति वंदन एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश की महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ संवाद किया और उन्हें सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है दो करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाना। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई प्रकार की विकास योजनाएं चलाई जा

कार्यक्रम में उपस्थित बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

रही हैं। इन योजनाओं का सीधा लाभ महिलाओं तक पहुंचे इसके लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। मरांडी ने कहा कि कहा कि नारी शक्ति को मजबूती देने के लिए प्रधानमंत्री ने विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं को आरक्षण देते हुए विशेष कानून पास किया है।

**शक्ति वंदन कार्यक्रम के माध्यम से 10 करोड़ महिलाओं तक पहुंचेगी भाजपा: लाजवंती झा**

शक्ति वंदन अभियान की राष्ट्रीय प्रभारी सह बिहार की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लाजवंती झा ने कहा कि 2024 में महिला वोटर्स का प्रतिशत बढ़े इसके लिए इस अभियान में तेजी से कार्य करना है। झा ने कहा कि इस अभियान के तहत देश भर की 10 करोड़ महिलाओं तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम की प्रदेश प्रभारी एवं हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से 30 लाख स्वयं सहायता समूह की बहनों से मिलना है और उनको मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताना है। प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर ने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ता नरेन्द्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। कार्यशाला में महिला मोर्चा की पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, जिला प्रभारी एवं संयोजक आदि उपस्थित रहे।

## मोरहाबादी मैदान में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने फहराया तिरंगा, बोले-

# झारखंड एक कृषि प्रधान राज्य, कृषि और किसान दोनों की उन्नति सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

**PHOTON NEWS RANCHI :** राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को मोरहाबादी मैदान में तिरंगा झंडा फहराया। उन्होंने परेड की सलामी ली। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि झारखंड एक कृषि प्रधान राज्य है। राज्य की बहुसंख्य जनता कृषि पर निर्भर है। कृषि और किसान दोनों की उन्नति हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य के सभी किसानों के पास खेती करने के लिए पर्याप्त सिंचाई के साधन उपलब्ध हों इसके लिए हमारी सरकार के द्वारा बिरसा सिंचाई कूप योजना के नाम से एक नई योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत एक लाख कुआं का निर्माण किया जायेगा।

परेड की सलामी लेते राज्यपाल। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि राज्य में सिंचाई सुविधा का विस्तार करने की दिशा में कुल 49 सिंचाई योजनाओं का पुनरुद्धार कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिससे लगभग 54 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि पर सिंचाई सुविधा पुनर्बहाल की गयी है। विभिन्न जिलों में 24 योजनाओं की नहरों का पुनरुद्धार कार्य प्रगति पर है, जिसे अगले वर्ष में पूर्ण कर अतिरिक्त 42 हजार हेक्टेयर से ज्यादा भूमि पर सिंचाई सुविधा पुनर्बहाल की जा सकेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि को लाभप्रद बनाने के उद्देश्य से किसानों को केन्द्र सरकार के जरिये घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा किसानों को 117 रुपये प्रति किलो की दर से बोनस भी दिया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत आच्छादित परिवारों को सितम्बर, 2023 से प्रतिमाह 01 (एक) किलोग्राम चना दाल 01 रुपया प्रति किलोग्राम की अनुदानित दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के माध्यम से जनजातीय समूहों को विशेष रूप से आदिम जनजातीय समूहों को मूल धारा में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना के तहत आवास, पीने के स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, संचार और रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

### राज्यपाल ने शहीद स्मारक जाकर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

**RANCHI :** राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को 75वें गणतंत्र दिवस पर रांची के शहीद चौक स्थित शहीद स्मारक जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के फलस्वरूप ही देश आजाद हुआ। हम जाने-अनजाने सभी स्वतंत्रता सेनानियों को इस अवसर पर नमन करते हैं। यह अवसर संकल्प लेने का भी अवसर है। हम सब मिलकर देश के प्रगति एवं उन्नति के लिए एक साथ मिलकर कार्य करेंगे और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करेंगे।

# 11वीं जेपीएससी के लिए नोटिफिकेशन जारी, 1 से 29 फरवरी तक करें आवेदन

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने सिविल सर्विस परीक्षा 2023 का विज्ञापन जारी कर दिया है। नोटिफिकेशन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। कुल 342 पदों के लिए नियुक्ति परीक्षा ली जाएगी। ऑनलाइन आवेदन भरने की प्रक्रिया एक फरवरी से शुरू हो रही है। यह 29 फरवरी की शाम पांच बजे तक जारी रहेगी।

परीक्षा शुल्क का भुगतान 1 मार्च तक किया जा सकेगा। प्रारंभिक परीक्षा की संभावित तिथि 17 मार्च रखी गई है। इस बार ली जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा में अब तक जितनी भी परीक्षाएं ली गई हैं उसमें सबसे अधिक सीट हैं। 24 साल में 10 सिविल सेवा परीक्षा ली गई जिसमें सबसे अधिक 2023 के विज्ञापन में है। प्रथम सिविल सेवा में 64, दूसरे में 172, तीसरे में 242, चौथे में 219, पांचवीं सिविल सेवा में 277, छठी सिविल सेवा में 326 और सातवीं-10वीं सिविल सेवा की परीक्षा में 252 रिक्तियां थी।

जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से जारी संकल्प के अनुसार उम्मीदवारों के अधिकतम उम्र की गिनती एक अगस्त 2017 से की जाएगी जबकि न्यूनतम उम्र की गिनती एक अगस्त 2024 के आधार पर की जाएगी। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि आयु सीमा में मिलने वाली छूट का प्रावधान केवल 2023 की परीक्षा के लिए ही होगा।

# ओरमांझी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारियों पर बैठक का आयोजन

**PHOTON NEWS RANCHI :** रांची जिला कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को ओरमांझी में प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तुलसी खरवार की अध्यक्षता में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक की। निर्णय हुआ कि राहुल गांधी का झारखंड में जोरदार स्वागत किया जायेगा। साथ ही यात्रा को ऐतिहासिक बनाने और इसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की रणनीति बनाई गयी। इसके लिए ओरमांझी प्रखंड की सभी 18 पंचायतों में प्रभारियों को नियुक्त किया गया।

इस बैठक में मुख्य अतिथि डॉ राकेश किरण महतो ने कहा कि यह न्याय यात्रा 15 राज्यों में 6713 किलोमीटर दूरी तय करने के बाद 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा फरवरी के प्रथम सप्ताह में झारखंड प्रवेश करेगी। यह यात्रा भारतीय राजनीति में युगांतरकारी बदलाव लायेगी। इसलिए हमें इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने में जी-जान से जुट जाना है।

# कोयला खनन में एनटीपीसी भूमिका महत्वपूर्ण : अनिमेष

**PHOTON NEWS RANCHI :** एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय रांची में 75वां गणतंत्र दिवस बड़े गर्व और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिमेष जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) और क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक , कोयला खनन ने तिरंगा झंडा फहराया।

इस अवसर पर जैन ने कहा कि एनटीपीसी 73874 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ देश के हर चौथे बल्ब को जलाकर देश की ऊर्जा सुरक्षा में सबसे बड़ा योगदान कर्ता रहा है और इसका कोयला खनन व्यवसाय मुख्य व्यवसाय को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में एनटीपीसी-एनएमएल ने 27.5 एमएमटी का रिकॉर्ड कोयला उत्पादन किया है, जो साल-दर-साल 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज किया और इस वित्तीय वर्ष में 77 प्रतिशत के साथ 28.5 एमएमटी कोयला प्रेषण किया है।

उन्होंने कहा कि केरेन्डरी कोयला खनन परियोजना से कोयला उत्पादन 25 जनवरी को शुरू हुआ और इसके साथ, यह एनटीपीसी को ईंधन देने के लिए कोयला उत्पादन करने वाली एनटीपीसी की 5वीं कोयला खदान बन गई। उन्होंने कहा कि बादाम कोयला खनन परियोजना वित्तीय वर्ष 2023-24 में कोयला उत्पादन शुरू कर देगी। इस अवसर पर जैन ने कर्मचारियों को उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए बधाई दी, जिसके परिणामस्वरूप रिकॉर्ड कोयला उत्पादन हुआ और इसकी खदानों से एनटीपीसी बिजली स्टेशनों को भेजा गया।

## रांची उपायुक्त ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत साइकिल रैली को किया रवाना

# नशा के सौदागरों पर करें कठोर कार्रवाई: डीसी

**PHOTON NEWS RANCHI :** उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को समाहरणालय परिसर से जिला समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत साइकिल रैली को रवाना किया।उपायुक्त ने साइकिल रैली के जरिए जिले में नशा मुक्ति के लिए जागरूक किया जाएगा। क्योंकि, नशा करने से समाज को बहुत नुकसान हो रहा है। नशे के आदी छोटे-छोटे बच्चे और विद्यार्थी हो जाते हैं। इससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा की इसका दुष्प्रभाव यह होता है, की उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है। घर में झगड़े- झंझट, कलह-कलेश बढ़ जाते हैं। बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं, उन्हें नशे से मुक्त रखना जरूरी है। उपायुक्त ने कहा की नशे से जुड़ी जो भी सूचना विभिन्न माध्यमों से मिलती है, उस पर कार्रवाई करने की आवश्यकता है, ताकि इस सिंडिकेट को ध्वस्त किया जा सकें। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि नशा मुक्ति से जागरूक करते हुए हम सभी अपने राज्य और देश को नशा मुक्ति की तरफ ले चलें और एक कुशल भारत नशा मुक्त भारत का सपना पूरा करें।

इस मौके पर कई पदाधिकारी मौजूद थे।

BRIEF NEWS

## सुंदरगढ़ में मनाया गया गणतंत्र दिवस, मंत्री ने किया ध्वजारोहण

**SUNDARGARH :** सुंदरगढ़ में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रदीप कुमार अमात ने सुंदरगढ़ रिजर्व मैदान में 75वें गणतंत्र दिवस में ध्वजारोहण कर एवं संयुक्त परेड की सलामी ली। इस अवसर पर 1 प्लाटून एपीआर, 1 प्लाटून होम गार्ड, विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के एनसीसी, रेड क्रॉस एवं स्काउट गाइड तथा सिविलियन 27 प्लाटून ने संयुक्त परेड में भाग लिया। बाद में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर विभिन्न कार्यक्रमों में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किये गये

## सांसद की कार ने बाइक को मारी टक्कर, मौत

**SUNDARGARH :** सुंदरगढ़ के सांसद जुएल ओराम की कार और बाइक में टक्कर हो गई। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई। कामाख्यानगर पुलिस सीमा अंतर्गत रेकुला चौक पर कार और बाइक सवार में टक्कर हो गई। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराए जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना के मुताबक सुंदरगढ़ सांसद जुएल ओराम कार में सवार थे, जो भुवनेश्वर से राउरकेला आ रहे थे। हादसे में घायल युवक को गंभीर हालत में जुआल ओरम द्वारा अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया।

## क्योंझर में 50 बेड वाले महिला हॉस्टल का मंत्री ने किया उद्घाटन

**ROURKELA :** क्योंझर सदर महकुमा में 75वां जिला स्तरीय लोकतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राउरकेला विधायक एवं श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान क्योंझरगढ़ नगर पालिका में 50 बिस्तरों वाले डीएमएफ अस्मिता कामकाजी महिला हॉस्टल का उद्घाटन सारदा प्रसाद नायक द्वारा किया गया। कामकाजी महिलाओं के लिए आश्रय, भोजन, एक डाइनिंग हॉल, समर्पित महिला कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी, सीसीटीवी, वाईफाई, टीवी आदि शामिल हैं। उद्घाटन के दौरान मंत्री ने कहा कि यह क्योंझर जिले के कामकाजी महिलाओ के लिए रहने खाना का सुविधा का एक और मिशाल है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर, एसपी, डीएफओ, सीडीओ जेडपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# पश्चिम सिंहभूम जिले के विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में धूमधाम से मनाया गया 75वां गणतंत्र दिवस

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिम सिंहभूम जिले के विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में 75वें गणतंत्र दिवस काफी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिला में पुलिस लाइन मुख्य समारोह स्थल रहा। पुलिस लाइन केंद्र के प्रांगण में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री जोबा माझी के द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। समारोह में सबसे पहले पुलिस केंद्र स्थित शहीद स्मारक पर मंत्री सहित प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय लिंडा, उपमहानिरीक्षक-सीआरपीएफ, जिला उपायुक्त अनन्य मित्तल, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने पुष्प चक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इसके पश्चात परेड की सलामी व परेड दल का निरीक्षण किया। समारोह में अपने संबोधन के दौरान मंत्री जोबा माझी ने जिला अंतर्गत संचालित विकास कार्यों एवं प्राप्त उपलब्धियों से आम जनों को अवगत करवाया। गणतंत्र दिवस

झंडे को सलामी देतीं मंत्री जोबा मांझी व अन्य अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

समारोह में सीआरपीएफ, जिला पुलिस बल, सहायक पुलिस बल, एनसीसी, स्कॉर्ट एंड गाइड, बैंड पार्टी के द्वारा शानदार परेड का प्रदर्शन एवं 12 विभागों के द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रम आधारित झांकी प्रस्तुत की गई। समारोह में जिला अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारी/पुलिस पदाधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थियों, कर्मी/स्वास्थ्य कर्मी एवं सामाजिक कार्यकर्ता को मंत्री जोबा माझी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर निर्णायक दल के द्वारा प्रस्तुत झांकी की समीक्षा उपरांत जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा प्रस्तुत ₹जमीन हमारा है-देश हमारा है₹ विषयक झांकी को प्रथम पुरस्कार, समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रस्तुत ₹डायन प्रथा₹ विषयक झांकी को द्वितीय पुरस्कार तथा जेएसएलपीएस द्वारा प्रस्तुत ₹समूह से समृद्धि₹ विषयक झांकी को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। इसके साथ ही उत्कृष्ट परेड संचालन में सीआरपीएफ प्रथम, एनसीसी-टाटा कॉलेज द्वितीय एवं स्कॉर्ट एंड गाइड तृतीय स्थान पर रहा। पुरस्कार घोषणा के क्रम में मंत्री जोबा माझी ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ईशा खंडेलवाल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह एवं जेएसएलपीएस के जिला प्रबंधक संजय कुमार तथा प्लाटून के कमांडर/टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

## मंत्री जोबा माझी ने त्रिशानु राय को प्रशस्ति-पत्र देकर किया सम्मानित

**CHAIBASA :** 75वें गणतंत्र दिवस पर पुलिस केन्द्र मैदान, चाईबासा में गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता त्रिशानु राय को बाल संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाते हुए गुमशदा, संकट में फसे बच्चों तथा आनाथ बच्चों को उनके परिवार में सुपुर्दगी कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिए मंत्री , झारखण्ड सरकार जोबा माझी ने त्रिशानु राय को प्रशस्ति- पत्र देकर सम्मानित किया । वहीं मंत्री श्रीमती माझी ने त्रिशानु राय के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भविष्य में भी आप अपने दायित्वों के प्रति इसी प्रकार कर्तव्यनिष्ठ बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि त्रिशानु राय विगत कई वर्षों से जरूरतमंद , असहाय , बेसहारा , वृद्धों, घायलों की सेवा करते आ रहे है। प्रतिदिन सामाजिक कार्यों में नि:स्वार्थ भाव से लगे रहते है। रक्तदान शिविरों , स्वास्थ्य शिविरों में सक्रिय रहते है। किसी भी प्रकार की विपदा में लोगों की सहायता के हमेशा तत्पर रहते है, और बिना किसी विलंभ के तत्काल सहायता हेतु उपलब्ध रहते है। त्रिशानु राय को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाने पर आम जनता विशेष कर युवा वर्ग में काफी प्रसन्नता है और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने इसका सहर्ष स्वागत किया है। मौके पर कोल्हान प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार, डीआईजी अजय लिंडा , प०सिंहभूम जिला के उपायुक्त अनन्य मित्तल , पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित थे।

## डीएवी में हर्षोल्लास के साथ मना गणतंत्र दिवस

साइकिल रेस में शामिल डीएवी के छोटे-छोटे बच्चे। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** स्थानीय सूरजमल जैन डीएवी पब्लिक स्कूल में 75 वें गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मार्च पास्ट के साथ हुई। प्राचार्या रेखा कुमारी ने झंडा फहराया। इस अवसर पर प्राचार्या ने कहा कि हमें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए ताकि भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण हो सके। शिक्षक आर के द्विवेदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कक्षा सातवीं की छात्राओं ने देशभक्ति गीत व समूह नृत्य प्रस्तुत किया। छोटे बच्चों के लिए साइकिल रेस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'आजादी के दीवाने' शीर्षक नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के विजेताओं को भी प्राचार्या द्वारा सम्मानित किया गया। संगीत शिक्षक द्वारा 'चंदन है इस देश की माटी' शीर्षक गीत प्रस्तुत किया गया। गौरतलब हो कि 27 जनवरी को महान आर्य समाजी लाला लाजपत राय को भी प्रातः कालीन प्रार्थना सभा में याद किया गया। इस अवसर पर शिक्षक विजेंद्र मारिक ने कहा कि लालाजी ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

## सांसद ने नागरिक उड्डयन मंत्री से की मुलाकात हवाई अड्डे की समस्याओं को दूर करने की मांग

**PHOTON NEWS ROURKELA :** सांसद जोएल ओराम ने राउरकेला हवाई अड्डे की विभिन्न समस्याओं को दूर करने की मांग की है। उन्होंने विवरण पर चर्चा करते हुए जरूरी कार्रवाई करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की। विभागीय मंत्री ने सभी जरूरी इंतजाम करने का वादा किया।

मंत्री को मांग-पत्र देते सांसद जोएल ओराम। ● फोटोन न्यूज

सांसद जुएल ओराम ने कहा कि राउरकेला हवाईअड्डे पर विशेष दृश्य उड़ान नियम (भीएफआर) पहले ही लागू किये जा चुके हैं। हालांकि और कई जरूरतें पूरी नहीं हुई है। राउरकेला हवाई अड्डे का वास्तविक मालिक राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) है। जिस गति से इसका विकास होना चाहिए वह संभव नहीं हुई है। हवाई अड्डे का स्वामित्व भारतीय विमानबन्दर प्राधिकरण (एएआई) को हस्तांतरित किया जाना चाहिए। साथ ही कुछ क्वार्टर एएआई को दिये जाने चाहिए। उन्होंने नई दिल्ली और अन्य शहरों के लिए सीधी उड़ान के लिए 4सी लाइसेंस वाले एयरपोर्ट, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) सिस्टम, नाइट लैंडिंग सिस्टम को प्राथमिकता देने की मांग की।

# ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड, छह गिरफ्तार

**PHOTON NEWS ROURKELA :** राउरकेला पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन धोखाधड़ी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अंतर्राष्ट्रीय धोखाधड़ी सिंडिकेट में कथित रूप से शामिल छह जालसाज गिरफ्तार किए गए है। इस संबंध में राउरकेला एसपी मित्रभानु महापात्र ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी है। एसपी ने बताया कि यह गिरोह फर्जी ऐप्स के जरिए अब तक 15 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी कर चुका है।

यह नेटवर्क पूरे भारत और दक्षिण एशिया में चल रहा था। राउरकेला पुलिस ने 15 करोड़ के खातों के साथ 30 हजार यूएसडीटी क्रिप्टो करेंसी भी जब्त की है। पुलिस ने पांच ऑनलाइन साइबर जालसाजों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। मुख्य आरोपी उज्जल प्रकाश के साथ नवीन राव, एमडी नसीम, पंकज राव, संदीप जैन और एक अन्य व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मीडिया को जानकारी देते एसपी मित्रभानु महापात्र। ● फोटोन न्यूज

# एमबीएस इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन में मनाया गया 75वां गणतंत्र दिवस

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** एमबीएस इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशन में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। जिसकी शुरूआत प्रिंसिपल इन चार्ज पिंकी सिंह के द्वारा की गई इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक सविता महतो एवं महाविद्यालय के चेयरमैन विवेक सिंह और श्री पवन सिंह निराला, प्रोफेसर समीर कुमार आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत एमबीएनस संस्थान के चेयरमैन श्री विवेक सिंह ने झंडातोलन करके प्रारंभ किया। वही ईचागढ़ की विधायिका श्रीमति सविता महतो भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थी। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा सभी धर्म के बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। सभी संस्कृतियों का मिलन स्थान है। उन्होंने आश्वासन दिया कि उच्च शिक्षा के लिए हर संभव मदद करेंगे। इसके साथ-साथ एमबीएमएस इंस्टीट्यूटस जो कि श्री आचार्य गुरुकुल ट्रस्ट के द्वारा संचालित हैं, गड़तंत्र दिवस के अवसर पर 350 ग्रामीणों को साड़ी, शाल और पैंट-शर्ट का कपड़ा एवं शाल, माननीय विधायिका सबिता महतो के उपस्थिति में वितरण किया गया। इसके साथ ही कई संस्कृति कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत किए गए। जिसमें ईशा और ग्रुप नंदिनी और ग्रुप बरनाली और ग्रुप रंजन, टिकेश्वर, आलम, सुधांशु शुक्ला आदि ने भाषण प्रतियोगिता में शामिल हुए। इसके साथ ही रंगीली रंगोली प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम भी हुआ। नृत्य, भाषण प्रतियोगिता, गीत आदि की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

ग्रामीणों को वस्त्र देतीं अतिथि। ● फोटोन न्यूज

संस्थान के चेयरमैन विवेक सिंह जी ने छात्रों की उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्होंने कहा कि हमें अपने पूर्वजों का बलिदान नहीं भूलना चाहिए। उनके द्वारा किए गए कार्यों से आज हम समाज में मिलकर रह रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की एसिटेंट प्रोफेसर सपना राय के द्वारा दी गई।

इस कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तगण, शिक्षक एसिटेंट प्रोफेसर दीपिका राज, भावतरण भगत, दीपक सिंह, कुंदन और कर्मचारी रवि एवं छात्र-छात्रा और ग्रामीण आदि शामिल हुए। ग्रामीणों के बीच मिष्ठान का वितरण भी हुआ।

एनआईटी, राउरकेला में मना गणतंत्र दिवस, निदेशक ने फहराया झंडा

## भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में मिली पहचान : के उमामहेश्वर राव

**PHOTON NEWS ROURKELA :** एनआईटी राउरकेला समुदाय ने आज 75वां गणतंत्र दिवस मनाया। प्रो. के. उमामहेश्वर राव (निदेशक, एनआईटीआर) ने संस्थान के एनसीसी मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। गणतंत्र दिवस पर भाषण देते हुए प्रोफेसर राव ने कहा, "26 जनवरी 1950 को संविधान को अपनाने से भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में पहचान मिली। इस दिन, हम अपने राष्ट्र की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं और उन नेताओं को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने इसे संभव बनाया।

इसके बाद प्रोफेसर राव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को 'राष्ट्रीय एकता शपथ' दिलाई। कार्यक्रम में एनआईटी राउरकेला के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में नामांकित छात्रों और सुरक्षा गार्डों द्वारा मार्च पास्ट शामिल था। हाई स्कूल के छात्रों (परिसर में स्थित सरकारी स्कूल) ने भी परेड में भाग लेने के साथ-साथ देशभक्ति गीत गाया और देशभक्ति नृत्य किया। प्रोफेसर मनीष ओकाडे कार्यक्रम के मेजबान थे। कार्यक्रम का समापन एनसीसी कैडेटों को पुरस्कार वितरण और गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाले विभिन्न सैनिकों के सभी छात्रों को प्रमाण पत्र देने के साथ हुआ।

## बणई में गणतंत्र दिवस मना, फहराया गया झंडा

**PHOTON NEWS ROURKELA :** बणई में गणतंत्र दिवस मनाया गया। 75वां गणतंत्र दिवस समारोह बणई मल्टीपर्पज स्टेडियम में आयोजित किया गया। बणई उपजिलापाल सुरंजन कुमार साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और झंडा फहराया। इस दौरान उपस्थित जनता और छात्रों को संबोधित किया। जबकि विभिन्न स्कूलों, स्काउट्स और गाइड, एनसीसी कैडेटों ने परेड में भाग लिया। उनके द्वारा किया गया बिभन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम को लोगो ने आनंद लिया।

## उदितनगर परेड ग्राउंड में 75वें गणतंत्र दिवस का आयोजन

**PHOTON NEWS ROURKELA :** राउरकेला के उदितनगर परेड ग्राउंड में 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। उत्तरी रेंज आरडीसी सुरेश चंद्र दलाई ने डीआइजी मित्रभानु महापात्र, एडीएम डॉ. शुभंकर महापात्र और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। गणतंत्र दिवस पर उदितनगर परेड ग्राउंड में विभिन्न स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर उदित नगर परेड ग्राउंड में भारी संख्या में लोगो ने पैरेड का देखने का साथ कार्यकर्म का आनंद लिए। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पावर हाउस रोड नेशनल क्लब परिसर में बड़ी धूमधाम से 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।

अशोक कुमार जैन नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता

# एसआर रुंगटा को हरा कर सेरसा क्वार्टर फाईनल में

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** हिमांशु शर्मा के शानदार आलराउंडर प्रदर्शन की बदौलत सेरसा चक्रधरपुर ने एसआर रूंगटा ग्रुप को पाँच विकेट से पराजित कर क्वार्टर फाईनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। क्वार्टर फाईनल में अब सेरसा चक्रधरपुर का मुकाबला लारसन क्लब चाईबासा से 1 फरवरी को होगा।

चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस सेरसा चक्रधरपुर के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एस आर रूंगटा ग्रुप ने निर्धारित तीस ओवर में आठ विकेट खोकर 154 रन बनाए। राहुल कुमार महतो ने तीन चौकों एवं एक छक्का की मदद से 35 रन, उद्घाटक बल्लेबाज कुमार रौशन ने 30 रन, कप्तान अभिषेक कच्छप एवं विनय रजक ने 26-26 रन तथा विजय रोहित ने 18 रन बनाए। सेरसा की ओर से हिमांशु शर्मा ने 29 रन देकर 3 विकेट तथा कृष्णा पलई एवं ए पवन कुमार ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

सेरसा चक्रधरपुर की टीम। ● फोटोन न्यूज

जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य को सेरसा के बल्लेबाजों ने 26.5 ओवर में 5 विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। हलांकि सेरसा के तीन विकेट मात्र 12 के स्कोर पर ही गिर गए थे परंतु हिमांशु शर्मा एवं शुभंकर विश्वास ने चौथे विकेट के लिए 114 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाकर टीम को संकट से उबारा। हिमांशु ने 12 चौकों एवं एक छक्का की मदद से 81 रनों की बेहतरीन पारी खेली जबकि शुभंकर ने भी चार चौकों की मदद से समझदारी भरे 48 रन बनाए। एस आर रूंगटा ग्रुप की ओर से गेंदबाजी करते हुए निखिल ने 22 रन देकर दो विकेट तथा अभिषेक कच्छप ने 37 रन देकर एक विकेट हासिल किए।

## गृहस्थी परिवार ने मनाया गणतंत्र दिवस

**PHOTON NEWS ROURKELA :** गृहस्थी में 75वां गणतंत्र दिवस बड़े धूम धाम से मनाया गया। सीएमडी गणेश बगड़िया ,निदेशक मंजू देवी बगड़िया ,सीईओ अमित अग्रवाल, अतिथि स्वीटी साहू के द्वारा झंडा फहराया गया।

इसके बाद राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया गया। सभी अतिथियों ने गणतंत्र दिवस पर अपने अपने वक्तव्य दिए। उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की गईं। इस प्रोग्राम मे 500 से भी ज़्यादा स्कूल के बच्चें भी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन बिदिशा बारिक ओर सुभाश्री डोरा ने की। इस दौरान शुभाश्री बिस्वाल (जीएम-एचआर), प्रफुल्ल पात्रा, अविनाश मिश्रा, मुकेश ठाकुर, टी पुरूषोत्तम, सुभाश्री डोरा, बिदिशा बारिक, सोनू शर्मा, प्रमीला शांडिल्य, अंजलि साहू उपस्थित रही।

शपथ ग्रहण करते अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

# छात्र ने फंदे से झूलकर की जीवनलीला समाप्त

## स्नातक पार्ट वन की परीक्षा देने के लिए लॉज में रुका था, वजह तलाशने में जुटी पुलिस

एजेंसी

**पूर्णिया ।** पूर्णिया यूनिवर्सिटी के एक छात्र ने फंदे से झूलकर खुदकुशी कर ली। छात्र का शव शहर के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के लाइन बाजार स्थित आलम लॉज में पंखे से लटकता मिला। मृतक की स्नातक पार्ट वन की परीक्षा चल रही थी। परीक्षा का पेपर देने को लेकर ही वो बीते 12 जनवरी को ही पूर्णिया आया था। मृतक पूर्णिया यूनिवर्सिटी के गवर्मेंट डिग्री कॉलेज बायसी का छात्र था। घटना के बाद से इलाके में सनसनी का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही सहायक खजांची थाना की पुलिस और फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान बायसी थाना क्षेत्र के हरिपुर मीनापुर चाहत निवासी गुलाम जिलानी के बेटे मो. साजिद हुसैन उर्फ अकरम

(29) के रूप में हुई है। वहीं मृतक की खुदकुशी की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पिता गुलाम जिलानी ने बताया कि उनका बेटा पूर्णिया यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आने वाले गवर्मेंट डिग्री कॉलेज बायसी का स्नातक पार्ट वन का छात्र था। 17 जनवरी से स्नातक पार्ट वन की परीक्षा ली जा रही है। जो 30 जनवरी तक चलनी है। शनिवार यानी 27 जनवरी को सेकेंड शिफ्ट में स्वच्छ भारत पेपर की परीक्षा होनी है। हालांकि इस पेपर को पूरा करने से पहले ही उनके बेटे ने ये कदम उठा लिया। बेटे के फोन पर कॉल करने पर पुलिस ने घटना की जानकारी दी।वहीं लॉज में रहने वाले छात्र अथर आलम ने बताया कि मृतक छात्र परीक्षा को लेकर अपने एक दोस्त के साथ लॉज में कमरा लेने आया था। वो बीते 12 जनवरी को ही लॉज में आया था। एग्जाम के एक दिन पहले और एग्जाम के दिन वो लॉज में ही रहता था। परीक्षा अल्टरनेट थी। मगर इसके बाद वो कहां जाता था, किसी को कुछ मालूम नहीं। वह काफी शांत स्वभाव का था। शुक्रवार को 10 बजे सुबह तक छात्र को टहलते हुए देखा था। हालांकि इसके बाद देर शाम मृतक का रूममेट कमरे पर पहुंचा तो कमरा अंदर से लॉक था। काफी आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खोला गया तो सभी लड़कों ने मिलकर दरवाजा तोड़ा। इसके बाद छात्र कमरे में फंदे से झूलता मिला। वे इस हादसे से डर गए और फौरन पुलिस को कॉल कर घटना की जानकारी दी। वहीं छात्र के खुदकुशी के बाद से इलाके में हड़-कंप का माहौल है।फिलहाल घटना की सूचना मिलते ही सहायक खजांची थाना की पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। मामले की छानबीन की जा रही है। घटना की जानकारी देते हुए सहायक खजांची थाना अध्यक्ष शशि कुमार भगत ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला सुसाइड का प्रतीत होता है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ भी कहा जा सकेगा।

## संक्षिप्त डायरी

### सड़क हादसे में किशोर की मौत

**पूर्णियौ।** पूर्णिया में अज्ञात चार पहिया वाहन ने 12 साल के किशोर को रौंद डाला। हादसा इतना जबरदस्त था कि, किशोर ने मौके पर ही तड़पकर दम तोड़ दिया। वो मदरसा से घर लौट रहा था। सड़क क्रॉस करने के दौरान ये हादसा हुआ। मौत की खबर जैसे ही किशोर के परिजनों तक पहुंची चीख -पुकार मच गया। घटना बायसी थाना क्षेत्र के हरेरामपुर की है। फिलहाल मृतक के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम में जुट गई है।मृतक की पहचान बायसी थाना क्षेत्र के मलहरिया पंचायत के चौनि करवा निवासी मो. कासिम के बेटे अबूजर आलम (12) के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि अबूजर मदरसा से घर लौट रहा था कि तभी सड़क पार करने के दौरान अज्ञात चार पहिया वाहन ने उनके बच्चे को रौंद डाला। हादसा इतना जबरदस्त था कि मौके पर बच्चे की मौत हो गई। काफी देर बाद भी जब बच्चा घर नहीं लौटा, तो उन्होंने खोजबीन शुरू की और फिर मदरसा के शिक्षकों से संपर्क किया। जिसके बाद उन्हें सड़क हादसे की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर उन्होंने शव की शिनाख्त की। वहीं मृतक की मौत के बाद से परीजनों का रो -रोकर हाल बेहाल है। घटना के संबंध में बायसी पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से किशोर की मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

### फसल चराने का विरोध करने पर मारपीट, 5 लोग जख्मी

**मुंगेर।** मुंगेर में फसल चराने का विरोध करने पर दबंगों ने एक ही परिवार के पांच लोगों को मारपीट कर जख्मी कर दिया। वही घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने दबंगों पर कार्रवाई की मांग को लेकर नेशनल हाईवे (80) को जाम कर दिया गया। वही सड़क जाम होने के कारण सड़क पर वाहनों की कतार लग गई।वहीं घटना की जानकारी होने के बाद भाड़ी संख्या में पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सड़क जाम कर रहे लोगों को समझा-बूझाकर सड़क जाम को खाली करवाया। सड़क जाम होने के कारण तकरीबन 2 घंटे तक यातायात व्यवस्था ठप रहा। वही पुलिस आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई करने में जुट गए हैं। घटना हेमजापुर ओपी क्षेत्र के शिवकुंड छरापाटी बहियार की है।बताया जा रहा है कि शनिवार की सुबह छरापाटी गांव निवासी दबंग टिक्कर यादव ने मुनिलाल यादव खेत मे फसल चरने के लिए घोड़ा को छोड़ दिया था। जिसके बाद फसल को बर्बाद होता देख मुनिलाल यादव ने बदमाश टिक्कर के बताने के लिए गया। जिसके बाद आरोपी ने लाठी-डंडे से मारपीट कर जख्मी कर दिया। जिसके बाद बचाने आए परिजनों से भी मारपीट की गई। इस मारपीट में मुनिलाल यादव सहित उसके परिवार अभिनाश यादव, सीता देवी, सिरोमनी देवी और पवन यादव घायल हुए है।पीड़ित पक्ष ने बताया कि बदमाश टिक्कर यादव का घोड़ा लगातार खेत मे लगी फसल को चराने के लिए छोड़ देता है। जिसके कारण कई किसानों के फसल बर्बाद हो रहे है। वही हम लोगों के द्वारा विरोध करने पर उन लोगों के द्वारा मारपीट की गई। जिसके बाद हमलोगों ने आरोपियों पर कार्रवाई के लिए सड़क जाम किया है।

### राजेन्द्र नगर स्टेशन छावनी में तब्दील

**पटना ।** लोको पायलट की निकली बहाली में सीटों में इजाफा करने की मांग अभ्यर्थियों ने की थी। मांग नहीं जाने पर रेल का चक्का रोकने की बात कही गई थी। हंगामा की बात पर एक्शन लेते हुए राजेन्द्र नगर स्टेशन पर एएसपी सदर और रेल डीएसपी ने भारी संख्या में दल बल के साथ फ्लैग मार्च किया है। इसके बाद प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी स्टेशन परिसर के बाहर धरने पर बैठ गए हैं।जानकारी के मुताबिक परीक्षा में अभ्यर्थियों ने सीट कम होने की बात कह सीट बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन सीट की संख्या नहीं बढ़ी।अभ्यर्थियों ने अपनी मांग को लेकर रेल रोकने का निर्णय लिया था। हंगामे के आसार को देखते हुए आरपीएफ और पटना पुलिस राजेन्द्र नगर स्टेशन परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया है और इसकी मॉनिटरिंग के लिए सदर एएसपी रेल पुलिस अधिकारी के साथ भारी संख्या में स्टेशन परिसर समेत अन्य जगहों पर फ्लैग मार्च किया है।

# नीतीश ने राजनीति में अस्थिरता ला दी, जनता नहीं बख्शेगी

एजेंसी

**कटिहार ।** नीतीश कुमार ने बिहार की राजनीति में अस्थिरता ला दी है। आगे जनता उनको नहीं बख्शेगी। यह जनता के हित में नहीं है। सरकार होती है जनता को सेवा देने के लिए। उनको शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य देने के लिए। ऐसी अस्थिरता बनी रहेगी तो सरकार को जो काम करना चाहिए वो नहीं कर सकेगी। वो कई बार ऐसी हरकत कर चुके हैं। मुख्यमंत्री की उम्र हो गई है। पिछले 19 साल से वह लगातार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल रहे हैं। एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं। उनकी यह हरकत उन्हें शोभा नहीं देती। ये बात कटिहार में राजद कोटे से बने राज्यसभा सांसद डॉक्टर अहमद अशफाक करीम ने कही।स्वयं के लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर राज्यसभा सांसद डॉक्टर अहमद अशफाक करीम ने कहा कि हमलोग जिम्मेदार व्यक्ति हैं। खुद से कहना कि मैं चुनाव लड़ूंगा, पार्टी का निर्णय होगा तो लड़ूंगा। कांग्रेस है, राजद है, माले है... पार्टी जो भी निर्णय लेगी, उचित फैसला करेगी वो करूंगा।

# स्वाभाविक है इंडिया गठबंधन में भगदड़

एजेंसी

**बेगूसराय ।** बिहार में तेजी से बदल रहे राजनीतिक समीकरण पर जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने शनिवार को तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जब तक आपके पास कोई नेरेटिव नहीं है। कोई मुद्दा नहीं है, कोई चेहरा नहीं है, काम करने का संगठन नहीं है, संसाधन नहीं है, तब तक सिर्फ नेताओं के साथ बैठकर किसी गठबंधन के बना लेने से जमीन पर क्या असर

पड़ेगा।प्रशांत किशोर ने कहा कि जब आप इस तरह का कोई प्रयास करेंगे और असर दिखेगा नहीं, तो भगदड़ आना और थोड़ी बहुत-गिरावट आना स्वाभाविक है। आज आए या चुनाव के नतीजों के बाद आए।आगे-आगे देखिए होता है क्या प्रशांत किशोर ने कहा कि इंडिया गठबंधन आज से 6-8 महीने पहले बना था। उसकी पहली बैठक पटना में ही हुई। बड़ी-बड़ी बातें हुई, नीतीश कुमार प्रधानमंत्री का चेहरा बन गए, लेकिन उसका कुछ नहीं हुआ। सच्चाई यह है कि इंडिया गठबंधन की आजतक एक भी पब्लिक मीटिंग नहीं हो पाई है और सोच रहे हैं कि पूरा देश उनके साथ खड़ा हो जाएगा।

# फर्जी ड्रीम 11 के नाम पर लोगों से ठगी

एजेंसी

**गोपालगंज ।** गोपालगंज के सिधवलिया थाना क्षेत्र लोहिजारा गांव में पुलिस ने छापेमारी कर दो नाबालिग समेत 9 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। साथ ही दस मोबाइल फोन को भी बरामद किया गया है। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए अभियुक्तों से पुलिस पूछताछ के बाद कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले को लेकर एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया की गुप्त सूचना मिली थी की सिधवलिया थाना क्षेत्र के लोहिजरा गांव में कुछ युवकों द्वारा ड्रीम 11 के नाम पर ढोंग कर लोगों को अपने जाल में फंसाया जा रहा है। प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सिधवलिया थाना पुलिस ने में छापेमारी कर फर्जी ड्रीम 11 के

नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के 9 लोगों को हिरासत में लेकर थाने लाई है। साथ ही उन लोगों के पास से कई मोबाइल को भी जब्त किया गया है। बेहतर रैंक दिलाने के नाम पर करते थे ठगी एसपी ने बताया की उन लोगों द्वारा ड्रीम 11 के विजेता होने का ढोंग कर लोगों को बेहतर रैंकिंग दिलाने के नाम पर पैसा का ठगी किया जाता था। गिरफ्तार लोगों की पहचान सिधवलिया थाना क्षेत्र के लोहिजरा गांव निवासी राजेश्वर राम के बेटा संदीप कुमार, मुन्ना पंडित के बेटा अनुप कुमार, हृदय यादव के बेटा सचिन कुमार,मोहम्मद असलम अली के बेटा मोहम्मद सोएब अख्तर उर्फ मन्नू ,स्व० चन्द्रिका राम के बेटा गुड्डू राम, स्व० मोहन राम के बेटा संतू कुमार और किसनाथ साह के बेटा बृज किशोर कुमार उर्फ केन साहब के रूप में हुई है।

# मैट्रिक और इंटर परीक्षा को लेकर तैयारी शुरू

एजेंसी

**छपरा ।** छपरा में बिहार बोर्ड के होने वाले मैट्रिक और इंटर के परीक्षा के वार्षिक परीक्षा को लेकर तैयारी अंतिम चरण पर है। जिसे लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से सामानों का वित्तरण शुरू हो गया है। आज शनिवार को सुबह से अलग अलग केंद्रों के केंद्राधीक्षक और कर्मी परीक्षा संबंधित समान के लिए जुटे हुए है। सारण जिला में 69 केंद्रों पर इंटरमीडिएट की परीक्षा तथा 67 केंद्रों पर मैट्रिकुलेशन का परीक्षा होना है। 1 फरवरी से इंटरमीडिएट का परीक्षा होना है। जबकि 15 फरवरी में मैट्रिकुलेशन का परीक्षा

होना है। कर्मी डीइओ कार्यालय परिसर में पहुंचकर अपने-अपने केंद्रों से संबंधित परीक्षा सामग्री तथा उपस्थिति पत्रक, स्टेशनरी के सामान,गत्ता आदि लेते दिखे। ताकि एक फरवरी से हो रही इंटर परीक्षा की प्रत्येक पाली के उत्तर पुस्तिकाओं एवं ओएमआर को निर्धारित गत्ते के बॉक्स में सील कर बारकोडिंग सेंटर में भेजा जा सके। दोनों परीक्षा में 1.5 लाख परीक्षार्थी होंगे शामिल डीइओ को बोर्ड से मिली सूची के अनुसार इंटरमीडिएट 2024 की परीक्षा में विज्ञान, कला एवं वोकेशनल विषयों में कुल 60 हजार 648 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें छात्रों की संख्या 31574, और छात्राओं की संख्या 29 हजार 74 है। जबकि मैट्रिक बोर्ड 2024 की परीक्षा में सारण जिले में कुल 80 हजार 955 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें छात्रों से ज्यादा छात्राएं हैं। बोर्ड द्वारा जारी सूचना के अनुसार मैट्रिकुलेशन में छात्रों की संख्या 39461, तो छात्राओं की संख्या 41494 है। मैट्रिक बोर्ड की परीक्षा में 50 फीसदी परीक्षार्थी प्रथम पाली तथा 50 फीसदी परीक्षार्थी द्वितीय पाली में परीक्षा में शामिल होंगे

# कचरे की ढेर में मिला नवजात का शव

**बेगूसराय ।** बेगूसराय में नवजात कचरा की ढेर पर फेंका हुआ मिला। घटना नगर थाना क्षेत्र के पावर हाउस रोड स्थित गाछी टोला टीओपी के पास की है। सुबह में कचरा उठाने के बाद जब सफाई कर्मी फिर दूसरे जगह से कचरा लाने के लिए चले गए और लौट कर आए तो करीब तीन-चार महीने के बच्चे का एक शव वहां फेंका हुआ था। इसके बाद मौके पर से घटना की सूचना नगर थाना की पुलिस एवं नगर निगम को दिया गया।इधर, शव पाए जाने जाने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई तथा सभी इसकी निंदा कर रहे हैं। आसपास के लोगों का कहना है कि इस रोड में कई अस्पताल हैं।

जहां की अवैध कार्य किया जाता है। अस्पताल में ही मौत होने पर किसी ने यहां खुले में कचरा के ढेर पर शव को फेंक दिया है। नगर निगम के सफाई जमादार गणेश उन्होंने बताया कि सुबह में 6 बजे यहां से कचरा उठाया गया था। उसके बाद फिर आसपास के मोहल्ले से कचरा लाने के लिए सफाई कर्मी गए हुए थे। यहां कचरा का वह अस्थाई डंपिंग होता है।

# सियासी उठापटक के बीच बक्सर पहुंचे नीतीश

**बक्सर ।** बिहार में सियासी उठापटक के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बक्सर पहुंचे हैं। उनके साथ भाजपा के केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे भी मौजूद हैं। बीजेपी के कई नेता भी इस कार्यक्रम में मौजूद हैं।नीतीश ब्रम्हापुर ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। इसके बाद वे मंदिर परिसर में बने पोखरा का निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ जदयू के नेता और कार्यकर्ता भी हैं।उट नीतीश कुमार बक्सर के ब्रह्मपुर शिव मंदिर में 8 करोड़ की लागत से किए गए सौंदर्यीकरण का उद्घाटन करेंगे। उट नीतीश कुमार ब्रह्मपुर शिव मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद यहां हुए विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने पिछले साल 21 जुलाई 2023 को मंदिर के विकास और सौंदर्यीकरण कार्य का वर्चुअल शिलान्यास किया था।

# बिहार में कांग्रेस को अपने विधायकों की चिंता

एजेंसी

**पटना ।** बिहार में राजनीति घमासान के बीच कांग्रेस को अपने विधायकों की चिंता सता रही है। राजधानी पटना की राजनीति से 300 किलोमीटर दूर पूर्णिया के एक होटल में पहुंचने का निर्देश दिया है। यह होटल कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के करीबी का है। पूर्णिया कांग्रेस का गढ़ है।खबरें ये आ रही हैं कि जदयू में नीतीश के खास मंत्री अशोक चौधरी कांग्रेस के कुछ विधायकों को जदयू में लाने की कोशिश कर रहे हैं। अशोक चौधरी पहले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। बाद में वह नीतीश के करीबियों में शामिल हैं।कांग्रेस के 19 में से 10 विधायक होटल पहुंच चुके हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह सभी विधायकों के साथ बैठक करेंगे। वे

खुद भी शनिवार को पूर्णिया पहुंचे हैं। सुबह से ही कांग्रेस के विधायक पूर्णिया पहुंच रहे हैं। अखिलेश बोले- एकजुट हैं, इखढ के 20 विधायक हमारे संपर्क में कांग्रेस में टूट की खबर के बीच प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने दो टूक कहा है कि किसी भी हालत में पार्टी के विधायक कहीं नहीं जाएंगे। हम लोग पूरी तरह से एकजुट हैं। साथ ही यह भी दावा किया है कि उनके संपर्क में भाजपा के 20 विधायक हैं। अखिलेश प्रसाद सिंह ने यह भी कहा है कि पूर्णिया में ही कांग्रेस के विधायक दलों की बैठक होगी। सियासी उठा पटक के बीच हम लोग अपना काम करते रहेंगे। राजद ने विधानसभा में संख्या बल ज्यादा होने के संबंध में कुछ नहीं कहा है, सिर्फ अफवाह है। बिहार के युवा बड़ी संख्या में कांग्रेस की ऐतिहासिक रैली में 3 फरवरी को पहुंच रहे हैं। रैली में महागठबंधन की मजबूती भी दिखेगी। तेजस्वी समेत वाम दलों के सीनियर नेता पूर्णिया पहुंच रहे हैं। नीतीश कुमार को आमंत्रण दिया गया है। वे आएंगे या नहीं। यह तो वही बता सकते हैं। कांग्रेस के पुराने नेता रहे हैं अशोक चौधरी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कांग्रेस विधायकों को तोड़ने की कोशिश में भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी का नाम सामने आ रहा है। नीतीश कुमार से उनकी नजदीकी को हर कोई जानता है। शुक्रवार को पटना में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम नीतीश के बगल में डिप्टी सीएम तेजस्वी की कुर्सी लगी थी। वे नहीं पहुंचे थे। इसके बाद अशोक चौधरी खुद से कुर्सी पर से स्टिकर हटाते हुए दिखे। फिर नीतीश कुमार के बगल में बैठ गए थे। अशोक चौधरी के पिता भी थे कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक चौधरी का कांग्रेस से पुराना नाता रहा है। कांग्रेस के नेताओं के बीच उनकी अच्छी पैठ भी है। चौधरी के पिता दिवंगत महावीर चौधरी भी कांग्रेस से बड़े नेताओं में शामिल थे। कांग्रेस के बिहार इकाई के अध्यक्ष भी थे। बिहार विधान सभा के लिए आठ बार निर्वाचित हुए थे और कांग्रेस की कई सरकार में मंत्री भी रहे थे।

# नारी शक्ति का प्रदर्शन

हर बार की तरह इस बार भी नई दिल्ली में हुई गणतंत्र दिवस की परेड में भारत ने अपनी जंगी ताकत का प्रदर्शन किया। मिसाइलें, लड़ाकू विमान, अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र, सेना का ऐसा हर हथियार, जो हमें देश की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करता है, इस परेड में शामिल था। मगर सेना के पास सिर्फ इतना ही नहीं है, भारतीय सेना के पास एक और ऐसी ताकत आ चुकी है, जो आश्वस्त भी करती है और गौरवान्वित भी। यह है नारी शक्ति। शुक्रवार की परेड में तीनों सेनाओं और अन्य सुरक्षा बलों की सभी टुकड़ियों का नेतृत्व महिलाओं ने किया। यहां तक कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की झांकी का नेतृत्व भी वैज्ञानिक सुनीता जैन ने किया। परेड और झांकियों में यह दिखाने की कोशिश की गई कि महिलाएं सुरक्षा बलों में कितने अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा रही हैं। परेड में जिस टुकड़ी ने सबका ध्यान खींचा, वह थी सेना के एक इंजीनियरिंग कोर बांबे सैपर्स की टुकड़ी। भारतीय सेना की इस सबसे प्रतिष्ठित कोर की टुकड़ी में सभी पुरुष थे, लेकिन उनका नेतृत्व एक महिला दिव्या त्यागी कर रही थीं। राज्यों की झांकियों और परंपरागत नृत्य मंडलियों में महिलाएं ही आगे थीं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सुरक्षा बलों में महिलाओं की भूमिका को लेकर ही हुई। यह सिर्फ भारतीय रक्षा बलों में महिलाओं की सक्रियता का मामला नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि समाज अपने बंधन तोड़कर कितना आगे बढ़ चुका है। ब्रिटिश सरकार ने जब भारत में सेना बनाई थी, तब उसमें महिलाओं को एक ही भूमिका दी जाती थी- नर्स की भूमिका। महिलाएं घायल सैनिकों के इलाज से आगे जाकर भी कुछ कर सकती हैं, ऐसा सोचा ही नहीं गया था। लेकिन ठीक उसी समय जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने भारत के बाहर निर्वासित आजाद हिंद फौज का गठन किया, तब उन्होंने रानी झांसी ब्रिगेड बनाई थी, जिसमें सिर्फ महिलाएं ही थीं। आजादी के बाद भारत ने इस परंपरा को धीरे-धीरे ही सही लगातार आगे बढ़ाया। लंबे समय तक सोच यही रही कि युद्ध के मोर्चे पर जाकर लड़ाई लड़ने का काम, यानी कॉम्बैट रोल महिलाओं को नहीं सौंपा जाना चाहिए, पर धीरे-धीरे इस आग्रह को भी खत्म कर दिया गया। अब अगर हम 2018 के आंकड़ों को देखें, तो उस समय भारतीय वायुसेना में 13 फीसदी से भी ज्यादा महिलाएं ऑफिसर के पद पर थीं। बाकी दोनों सेनाओं में यह प्रतिशत इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन तेजी से सुधर रहा है। सोच और आग्रह के स्तर पर जो सबसे बड़ी बाधा थी, अब वह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। परेड में शामिल ये टुकड़ियां राष्ट्रपति को सलामी देती हैं। यानी सिर्फ सलामी देने वाली ही महिलाएं नहीं थीं, बल्कि वे एक महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सलामी दे रही थीं। यह बताता है कि सिर्फ सैनिकों, अफसरों और पेशेवरों के मामले में ही महिलाएं आगे नहीं हैं, सत्ता तंत्र चलाने में भी वे बहुत आगे पहुंच चुकी हैं। पिछले दिनों जिस तरह से भारत ने महिला आरक्षण विधेयक संसद के दोनों सत्रों में पास किया, उससे यह लगभग तय है कि आने वाले समय में राजनीति में महिलाएं ज्यादा बड़ी भूमिका निभाने जा रही हैं।

# अवसरों का आदान-प्रदान

केंद्र ने वैभव (वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक) नामक फेलोशिप कार्यक्रम के तहत फेलोशिप पानेवाले पहले नामों की घोषणा कर दी है, लेकिन इस पहल की बुनियाद में जो विचार है वह काफी दिलचस्प बना हुआ है। भारतीय मूल के, या भारतीय वंशक्रम के वैज्ञानिक भारत की किसी मेजबान शोध प्रयोगशाला में, तीन साल के लिए, साल में तीन महीने तक बिताने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस अवधि में, इन शोधकताओं से यह उम्मीद की जाती है कि वे कोई प्रोजेक्ट या टेक्नोलॉजी स्टार्ट-अप शुरू करेंगे, उस संस्थान के साथ दीर्घकालिक जुड़ाव कायम करेंगे, मेजबान फैकल्टी के साथ मिलकर काम करेंगे और संबंधित क्षेत्र में, भारतीय विश्वविद्यालयों व शोध परिवेश में नये विचार लेकर आयेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्यक्रम के गति पकड़ने के साथ, नये तरह के रिश्ते सामने आ सकते हैं : भारतीय मूल की फैकल्टी को छात्रों, ज्यादा सहायकों (एसोसिएट्स) और यहां तक की डिग्रियों को सुपरवाइज करने की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, जिससे ज्ञान, नवाचार और कार्य संस्कृति का सही मायनों में हस्तांतरण हो सकता है और ज्यादा आशावादी होकर उम्मीद करें, तो अनिवासी भारतीय वैज्ञानिक भारत में रुकने की भी सोच सकते हैं। वैभव एक मौलिक विचार नहीं है। खुद इस सरकार के कार्यकाल में, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग (डीएसटी) ने समान उद्देश्यों के साथ वज्र (विजिटिंग एडवांस्ड ज्वाइंट रिसर्च) फैकल्टी स्कीम की परिकल्पना की। दोनों योजनाओं में बस थोड़े से फर्क हैं। वैभव केवल प्रवासी भारतीयों के लिए है, जबकि वज्र में दूसरी राष्ट्रीयताओं के लोग भी शामिल हो सकते हैं। वज्र फेलोशिप की राशि के मामले में ज्यादा उदार है, लेकिन कार्य अवधि एक साल तक सीमित है, वहीं वैभव में कम पैसे दिये जाते हैं, लेकिन इसका विस्तार तीन साल तक है। इन दोनों योजनाओं की जिम्मेदारी संभालने वाले डीएसटी का कहना है कि तकरीबन 70 अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी ह्यवज्रह्ल का हिस्सा बनकर भारत में समय बिता चुकी हैं, इसके बावजूद इस योजना से हुए फायदे को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। अधिकारियों का कहना है कि अभी दोनों योजनाएं चलती रहेंगी।

# श्रीराम के शील, आचार और मर्यादा से भारतीय विवेक का निर्माण

ANALYSIS

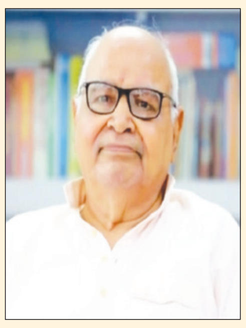

✍ हृदयनारायण दीक्षित

अयोध्या और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मध्य 135 किमी का फासला है। इस लम्बे मार्ग के किनारे-किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ जय श्रीराम का नारा लगा रही थी। सबके चेहरे पर उल्लास और उत्साह। सब आनंदित और सब प्रसन्न। देश और विदेश के तमाम क्षेत्रों में भी अपने-अपने ढंग से उल्लास व्यक्त करने वालों की भीड़ आश्चर्यजनक थी। मूलभूत प्रश्न है कि यह भीड़ किसकी बनाई योजना के अनुसार अनुशासनबद्ध थी? किसने इसे प्रेरित किया? इस महाभीड़ का कारण क्या था? स्पष्ट है कि यह महाभीड़ ह्यस्वत: स्फूर्तह्य थी। स्वत: स्फूर्त का अर्थ सीधा और सरल है। यहाँ कोई दूसरा व्यक्ति या संगठन प्रेरक नहीं। कोई लोभ नहीं। कोई भय नहीं। कोई आश्वासन नहीं। सब कुछ अनुभूत विवेक के अधीन अपने आप घटित हो रहा था। ऐसा स्वत: स्फूर्त वातावरण पहले कभी नहीं देखा गया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर समूचे देश में आश्चर्यजनक उत्साह था। यह वाकई विश्लेषण और विवेचन का विषय है।

भारत श्रीराममय हो गया है। यह अव्याख्येय है। दर्शन और मनोविज्ञान के सिद्धांतों से भारत के ताजा उत्साह की व्याख्या नहीं हो सकती। अयोध्या में जनसैलाब उमड़ रहा है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा का दिन था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी उपस्थित थे। अयोध्या में इस कार्यक्रम के लिए निमंत्रित लगभग 7000 लोगों की उपस्थिति थी। लेकिन कार्यक्रम स्थल के अलावा भी पूरी अयोध्या राममय थी। प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में अपेक्षित लोगों की सूची में मैं भी था। इसलिए सारा कार्यक्रम निकट से देखने का अवसर मिला। अयोध्या और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मध्य 135 किमी का फासला है। इस लम्बे मार्ग के किनारे-किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ जय श्रीराम का नारा लगा रही थी। सबके चेहरे पर उल्लास और उत्साह। सब आनंदित और सब प्रसन्न। देश और विदेश के तमाम क्षेत्रों में भी अपने-अपने ढंग से उल्लास व्यक्त करने वालों की भीड़ आश्चर्यजनक थी। मूलभूत प्रश्न है कि यह भीड़ किसकी बनाई योजना के अनुसार अनुशासनबद्ध थी? किसने इसे प्रेरित किया? इस महाभीड़ का कारण क्या था? स्पष्ट है कि यह महाभीड़ ह्यस्वतः स्फूर्तह्य थी। स्वतः स्फूर्त का अर्थ सीधा और सरल है। यहाँ कोई दूसरा व्यक्ति या संगठन प्रेरक नहीं। कोई लोभ नहीं। कोई भय नहीं। कोई आश्वासन नहीं। सब कुछ अनुभूत विवेक के अधीन अपने आप घटित हो रहा था। ऐसा स्वतः स्फूर्त वातावरण पहले कभी नहीं देखा गया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर समूचे देश में आश्चर्यजनक उत्साह था। यह वाकई विश्लेषण और विवेचन का विषय है। इसने राम के श्रद्धालुओं

को आनंद अतिरेक का खूबसूरत अवसर दिया है। मजेदार बात यह है कि इसी के बहाने छद्म सेकुलरपंथी राजनीति वाले भी अनेक महानुभाव भी वाचाल हुए। उन्होंने श्रीराम के प्रति लोक आस्था को हास्यास्पद ढंग से प्रकट किया। प्राण प्रतिष्ठा सीधी सी बात है। मूर्तियां वस्तु या पदार्थ से बनती हैं। जब तक बाजार में हैं तब तक वे वस्तु हैं। शिल्पी उन्हें तैयार करते हैं। रूप रंग भरते हैं। उनमें सौन्दर्य उत्पन्न करते हैं लेकिन हैं तो मूर्तियां ही। वैदिक परम्परा में मूर्तियों में प्राण प्रतिष्ठा की विशेष पद्धति विकसित हुई थी। मूर्तियों में प्राण नहीं होते। इस पद्धति के आलोचक अपने ज्ञान पर प्रसन्न हो सकते हों तो हों। मूर्ति पूजा प्राण उपासना का हिस्सा है। ऋग्वेद में सूर्य को प्राण कहा गया है। वह जगत का प्राण है ही। सविता सूर्य पृथ्वी के पोषक हैं। श्रीराम सूर्यवंशी हैं। उनके कारण जगत की गतिविधि चलती है। प्रश्नोपनिषद में कहते हैं, ह्यह्यआदित्यो ह वै प्राणो-आदित्य जगत के प्राण हैं।ह्यह्य छान्दोग्य उपनिषद (1.3.1) में कहते हैं, मनुष्यों में प्राण ऊर्द्धव गान है- उद्गीथ हैं। प्राण महत्वपूर्ण हैं। प्राण धारण करने से हम सब प्राणी हैं। पत्थर या किसी भी पदार्थ की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के पहले साधारण पदार्थ ही होती है। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में मूर्ति को निश्चित समय के लिए जल प्रवाह में रखने का विधान है। अन्न में भी प्राण होते हैं। इसलिए मूर्ति को काफी समय के लिए अन्न के भीतर रखते हैं। दूध आदि पदार्थ भी उपयोग में आते हैं। फिर मंत्र आराधन करते हैं। विश्वास करते हैं कि मूर्तियों में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। प्राण प्रतिष्ठा की यह विधि सभी मूर्तियों के लिए अपनाई जाती है। राम विरोधी तत्व मीडिया में जगह पाने के लिए हास्यास्पद और दयनीय बयानबाजी करते हैं। ऐसे ही एक नेता कहते हैं कि मुर्दों की प्राण प्रतिष्ठा क्यों नहीं की जाती? शरीर का हलचल में रहना ही प्राणवान होना नहीं है। प्राण जीवन है। भारतीय और बौद्ध परम्परा ने शरीर के बूढ़ा हो जाने पर पुनर्जन्म का सिद्धांत माना है। प्राण अव्यय और अक्षर हैं। भारतीय परम्परा के निन्दक प्राण उपासना नहीं जानते। मार्कण्डेय काटजू भारत के प्रधान न्यायाधीश रहे हैं। उन्हें पद पर रहते हुए हम भारत के लोग न्यायमूर्ति कहते रहे हैं। उन्होंने इस विशेषण का विरोध नहीं किया। न्याय भौतिक उपलब्धि है। श्री काटजू भी न्यायमूर्ति कहे जाते रहे हैं। कृपया वे स्पष्ट करें कि वे अभी भी न्यायमूर्ति हैं कि नहीं। अगर वे अभी भी मूर्ति हैं तो क्या उनकी मूर्ति निष्प्राण हैं? कुछ लोग कह सकते हैं कि संविधान न्यायपालिका का मार्गदर्शी है। यह सही भी है। संविधान निमार्ताओं का विवेक और विनिश्चय सभी संविधाननिष्ठ भारतवासियों के लिए स्वीकार्य है। भारत के संवैधानिक विवेक में श्रीराम की मयार्दा सम्मिलित है। संविधान बन गया था। संविधान पारण के बाद सभा अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा, ह्यह्यअब सदस्यों को संविधान की प्रतियों पर हस्ताक्षर करने हैं। एक हस्तलिखित अंग्रेजी की प्रति है। इस पर कलाकारों ने चित्र अंकित किए हैं। दूसरी छपी हुई अंग्रेजी की प्रति है और तीसरी हस्तलिखित हिन्दी की। चित्रमय प्रति में मुखपृष्ठ पर श्रीराम और श्रीकृष्ण, भाग 1 में सिन्धु सभ्यता की स्मृति वाले मोहनजोदड़ो काल की मोहरों के चित्र हैं। नागरिकता वाले अंश में वैदिक काल के गुरुकुल का चित्र है। भाग 3 में मौलिक अधिकारों वाले पृष्ठ पर श्रीराम की लंका विजय का चित्र है। नीति निदेशक तत्वों वाले पृष्ठ पर श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए गीता उपदेश का चित्र है। इस चित्रावली में स्वामी महावीर, बुद्ध, अशोक, गुप्तकाल, विक्रमादित्य, नालंदा विश्वविद्यालय, ओडिशा का स्थापत्य, नटराज, गंगा अवतरण, शिवाजी, गुरु गोविन्द सिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, गांधीजी की दाण्डी यात्रा, नेताजी सुभाषचन्द्र आदि के अनेक चित्र हैं। संविधान निमार्ताओं ने राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर आदि के चित्र सांस्कृतिक उपयोगिता के आधार पर ही निश्चित किए गए थे। भारत का विवेक इसी परम्परा से बना है। विवेक का विकास लोक और शास्त्र से तथ्य लेकर संभव होता है। किसी को राम काल्पनिक लगते हैं। यह उसका अपना विवेक है। तुलसीदास सजग थे। उन्होंने ऐसे लोगों के लिए रामचरितमानस में खूबसूरत चौपाई लिखी है, ह्यह्यजाकी रही भावना जैसी-प्रभु मूरत देखि तिन जैसी।ह्यह्य लेकिन अब श्रीराम और श्रीकृष्ण को काव्य कल्पना बताने वाले लज्जित हैं। खिसिया गए हैं। उनका सतही अध्ययन हास्यास्पद सिद्ध हुआ है। अयोध्या तथ्य हैं। चित्रकूट तथ्य हैं। दण्डकारण्य तथ्य हैं। गंगा, तमसा और मन्दाकिनी के प्रवाह सत्य हैं। वाल्मीकि, कम्ब व तुलसी सत्य हैं। उनके विवेक सिद्ध सत्य हैं। भारत ने अपना गणतंत्र दिवस समारोह सम्पन्न किया है। जन गण मन में भारत का विवेक अन्तर्निहित है। भारतीय विवेक का विस्तार और निर्माण श्रीराम के शील, आचार और मयार्दा से हुआ है। श्रीराम मयार्दा पुरुषोत्तम हैं। श्रीराम इस राष्ट्र का उत्स (मूल) हैं। इसी उत्स से 22 जनवरी को स्वतः स्फूर्त उत्सव प्रकट हुआ है। इसीलिए भारत आदर्श गणतंत्र है। महाभारत युद्ध के बाद युधिष्ठिर ने भीष्म से आदर्श गणतंत्र पूछा। भीष्म ने (शांतिपर्व:107.14) बताया कि भेदभाव से ही गण नष्ट होते हैं। उन्हें संघबद्ध रहना चाहिए। गण के लिए बाहरी की तुलना में आतंरिक संकट बड़ा होता है- आभ्यन्तरं रक्ष्यमसा बा तो भयम् वा उतना बड़ा नहीं। यह सावधानी अनिवार्य है।

**लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।**

# अंतरिम बजट के लिए कुछ सुझाव

एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया जायेगा, जो एक अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक की अवधि के लिए होगा। चूंकि कुछ समय बाद लोकसभा चुनाव होने हैं, इसलिए वित्त मंत्री केवल अंतरिम बजट प्रस्तुत करेंगी। इसका अर्थ यह है कि वर्तमान सरकार ऐसी बड़ी घोषणाएं नहीं कर सकती है, जिनसे उसे चुनाव में फायदा मिले। सरकार नये बड़े खर्चों को भी प्रस्तावित नहीं कर सकती है, जिसे पूरा करने की जिम्मेदारी अगली सरकार की होगी। ऐसे में बजट भाषण में नियमित खर्चों के साथ-साथ उन्हीं मदों का उल्लेख होगा, जिन्हें टाला नहीं जा सकता है। इसमें उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर राजस्व के अनुमान भी होंगे। हमें बड़े सुधारों या कल्याण कार्यक्रमों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। फिर भी यह नहीं भूला जा सकता है कि यह बजट जल्दी ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले राष्ट्र के समक्ष एक वार्षिक प्रस्तुति है। बजट प्रस्तावों में चुनावी रूप से लोकलुभावन तथा अगली सरकार के बड़ी बोझ बन सकने वाली घोषणाओं से बचते हुए भी ऐसी घोषणाएं हो सकती हैं और होनी भी चाहिए, जो सुधार प्रक्रिया को आगे ले जाएं। इस सुधार प्रक्रिया की निरंतरता को हम बीते 34 वर्षों से देख रहे हैं। इसलिए अंतरिम बजट के लिए कुछ सुझाव प्रस्तावित हैं। पहला बिंदु आयकर छूट के संबंध में है। आयकर चुकाने की बात तब आती है, जब आपकी न्यूनतम वार्षिक आय 7.5 लाख रुपये से अधिक है। यह आय देश की प्रति व्यक्ति आय का 300 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति आय देश के हर पुरुष, महिला और बच्चे की औसत कमाई होती है। दुनिया के किसी भी देश में इतने उच्च स्तर की आयकर छूट की सीमा नहीं है। इसलिए वित्त मंत्री को इस न्यूनतम सीमा को और आगे बढ़ाने से परहेज करना चाहिए। छूट सीमा के इतना अधिक होने की वजह से भारत में आयकर और सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) का अनुपात बहुत कम है। इसका यह भी मतलब है कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे अप्रत्यक्ष करों से राजस्व जुटाने का बोझ अधिक है। अप्रत्यक्ष कर न्यायपूर्ण नहीं होते। अमीर हो या गरीब, सभी जीएसटी देते हैं और इसका बहुत अधिक बोझ गरीब पर पड़ता है। हमें जीएसटी की माध्यिका दर को 18 प्रतिशत से 12 प्रतिशत करना चाहिए। और यह तभी हो सकता है, जब हम आयकर जैसे प्रत्यक्ष करों से अधिक संग्रहण करें। साढ़े सात लाख रुपये तक की आयकर छूट सीमा भी भ्रामक है क्योंकि जब आपकी आमदनी 15 लाख रुपये से अधिक होती है, तब आपको लगभग 42 प्रतिशत के उच्चतम सीमांत दर के हिसाब से आयकर देना पड़ता है। इसका मतलब यह है कि केवल 7.5 लाख रुपये में ही हमारी सीमांत कर दर शून्य से 42 पहुंच जाती है। एक बेहतर संरचना ऐसी हो सकती है- ढाई लाख रुपये तक की कमाई पर शून्य कर, ढाई से 7.5 लाख तक पर 10 प्रतिशत, 7.5 से 25 लाख तक पर 20 प्रतिशत, 25 से 50 लाख तक पर 30 प्रतिशत तथा 50 लाख से ऊपर आय पर और अधिक दर। इससे हमारा संग्रहण बढ़ सकता है। दूसरा सुझाव राजकोषीय समेकन के बारे में है। वित्तीय घाटा जीडीपी का लगभग पांच से छह प्रतिशत है। इससे कर्ज बोझ बढ़ता जाता है, जो अभी जीडीपी का 82 प्रतिशत है। सरकार द्वारा भारी कर्ज लेने के कारण दूसरों के लिए कर्ज हासिल करने की गुंजाइश कम हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि अगर नियंत्रण नहीं हुआ, तो भारत का कर्ज भार जीडीपी का 100 प्रतिशत हो जायेगा। जमैका का उदाहरण हमारे सामने है, जिसने बीते 15 वर्षों में जीडीपी के अनुपात में अपने कर्ज भार को 140 से घटाकर 72 प्रतिशत यानी आधा कर लिया है। जैसा कि वित्तीय उत्तरदायित्व को लेकर गठित हुईं विभिन्न समितियों ने सुझाव दिया है, भारत निश्चित रूप से अपने कर्ज भार को 82 से घटाकर 60 प्रतिशत कर सकता है। साठ प्रतिशत के इस लक्ष्य में केंद्र का हिस्सा 40 और राज्यों का हिस्सा 20 है। ऐसा होने के लिए वित्तीय घाटे को नियंत्रित रखना होगा। पुरानी पेंशन योजना जैसी लोकलुभावन मांगों के सामने समर्पण करना वित्तीय रूप से विनाशकारी होगा और श्रमबल के बहुत बड़े हिस्से के लिए प्रति अनुचित होगा, जिसके पास कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं है। तीसरा सुझाव किसानों की आमदनी के बारे में है, जिसे 2022 या 2023 में दुगुना होना था। पर ऐसा नहीं हुआ। इसकी एक वजह यह रही कि कृषि उत्पादों के दाम को बढ़ने नहीं दिया गया। जब भी चीनी, चावल या प्याज जैसी चीजों के मूल्य बढ़े, तो केंद्र सरकार ने उनके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। ऐसे में किसान कुछ अच्छा मुनाफा बनाने से चूक जाते हैं। खाद्य पदार्थों पर सरकार की पाबंदी इस चिंता की वजह से है कि कहीं शहरी लोग नाराज न हो जाएं। शहरी उपभोक्ता को महंगाई से होने वाला दर्द उन किसानों के दर्द से अधिक महत्वपूर्ण है, जो निर्यात के लाभ से वंचित रह जाते हैं। ऐसी ही स्थिति दूध के दाम के साथ है, जिसे बहुत अधिक नियंत्रित रखा गया है। बजट में कृषि नीतियों में शहरी पक्षपात का संज्ञान लिया जाना चाहिए और निर्यात पाबंदी जैसी प्रतिक्रियाओं से किनारा करना चाहिए। बजट कृषि उत्पादों के अग्रिम बाजार को भी प्रोत्साहित कर सकता है। चौथा सुझाव शिक्षा क्षेत्र से जुड़ा है, जहां बड़े निवेश की दरकार है ताकि शोध बढ़े, शिक्षकों की नियुक्तियां हों, सीटें बढ़ें और छात्रवृत्ति बढ़े। यह सब अकेले सरकारी आवंटन से नहीं होगा। निजी निवेश बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा के संस्थानों को विदेशी निवेश लाने की पूरी छूट दी जा सकती है। यदि हम रक्षा समेत हर क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का स्वागत करते हैं, तो फिर शिक्षा में विदेशी निवेश को लेकर इतना अधिक नियमन क्यों है? क्या संबंधित नियम-कानून को शिक्षा संस्थानों के लिए बहुत उदार बनाया जा सकता है?

# Social Media Corner

**सच के हक में...**

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री जी के साथ आज लखनऊ में 19वें एशियाई व चतुर्थ पैरा एशियाई खेल-2022 और 37वें राष्ट्रीय खेल-2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के सम्मान हेतु आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के 189 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 62 करोड़ पुरस्कार राशि भेंट कर सम्मानित करने के साथ ही स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों को पुलिस उपाधीक्षक, जिला युवा कल्याण अधिकारी व यात्री/माल कर अधिकारी के रूप में नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए। सभी खेल प्रतिभाओं को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं!

**(सीएम योगी आदित्यनाथ का 'एक्स' पर पोस्ट)**

छोटे किसानों का आर्थिक सामर्थ्य इतना नहीं होता था कि वे बाजार में अनुकूल भाव मिलने तक अपनी उपज को अपने पास रख सकें, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में किसानों का यह सपना भी प्रधानमंत्री ग्रामीण भंडारण योजना के माध्यम से साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री ग्रामीण भंडारण योजना के माध्यम से छोटे किसानों की भंडारण क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से गोदामों का नेटवर्क बढ़ाया जा रहा है, जिससे किसान अपनी उपज उस समय बेच सकेंगे जब उन्हें बाजार में लाभकारी मूल्य मिल रहा हो।

**(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# मजबूत बनी रहेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.4 प्रतिशत पर यथावत रखा है। अपनी रिपोर्ट में विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023 के दौरान भी भारत की जीडीपी वृद्धि दर के 6.5 प्रतिशत के स्तर पर रहने का अनुमान जताया है। विश्व बैंक ने यह भी कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती रहेगी। इस अनुमान के आधार घरेलू मांग में वृद्धि, सार्वजनिक आधारभूत संरचनाओं पर अधिकतम खर्च, क्रेडिट वृद्धि में तेजी आदि हैं। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एस एंड पी ग्लोबल ने 2023-24 के लिए वृद्धि दर के अनुमान को छह प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है, लेकिन 2024-25 के लिए अनुमान को 6.9 से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी का मानना है कि दूसरी छमाही में वृद्धि दर में कमी आयेगी, लेकिन अगर महंगाई नियंत्रण में रहती है और आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी रहती है, तो वृद्धि दर अनुमान से ज्यादा रहेगी। रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की बीबीबी की रेटिंग को बरकरार रखा है। इसका यह अर्थ हुआ कि भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी रहेगी। इस एजेंसी के अनुसार भारत की जीडीपी 2024 में 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी और आगामी कुछ सालों तक दुनिया की सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में एक बनी रहेगी। फिच का यह भी मानना है कि भारत में महंगाई स्थिर बनी हुई है और वित्त वर्ष 2024 के अंत तक यह घटकर 4.7 प्रतिशत के स्तर पर रह सकती है। साथ ही, यहां देशी, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और विदेशी संस्थागत निवेशक बदस्तूर निवेश करते रहेंगे। इसके अलावा, खपत में भी वृद्धि होगी, जिससे मांग और आपूर्ति में तेजी आयेगी और आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार विगत 23 वर्षों में भारत में 919 अरब डॉलर का एफडीआइ आया है, जिसमें से 65 प्रतिशत निवेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में आया है। भारत में बैंक खाताधारकों की संख्या 50 करोड़ हो गयी है, जो 2014 में महज 15 करोड़ थी। इससे पता चलता है कि मोदी सरकार के कार्यकाल में वित्तीय समावेशन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर सात प्रतिशत रहेगी, जो भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से कुछ अधिक है। प्रति व्यक्ति नॉमिनल जीडीपी वृद्धि में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2023 में यह बढ़कर प्रति व्यक्ति 47 हजार रुपये हो गया है। सेवा क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है, जबकि वित्त वर्ष 2022 के दौरान इस क्षेत्र में 8.4 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई थी। सेवा क्षेत्र के अंतर्गत होटल, परिवहन, संचार आदि में तेज वृद्धि दर्ज की गयी है। रियल एस्टेट, वित्त एवं पेशेवर सेवा क्षेत्र में वित्त वर्ष 2023 के दौरान 6.4 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने की संभावना है। वित्त वर्ष 2022 से मांग और खर्च में तेजी देखी जा रही है। समग्र रूप से वित्त वर्ष 2022 और 2023 में उपभोग या खपत की वृद्धि दर सात प्रतिशत रही है, जिसमें निजी खपत वृद्धि दर 2023 में 7.7 प्रतिशत रही है, जबकि सरकारी खपत वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रही है। आयात और निर्यात में कमी दर्ज हुई है, लेकिन आयात में पहले की तुलना में बढ़ोतरी हुई है। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही तक कर संग्रह 12.24 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो बजट अनुमान का 63.3 प्रतिशत है। वहीं, गैर कर राजस्व संग्रह 1.98 लाख करोड़ रुपये रहा, जो बजट अनुमान का 73.5 प्रतिशत है। राजस्व संग्रह और खर्च में वृद्धि से राजकोषीय घाटा में मामूली बढ़ोतरी की आशंका है। फिर भी उम्मीद है कि अगर राजस्व संग्रह में बजट अनुमान के अनुसार वृद्धि होती है, तो सरकार के पास वित्त वर्ष 2023 में लगभग 85,939 करोड़ रुपये खर्च करने की गुंजाइश होगी, जिसका इस्तेमाल विकासात्मक कार्यों में किया जा सकता है।

# आखिरी छोर

सेवाओं की आपूर्ति करने के क्रम में अंतिम छोर के महत्व को कम आंकना एक भयानक गलती होगी। खासकर राज्य सरकार के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि उन लोगों को हल्के में न लिया जाए जिन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए पंक्ति के अंत में रखा गया है कि उसकी योजनाओं और लोगों के बीच जुड़ाव बने। इस संदर्भ में, आंध्र प्रदेश में आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं की हड़ताल को समाप्त करने के लिए उनके साथ किया गया हालिया समझौता देखभाल की प्रक्रिया की निरंतरता बनाए रखने में उनकी अहमियत को देरी से मिली मान्यता है। विजयवाड़ा में आमरण अनशन की शक्ल में शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन रिकॉर्ड 42 दिनों तक चला और फिर प्रदर्शनकारियों एवं राज्य सरकार के बीच कुछ तीखी नोकझोंक के बाद समाप्त हुआ। राज्य सरकार उनकी 11 में से 10 मांगों को पूरा करने पर सहमत हुई। इनमें वादा किए गए वेतन वृद्धि को लागू करना, यात्रा भत्ता एवं महंगाई भत्ता का भुगतान करना, जीवन बीमा एवं दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करना और सेवा समाप्ति लाभ प्रदान करना शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों में संरचनात्मक, सौंदर्य और स्वच्छता संबंधी खामियों को दूर करने के लिए धन की मांग की। सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायथू (वाईएसआर) कांग्रेस पार्टी ने शुरू में आंगनवाड़ी कार्यकताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाया, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए और उनके खिलाफ आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किया, लेकिन अंत में उसने सही कदम उठाया। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारें संगठन आधारित विरोध प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों को उनके मांगों के औचित्य पर विचार किए बिना ही दुराग्रही मानती हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# फॉक्सकॉन के सीईओ यंग लियू पद्म भूषण से सम्मानित

## - यंग लियू पद्म भूषण का सम्मान पाने वाले पहले विदेशी बने

**नईदिल्ली ।** ताइवान की टेक्नोलॉजी कंपनी फॉक्सकॉन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) यंग लियू को भारत सरकार ने पद्मभूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया है। वह पहले विदेशी हैं, जिन्हें सरकार ने तीसरा सबसे बड़ा सिविलियन अवॉर्ड दिया है। वे एक जाने माने उद्यमी हैं। यंग लियू को तकनीकी क्षेत्र में 40 साल से ज्यादा का अनुभव है। फॉक्सकॉन करीब 70 फीसदी आईफोन को असेम्बल करती है। भारत में तेजी से इस कंपनी का विस्तार हो रहा है। यंग लियू इस कंपनी के मुखिया हैं। फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर है। यंग लियू को एक बड़े इनोवेटर के तौर पर जाना जाता है। वह अभी तक 3 कंपनियों की स्थापना कर चुके हैं। साल 1988 में उन्होंने यंग माइक्रो सिस्टम्स की स्थापना की। यह कंपनी मदरबोर्ड बनाती है। इसके बाद साल 1995 में आईसी डिजाइन कंपनी की स्थापना की। यह कंपनी पीसी चिपसेट के लिए आईसी डिजाइन करती है। वहीं साल 1997 में आईटीई टेक्नोलॉजी नाम की कंपनी स्थापित की।

फॉक्सकॉन भारत में तेजी से अपने कारोबार का विस्तार कर रही है। कंपनी को भारत में दिसंबर महीने में एक बिलियन डॉलर के एडिशनल फंडिंग की मंजूरी मिली थी। इससे भारत में नया कारखाना खोला जाएगा, जहां केवल एप्पल प्रोडक्ट्स का निर्माण किया जाएगा। कोविड के बाद कंपनी चीन के अलावा भारत में अपना विस्तार कर रही है। साल 2023 में दक्षिण भारत में कंपनी ने तेजी से अपना कारोबार फैलाया है। कंपनी की योजना अप्रैल 2024 तक भारत में आईफोन बनाने की है। फॉक्सकॉन दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। कोरोना और चीन के साथ तनाव के बाद फॉक्सकॉन चीन से बाहर भी उत्पादन कर रही है। पिछले साल उन्होंने कहा था कि भारत में सुधार और नीतियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए बहुत बड़े मौके दिए हैं। उन्होंने कहा था' कि भविष्य में भारत मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत बहुत महत्वपूर्ण देश होगा। बता दें कि पद्म भूषण भारत के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। इसे गणतंत्र दिवस के पहले दिया जाता है। इस साल 132 लोगों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है।

# सरकार ने तेल कंपनियों में बजट समर्थन आधा कर 15000 करोड़ किया

## - तेल कंपनियों ने रणनीतिक तेल भंडार भरना टाला

**नई दिल्ली ।** सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा ईंधन विक्रेताओं में किए जाने वाले इक्विटी निवेश की राशि को आधा कर 15,000 करोड़ रुपये कर दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल एक फरवरी को वित्त वर्ष 2023-24 का आम बजट पेश करते हुए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में 30,000 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश की घोषणा की थी। यह निवेश इन तीनों कंपनियों द्वारा ऊर्जा बदलाव योजनाओं में किए जाने वाले निवेश का समर्थन करने के लिए किया जाना था। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कर्नाटक के मैंगलोर और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रणनीतिक भूमिगत भंडारण को भरने के लिए कच्चा तेल खरीदने को लेकर 5,000 करोड़ रुपये का भी प्रस्ताव किया था। इसका इस्तेमाल किसी भी आपूर्ति व्यवधान से बचाने के लिए होना था। वित्त मंत्रालय ने कहा कि तेल बाजारों में उभरते रुझानों को देखते हुए उस योजना को भी स्थगित कर दिया गया है। अन्य सरकारी तेल कंपनियों जैसे ओएनजीसी और गेल (इंडिया) लिमिटेड ने भी शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। हालांकि, इक्विटी समर्थन तीन ईंधन खुदरा विक्रेताओं तक सीमित था। इन कंपनियों को 2022 में लागत से कम मूल्य पर पेट्रोलियम उत्पाद बेचने के चलते भारी नुकसान हुआ था। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन का विवरण देते हुए इक्विटी समर्थन को आधा करने और रणनीतिक भंडार भरने को टालने के बारे में जानकारी दी। इसमें कहा गया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2023-34 के बजट में ऊर्जा बदलाव और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन उद्देश्यों तथा ऊर्जा सुरक्षा के लिए प्राथमिकता वाले पूंजी निवेश के लिए 35,000 करोड़ रुपये प्रदान किया है। इसमें से 30,000 करोड़ रुपये तेल विपणन कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को हरित ऊर्जा और शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन पहल के लिए पूंजी समर्थन के लिए थे।

# जी एंटरटेनमेंट पड़ सकती है मुश्किल में! कानूनी कार्रवाई कर सकती है डिज्नी स्टार

## विलय समझौते की शर्तों के उल्लंघन के लिए नौ करोड़ डॉलर का दावा किया गया

**नई दिल्ली ।** डिज्नी स्टार भारत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के टीवी प्रसारण करने के लिए 1.4 अरब डॉलर के उप-लाइसेंसिंग समझौते से हटने के लिए जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। इससे जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) एक और कानूनी समस्या में उलझ सकती है। कंपनी पहले से ही सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर में सोनी ग्रुप की मध्यस्थता याचिका का सामना कर रही है। इसमें विलय समझौते की शर्तों के उल्लंघन के लिए नौ करोड़ डॉलर का दावा किया गया है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि मीडिया समूह दे वॉल्ट डिज्नी की भारतीय अनुषंगी डिज्नी स्टार इस मामले में अपनी रणनीति पर काम कर रही है। यदि रद्द किए गए समझौते में मध्यस्थता उपबंध शामिल है, तो डिज्नी स्टार को विवाद के समाधान के लिए मध्यस्थता कार्यवाही का सहारा लेना पड़ सकता है। यदि समझौते में मध्यस्थता खंड का जिक्र नहीं है, तो डिज्नी जी पर क्षतिपूर्ति के लिए कानूनी कार्यवाही शुरू कर सकती है। जी एंटरटेनमेंट पहले ही लगभग 20 करोड़ डॉलर की पहली किस्त नहीं दे पाई है। उसने अब डिज्नी स्टार को सूचित किया है कि वह समझौते में आगे नहीं बढ़ेगी। बताया जा रहा है कि यह कंपनी का सोनी के साथ विलय सौदा परवान नहीं चढ़ने का नतीजा है। एक अन्य सूत्र ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि डिज्नी स्टार को भुगतान की जाने वाली किस्त सोनी समूह के जील में विलय के साथ 1.5 अरब डॉलर के निवेश का हिस्सा थी।

सोनी कॉरपोरेशन ने पिछले दिनों 10 अरब डॉलर के विलय समझौते को समाप्त करने की घोषणा की। साथ ही शर्तों के उल्लंघन के लिए नौ करोड़ डॉलर की मांग के साथ मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की है। जील और सोनी के बीच विलय समझौते के अनुसार जापान की कंपनी को विलय की गई इकाई में 1.575 अरब डॉलर का निवेश करना था। इस निवेश के साथ विलय के बाद अस्तित्व में आने वाली कंपनी में उसकी बहुसंख्यक हिस्सेदारी होती। इस मामले में फिलहाल जील या डिज्नी स्टार की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है। डिज्नी स्टार ने भारतीय बाजार के लिए 2024 से 2027 तक चार वर्षों के लिए सभी आईसीसी आयोजनों के प्रसारण अधिकार वैश्विक संचालन निकाय से प्राप्त किया है।

# बजट से एमएसएमई सेक्टर को काफी उम्मीदें

## - क्रेडिट लाइन और फंडिंग के मोर्चे पर मिल सकता है तोहफा

**नई दिल्ली ।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 31 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र के दूसरे दिन 1 फरवरी को चुनावों से पहले अंतरिम बजट पेश करेंगी। इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले एमएसएमई सेक्टर को काफी उम्मीदें हैं। एमएसएमई सेक्टर यानी माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज की बात करें तो देश की अर्थव्यवस्था में इसका बड़ा योगदान है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की कुल जीडीपी में अकेले इस सेक्टर ने 29.15 फीसदी का योगदान दिया था। मतलब भारत की अर्थव्यवस्था का लगभग एक तिहाई हिस्सा एमएसएमई सेक्टर से आ रहा है। ऐसे में यह सेक्टर ओवरऑल पूरी अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। एमएसएमई सेक्टर के सामने सबसे बड़ी समस्या आती है फंडिंग की। इस सेक्टर को इंस्टीट्यूशनल क्रेडिट की कमी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इंडस्ट्री एक्सपर्ट उम्मीद कर रहे हैं कि अंतरिम बजट में एमएसएमई के लिए ब्याज दरों पर प्रोत्साहन, क्रेडिट गारंटी स्कीम और फंडिंग के विकल्पों में विस्तार जैसे उपाय किए जा सकते हैं। सरकार ने देश को अगले साल तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। अभी भारत की अर्थव्यवस्था का साइज करीब 3.75 ट्रिलियन डॉलर है। 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का लक्ष्य पाने में एमएसएमई का योगदान काफी महत्वपूर्ण साबित होने वाला है। इस कारण भी मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के इस अंतरिम बजट से एमएसएमई के लिए बड़े ऐलान की उम्मीद की जा रही है।

# गणतंत्र दिवस पर बिक्री ने तोड़ा पिछले साल का रिकॉर्ड

**नई दिल्ली ।** गणतंत्र दिवस के मौके पर लोगों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन जमकर खरीदारी की है जिससे खरीदारी का रिकॉर्ड पिछले साल से भी आगे निकल गया है। साल 2023 में बिक्री की तुलना में 2024 गणतंत्र दिवस की बिक्री ज्यादा हुई है। एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि पिछले साल की बिक्री की तुलना में 2024 में गणतंत्र दिवस बिक्री के दौरान उसके ई-कॉमर्स ऑर्डर आइटम में 18.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गणतंत्र दिवस की बिक्री के दौरान ई-कॉमर्स की बढ़ोतरी को प्रमुख बाजारों द्वारा किए गए एक्ससिटिंग ऑफर्स और राष्ट्रव्यापी विपणन अभियानों से समर्थन मिला है। इससे बाज़ारों को इस अवधि के दौरान साल-दर-साल ऑर्डर आइटम वृद्धि 28.7 प्रतिशत दर्ज करने में मदद मिली है। दूसरी ओर ब्रांड वेबसाइटों ने सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की धीमी वृद्धि दर्ज की है, जबकि औसत ऑर्डर मूल्य में मजबूत वृद्धि जारी है। ई-कॉमर्स के प्रति उपभोक्ता की जागरूकता प्रीपेड ऑर्डर में 20.6 प्रतिशत की वृद्धि में स्पष्ट थी, बिक्री अवधि के दौरान कैश-ऑन-डिलीवरी (सीओडी) ऑर्डर में 16.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में मजबूत प्रदर्शन के बाद, गणतंत्र दिवस की बिक्री ने बढ़ते ई-कॉमर्स उद्योग के लिए नए साल की जोरदार शुरुआत की। रिपब्लिक डे के मौके पर लोग जमकर झंडे कर तिरंगे के प्रिंट वाली टी-शर्ट खरीदते हैं। ऐसे में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों की जगह इन चीजों की जमकर खरीदारी होती है। ऑनलाइन फ्लिपकार्ट से लेकर स्विगी इंस्टमार्ट, अमेजॉन, फ्लिपकार्ट और जेप्टो पर ये खरीदारी और इंस्टेंट डिलीवरी के लिए उपलब्ध है।

# गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स देगी अपने निवेशकों को बोनस

**मुंबई ।** स्मॉलकैप कंपनी गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स के शेयरों ने पिछले कुछ साल में बंपर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 2 से बढ़कर 360 रुपये के पार पहुंच गए हैं। गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स के शेयरों में इस अवधि में 16000 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। एग्रो प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अब निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा देने जा रही है। गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स पहली बार बोनस शेयर देने की तैयारी में है। गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 2 फरवरी 2024 को बैठक है। बैठक में कंपनी का बोर्ड बोनस शेयर इश्यू करने पर विचार और उम्मीद है इसे मंजूरी देगा। गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स का यह पहला बोनस शेयर होगा। कंपनी ने अक्टूबर 2020 में शेयरों का बंटवारा किया था। कंपनी ने 2 रुपये फेसवैल्यू वाले शेयरों को 1 रुपये फेसवैल्यू वाले शेयरों में बांटा था।

# स्पाइसजेट एयरलाइंस ने जुटाए 744 करोड़

**नई दिल्ली ।** बजट एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा है कि उसने पूंजी निवेश के पहले दौर में 744 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। कंपनी ने कहा है कि इस फंड को शेयरों के प्रेफेरेंशियल अलॉटमेंट और वारंट्स के जरिए जुटाया गया है। एयरलाइंस ने बताया है कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 25 जनवरी को एक बैठक में कुल 54 सब्सक्राइबर्स को 5.55 करोड़ इक्विटी शेयर के अलॉटमेंट की इजाजत दी थी। इसके साथ ही एयरलाइंस के बोर्ड ने इलारा इंडिया अपोर्चुनिटीज फंड लिमिटेड और सिल्वर स्टेलन लिमिटेड को कुल 9.33 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करने मंजूरी भी दी है। लंबे समय से आर्थिक संकट से जूझ रही एयरलाइन स्पाइसजेट अलग-अलग तरीके से फंड जुटाने की कोशिश कर रही है। अगले दौर का फंड कंपनी एक बार फिर वारंट और इक्विटी के जरिए इकट्ठा करने की कोशिश कर रही है। कंपनी द्वारा 744 करोड़ रुपए का फंड जुटाने के बाद स्पाइसजेट के चेयरमैन व एमडी अजय सिंह ने कहा कि हम पर विश्वास बनाए रखने के लिए हम अपने निवेशकों के शुक्रगुजार हैं। इस फंड से एयरलाइन के संचालन को और विस्तृत करने में मदद मिलेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में कंपनी के घाटे में बड़ी कमी देखने को मिली है और यह 431.54 करोड़ रुपए पर आ गया है। पिछले साल समान तिमाही में कंपनी का घाटा 837.8 करोड़ रुपए था। इससे पहले कंपनी ने अप्रैल से जून की तिमाही में 197.53 करोड़ रुपए का मुनाफा हासिल किया था।

# राजदूत संधू भारत-अमेरिका संबंधों के अग्रणी वास्तुकारों में से एक हैं: यूएसआईएसपीएफ प्रमुख

**वाशिंगटन ।** अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू भारत-अमेरिका संबंधों के अग्रणी वास्तुकारों में से एक हैं। एक शीर्ष भारत-केंद्रित अमेरिकी व्यापार समूह के प्रमुख ने यह बात कही। अमेरिका-भारत रणनीतिक एवं साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष और सीईओ मुकेश अघी ने यहां निवर्तमान भारतीय राजदूत के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में कहा कि संधू की उपलब्धियां बहुत अधिक और प्रभावशाली हैं। यूएसआईएसपीएफ ने विदाई समारोह आयोजित किया था। मंच ने कहा कि राजदूत संधू दोनों देशों के रिश्ते के अग्रणी वास्तुकारों में से एक रहे हैं। ये संबंध स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा साझेदारी, अंतरिक्ष सहयोग, रक्षा और प्रौद्योगिकी संबंधों के आधार पर मजबूत हो रहे हैं। संधू (61) इसी महीने 35 साल के राजनयिक करियर के बाद विदेश सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अघी ने कहा कि उन्होंने जब फरवरी 2020 में वाशिंगटन में पदभार संभाला, तो महामारी के चलते एक चुनौतीपूर्ण वक्त था। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय छात्रों को घर लौटने में मदद की, प्रवासी भारतीयों के लिए लंबित वीजा मामलों पर काम किया और दोनों देशों के बीच वैक्सीन कूटनीति को मजबूत किया। महामारी के बाद संधू ने वाशिंगटन में पहले सैद्धान्तिक क्राड शिखर सम्मेलन का नेतृत्व करने, व्यापार नीति फोरम को फिर से शुरू करने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद की।

# लगातार दूसरे सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट रही

**मुंबई ।** वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और एफआईआई की बिकवाली के दबाव की वजह से घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। बीते सप्ताह सोमवार को अयोध्या में राम में दिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर शेयर बाजार बंद होने से शेयर बाजार में केवल तीन दिन कारोबार हुआ यानी कि बीता सप्ताह कम सत्रों वाला रहा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के तीन कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो शेयर बाजार में मंगलवार को सकारात्मक रूप से हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। बाजार को अच्छे वैश्विक संकेतों से मजबूत मिली। दिसंबर तिमाही में शानदार नतीजों के बाद आईसीआईसीआईआई बैंक समेत अन्य शेयरों में जमकर खरीदारी दिखी। इसके कारण सेंसेक्स 500 अंक ऊपर खुला और 1,053.10 अंकों की गिरावट के साथ 70,370.55 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी शुरुआती कारोबार 21700 पर खुला और 333.00 अंक टूटकर 21,238.80 के स्तर पर बंद हुआ।

बुधवार को वैश्विक मिलेजुले ग्लोबल संकेतों का बाजार पर असर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान सेंसेक्स 200 अंक फिसलकर 70000 पर खुला और 689.76 अंकों की बढ़त के साथ 71,060.31 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 69.16 अंक मजबूत होकर 21,307.95 पर खुला और 215.16 अंकों की बढ़त के साथ 21,453.95 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर खुले। टेक महिंद्रा के कमजोर तिमाही नतीजों के बाद आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली दिखी और इससे बाजार में नकारात्मक रुझान बना। सेंसेक्स 692.17 फिसलकर 70,338.65 पर खुला और 359.64 अंक गिरकर 70,700.67 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 34 अंकों की कमजोरी के साथ 21,419 पर खुला और 101.36 अंक फिसलकर 21,352.60 पर बंद हुआ।

# आकासा ने इंजन खरीदने सीएफएम से किया समझौता

**मुंबई ।** घरेलू विमानन कंपनी अकासा एयर और इंजन विनिर्माता सीएफएम इंटरनेशनल ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत अकासा एयर अपने 150 बोइंग 737 मैक्स विमानों के लिए 300 से अधिक सीएफएम लीप-1बी इंजन खरीदेगी। अकासा एयर ने कहा कि समझौते में अतिरिक्त इंजन और सेवा अनुबंध भी शामिल है। हालांकि एयरलाइन ने सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया। आकासा एयर ने 18 जनवरी को 150 बोइंग 737 मैक्स विमानों के ऑर्डर की घोषणा की थी। कंपनी ने अगस्त 2022 में अपना परिचालन शुरू किया था और पहले कुल 76 लीप-1बी-इंजन युक्त 737-8 विमानों का ऑर्डर दिया था। वर्तमान में इसने 22 विमान सेवा में हैं।

# भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा पर देना होगा ध्यानः राजन

**कोलकाता ।** भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। यह बात प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने हाल ही में एक सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले 25 वर्षों में छह प्रतिशत की औसत वृद्धि दर बनाए रखी है, जो किसी भी देश के लिए आसान उपलब्धि नहीं है। राजन ने एक मजबूत नींव बनाने के लिए शासन सुधारों के साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। राजन ने ये टिप्पणी कोलकाता साहित्य सम्मेलन में 'ब्रेकिंग द मोल्ड- रीइमेजिनिंग इंडियाज इकोनॉमिक फ्यूचर किताब के विमोचन के मौके पर कही। यह किताब उन्होंने अर्थशास्त्री रोहित लांबा के साथ मिलकर लिखी है। उन्होंने कहा कि यदि भारत 2047 तक एक विकसित देश बनना चाहता है, तो उसे सात प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी। उन्होंने कहा कि सात प्रतिशत की वृद्धि दर पर भारत की प्रति व्यक्ति आय मौजूद 2,400 डॉलर से बढ़कर 2047 में 10,000 डॉलर हो जाएगी, जिससे देश निम्न मध्यम-आय वर्ग में आ जाएगा। राजन ने कहा कि भारत को इस समय जो जनसांख्यिकीय लाभांश मिल रहा है, वह 2050 के बाद कम हो जाएगा। इसलिए भविष्य की दिशा अभी से निर्धारित करने की जरूरत है।

# भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले 10 महीनों में रिकॉर्ड 75,000 पेटेंट दिएः गोयल

**नई दिल्ली ।** वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले 10 महीनों में रिकॉर्ड 75,000 पेटेंट दिए हैं और यह भारत की नवप्रवर्तन करने की क्षमता को बताता है। गोयल ने यहां 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर नवप्रवर्तकों और उद्यमियों के साथ बातचीत में यह भी कहा कि उद्यमियों पर बोझ कम करने के लिए 40,000 अनुपालनों को या तो समाप्त कर दिया गया है अथवा सरल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले 10 महीनों में रिकॉर्ड 75,000 पेटेंट दिए हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार कारोबार करना आसान बना रही है और कानून की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करने सरल बना रही है। उन्होंने कहा कि देश में कारोबार के संबंध में कई कानून को अपराधीकरण की श्रेणी से हटाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया गया है। जन विश्वास कानून उस दिशा में पहला कदम था। इसने लोगों और व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि सरकार उन पर विश्वास करती है। गोयल ने कहा कि अगर आप छोटी सी गलती करते हैं तो आपको आपराधिक प्रावधानों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। मंत्रालय ने आईपी (बौद्धिक संपदा) कानूनों को आधुनिक बनाने और पेटेंट, ट्रेडमार्क तथा कॉपीराइट से संबंधित जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने को कई विधायी सुधार किए हैं।

# ओला के फाउंडर अग्रवाल की कृत्रिम बनी भारत की पहली एआई स्टार्टअप फर्म

**नई दिल्ली ।** भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली दिग्गज कंपनी ओला इलेक्ट्रिक्स के फाउंडर और चेयरमैन भाविश अग्रवाल की एआई स्टार्ट अप फर्म कृत्रिम भारत की पहली एआई यूनिकॉर्न बन गई है। कंपनी ने बताया कि उसने मैट्रिक्स पार्टनर्स इंडिया सहित निवेशकों से 5 करोड़ डॉलर की फंडिंग प्राप्त करने के बाद यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल कर लिया है। गौरतलब है कि कोई भी स्टार्टअप कंपनी जिसकी वैल्यूएशन 1 अरब डॉलर हो जाती है, उसे यूनिकॉर्न का दर्जा प्राप्त हो जाता है। कृत्रिम के चेयरमैन भाविश अग्रवाल ने कहा कि भारत को अपना एआई बनाना होगा और कृत्रिम में हम देश का पहला कंप्लीट एआई कंप्यूटिंग स्टैक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें कि कृत्रिम एक संस्कृत शब्द है जिसका अंग्रेजी भाषा में आर्टिफिशियल कहा जाता है। भाविश अग्रवाल की इस कंपनी का लक्ष्य कंप्लीट एआई कंप्यूटिंग स्टैक के निर्माण पर फोकस करना है। गौरतलब है कि कृत्रिम ने दिसंबर, 2023 में अपने बेस लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) का अनावरण किया था। इसे बेंगलुरु और सैन फ्रांसिस्को की दिग्गज कंप्यूटर वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा ट्रेनिंग दी गई है। यह मॉडल कृत्रिम के एआई असिस्टेंट को बातचीत करने में भी मदद करेगा। यह कई भारतीय भाषाओं को बिना रुकावट के समझता और बोलता है। कंपनी ने कहा कि फरवरी 2024 में उपयोगकर्ता के लिए कृत्रिम बीटा वर्जन में उपलब्ध होगा। इसके अलावा यह एआई एप्लिकेशन बनाने के इच्छुक उद्यमों और डेवलपर्स के लिए एपीआई के रूप में भी उपलब्ध होगा।

# बच्चें का पसंदीदा खिलौना तकिया

बच्चों का बचपन एक ऐसा समय होता है जिसमें मां-बाप को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती। किसी भी मां के लिए सबसे कठिन काम होता है बच्चों को सुलाना। ऐसे में अगर बच्चों को उनका सबसे पसंदीदा खिलौना तकिया दे दिया जाए तो आपका आधा काम वैसे ही हो जाता है। क्योंकि तकिये के साथ खेलते-खेलते नींद के आगोश में चले जाना कोई बड़ी बात नहीं। चैन की नींद तो किसी को भी आ जाए, उसकी सारी थकान मिट जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप उनकी पसंद-नापसंद को जानें क्योंकि यदि उनके रूम की सजावट में रंगों एवं पेंटिंग्स का ध्यान रखा गया है तो उनके तकिए और बैडशीट में भी बेबी प्रिंट एवं कलर्स होना बहुत जरूरी है।

### सहारा देकर बैठाने को तकिया

बाजार में इस प्रकार के तकिए भी उपलब्ध हैं जिनके दोनों ओर बाजू लगे हों तथा बैठना सीख रहे बच्चों को उसके साथ बैठा कर साइड बाजू का सहारा दिया जाए या फिर उन्हें बंद कर दिया जाए ताकि वे बैठे-बैठे आगे को लुढ़क न पाएं।

### नवजात शिशुओं के लिए तकिया

वे दिन गए जब दादी-नानी नवजात शिशु के लिए स्वयं एक खास तकिया बनाती थीं। आजकल तो नन्हे बच्चों के लिए टैडी और फ्लावर वाले तकिए से लेकर उसके सिर को सहारा देने तक के लिए तकिए बाजार में उपलब्ध हैं। इससे उसका सिर इधर-उधर नहीं होता और एक स्थान पर टिका रहता है।

### विभिन्न रंगो में उपलब्ध

टैडी, लॉयन, मगरमच्छ, डॉग, रैबिट, फिश एवं फ्लोरल शेप में ये तकिए सॉफ्ट टॉयज के अलावा प्रिंट्स, इंब्रायडरी एवं पैच वर्क में भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा इनके ब्राइट कलर्स भी बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

### कई वैरायटी में मौजूद

इस बिजनैस से जुड़े लोगों की यदि मानें तो बच्चों के तकिए भी विभिन्न प्रकार के मैटीरियल से बने होते हैं जैसे-

### फॉम का तकिया

फॉम के बारीक-बारीक टुकड़ों से भी तकिया बनता है। इस प्रकार के तकिए भी बाजार में बहुत बिकते हैं।

### रेक्रान के तकिए

बच्चों के तकियों में सबसे ज्यादा रेक्रान के तकिए बिकते हैं। यह सबसे कोमल व नरम तकिया होता है। साथ ही वजन में बहुत हल्का व आरामदायक होने के कारण यह सबसे ज्यादा बिकता है।

### काली रूई के तकिए

काली रूई वेस्ट मैटीरियल से बनती है। वेस्ट मैटीरियल को मशीनों में कई प्रक्रियाओं से गुजारकर सॉफ्ट बनाया जाता है। इस रूई से तकिया व गादियां दोनों बनाए जाते हैं।

# बच्चों के मूड को फ्रेश करता है कम्प्यूटर गेम

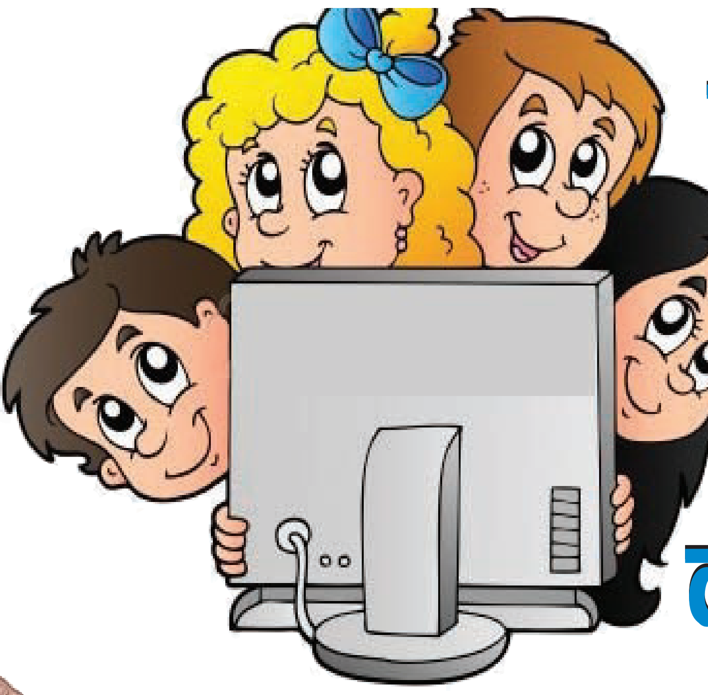

अक्सर पैरेंट्स को यह शिकायत होती है कि उनके बच्चे कम्प्यूटर गेम में अपना काफी समय बर्बाद करते हैं। पर क्या इसे समय की बर्बादी कहना सही है? पैरेंट्स तो यही कहेंगे कि हां! इन गेम्स का कोई लाभ नहीं बल्कि ये दिमाग पर बुरा असर डालते हैं लेकिन क्या यह सोच सही है?

कम्प्यूटर गेम खेलने से बच्चों में सीखने की क्षमता बढ़ती है। इससे हौसले बढ़ते हैं और उनमें नई-नई चीजों के प्रति दिलचस्पी जगती है। यह सच है कि गेम की दुनिया में वर्ल्ड ऑफ वार क्राफ्ट, एक्स बॉक्सेज, प्ले स्टेशन, विस और रन स्केप जैसे गेम्स को मेंटल डिसऑर्डर पैदा करने वाला पाया गया है। इसी तरह कुछ गेम बच्चों में हिसक और गुस्सैल प्रवृत्ति को विकसित करते हैं लेकिन इधर हुए कई शोधों का आकलन है कि कुछ चुनिंदा गेम्स को छोड़ दें तो यह मानना सही होगा कि इनसे पर्सनालिटी डेवलपमेंट में काफी मदद मिलती है। इससे बच्चों का न केवल भावनात्मक विकास होता है बल्कि उनमें मैनेजमेंट स्किल से लेकर टीम वर्क की भावना तक विकसित होती है।

यह स्किल उन्हें तमाम समस्याओं से निपटने में मदद करती है। मूड भी फ्रेश ही रखता है। इनके जरिये बोरियत और तनाव से भी बचा जा सकता है। वहीं इससे हौसले बढ़ते हैं और उनमें नई-नई चीजों के प्रति दिलचस्पी जगती है। साथ ही, उनमें आजादी की भावना पैदा होती है और वे समाज से अपना जुड़ाव भी गहराई से महसूस करते हैं।

# बाल कहानी ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड में हिस्सा ले रहा था।

दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी।

माँ, दादीजी कहाँ हैं? उसने पूछा।

रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।

विक्की एकाएक उदास हो गया।

उसकी माँ ने पूछा, क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।

विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, हाँ, मैं आप के साथ चलूँगा। वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया।

स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।

आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठोरतापूर्वक कहा, मैंने परसों क्या कहा था?

यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए, गोलमटोल उषा ने जवाब दिया।

तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे? उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा।

फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।

इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

क्या बात है?

महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा। कहते हुए विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी।

सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।

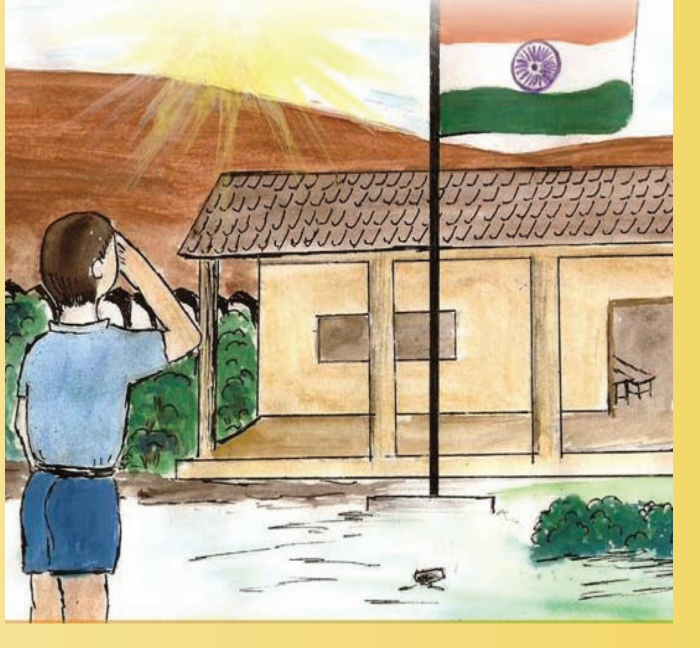

# अकबर को बीरबल का जवाब

**एक दिन बादशाह अकबर ने ऐलान किया कि जो भी मेरे सवालों का सही जवाब उदाहरण सहित देगा, उसे भारी इनाम दिया जाएगा। सवाल कुछ इस प्रकार से थे-**

ऐसा क्या है जो आज भी है और कल भी रहेगा? ऐसा क्या है जो आज भी नहीं है और कल भी नहीं होगा? ऐसा क्या है जो आज तो है लेकिन कल नहीं होगा?

किसी को भी चतुराई भरे इन तीनों सवालों का जवाब नहीं सूझ रहा था। तभी बीरबल बोला, 'हुजूर! आपके सवालों का जवाब मैं दे सकता हूं, लेकिन इसके लिए आपको मेरे साथ शहर का दौरा करना होगा। तभी आपके सवाल सही ढंग से हल हो पाएंगे।'

अकबर और बीरबल ने वेश बदला और सूफियों का बाना पहनकर निकल पड़े। कुछ ही देर बाद वे बाजार में खड़े थे। फिर दोनों एक दुकान में घुस गए।

बीरबल ने दुकानदार से कहा, 'हमें बच्चों की पढ़ाई के लिए मदरसा बनाना है, तुम हमें इसके लिए हजार रूपये दे दो।' जब दुकानदार ने अपने मुनीम से कहा कि इन्हें एक हजार रूपये दे दो तो बीरबल बोला, जब मैं तुमसे रूपये ले रहा हूंगा तो तुम्हारे सिर पर जूता मारूंगा। हर एक रूपये के पीछे एक जूता पड़ेगा। बोलो, तैयार हो?

यह सुनते ही दुकानदार के नौकर का पारा चढ़ गया और वह बीरबल से दो-दो हाथ करने के लिए आगे बढ़ा। लेकिन दुकानदार ने नौकर को शांत करते हुए कहा, 'मैं तैयार हूं लेकिन मेरी एक शर्त है। मुझे विश्वास दिलाना होगा कि मेरा पैसा इसी नेक काम पर खर्च होगा।

ऐसा कहते हुए दुकानदार ने सिर झुका दिया और बीरबल से बोला कि जूता मारना शुरू करें। तब बीरबल और अकबर बिना कुछ कहे-सुने दुकान से बाहर निकल आए। दोनों चुपचाप चले जा रहे थे तभी बीरबल ने मौन तोड़ा, 'बंदापरवर! दुकान में जो कुछ हुआ, उसका मतलब है कि दुकानदार के पास आज पैसा है और उस पैसे को नेक कार्यों में लगाने की नीयत भी, जो उसे भविष्य में नाम देगी।

इसका एक मतलब यह भी है कि अपने नेक कार्यों से वह जन्नत में अपनी जगह पक्की कर लेगा। आप इसे यूं भी कह सकते हैं कि जो कुछ उसके पास आज है, कल भी उसके साथ रहेगा। यह आपके पहले सवाल का जवाब है।

फिर वे चलते हुए एक भिखारी के पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि एक आदमी उसे कुछ खाने को दे रहा है और वह खाने का सामान उस भिखारी की जरूरत से कहीं ज्यादा है। तब बीरबल उस भिखारी से बोला, 'हम भूखे हैं, कुछ हमें भी दे दो खाने को।

यह सुनकर भिखारी बरस पड़ा, 'भागो यहां से। जाने कहां से आ जाते हैं मांगने।'

तब बीरबल बादशाह से बोला, 'यह रहा हुजूर आपके दूसरे सवाल का जवाब। यह भिखारी ईश्वर को खुश करना नहीं जानता। इसका मतलब यह है कि जो कुछ इसके पास आज है, वह कल नहीं रहेगा।'

दोनों फिर आगे बढ़ गए। उन्होंने देखा कि एक तपस्वी पेड़ के नीचे तपस्या कर रहा है। बीरबल ने पास जाकर उसके सामने कुछ पैसे रखे। तब वह तपस्वी बोला, 'इसे हटाओ यहां से। मेरे लिए यह बेईमानी से प्राप्त पैसा है। ऐसा पैसा मुझे नहीं चाहिए।'

अब बीरबल बोला, 'हुजूर! इसका मतलब यह हुआ कि अभी तो नहीं है लेकिन बाद में हो सकता है। आज यह तपस्वी सभी सुखों को नकार रहा है। लेकिन कल यही सब सुख इसके पास होंगे।'

और हुजूर! चौथी मिसाल आप खुद हैं। पिछले जन्म में आपने शुभ कर्म किए थे जो यह जीवन आप शानो-शौकत के साथ बिता रहे हैं, किसी चीज की कोई कमी नहीं। यदि आपने इसी तरह ईमानदारी और न्यायप्रियता से राज करना जारी रखा तो कोई कारण नहीं कि यह सबकुछ कल भी आपके पास न हो। लेकिन यह न भूलें कि यदि आप राह भटक गए तो कुछ साथ नहीं रहेगा।'

अपने सवालों के बुद्धिमत्तापूर्ण चतुराई भरे जवाब सुनकर बादशाह अकबर बेहद खुश हुए।

## दीवार तोड़कर घर में घुसा हाथी...दो महिलाओं को कुचला

भुवनेश्वर ।ओडिशा के भुवनेश्वर के लाईमुरा वन खंड के सिकुरसिंघा गांव में एक हाथी ने दो महिलाओं को कुचल दिया।मृतकों की पहचान सुरुबाली और खैरी के रूप में की गई है।जानकारी के मुताबिक महिलाएं रात को अपने घर में सो रही थीं।तभी खाने की तलाश में एक हाथी घर की दीवार तोड़कर घर में घुस गया। हाथी को देखकर महिलाओं ने वहां से भागने की कोशिश की।लेकिन हाथी ने उनका पीछा कर उन्हें कुचलकर मार डाला।इसके पहले पिछले साल दिसंबर में बरगढ़ जिले में अलग-अलग घटनाओं में दो जंगली हाथियों ने दो युवकों को कुचलकर मार डाला था।उसी महीने खोरधा के टांगी ब्लॉक के जरीतापुर में जंगली हाथी ने दो अन्य युवकों को भी मारा था।

## सरकारी डॉक्टरों ने रचा दिया इतिहास, ल्यूटेम्बेचर सिंड्रोम से पीड़ित महिला का किया उपचार

अमृतसर। सरकारी मेडिकल कालेज के डॉक्टरों ने इतिहास बना दिया है। दरअसल, ल्यूटेम्बेचर सिंड्रोम से ग्रस्त विश्व की 24वीं मरीज रिपोर्ट हुई है।पंजाब में पहली बार महिला मरीज का सफल ऑपरेशन हुआ।विश्व भर में अब तक इस बीमारी से ग्रस्त केवल 23 मरीज रिपोर्ट हुए हैं, 24वीं मरीज अमृतसर से संबंधित है और अमृतसर में उस महिला को उपचार मिला है।खास बात यह है कि यह रोग महिलाओं को ही होता है।बता दें कि, महिला का उपचार आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत निःशुल्क हुआ है। मेडिकल कॉलेज स्थित हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर डा. परमिंदर सिंह मंगेड़ा व उनकी टीम ने तीन घंटे की सर्जरी के बाद महिला की जान बचाई। डा. सिंह के अनुसार ल्यूटेम्बेचर सिंड्रोम का शिकार करोड़ों में एक महिला होती है।डॉ. मंगेड़ा ने इस बीमारी पर शोध कर रहे देश विदेश के डाक्टरों के शोध पत्र पढ़े थे।इन शोध पत्रों एवं अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने अपनी टीम के साथ महिला का आपरेशन शुरू किया। आपरेशन में परकोटेनियस तकनीक का प्रयोग किया गया।पैर के रास्ते से एंजियोग्राफी की गई।इसके बाद डॉक्टर हृदय की माइट्रल वाल्व तक पहुंचे।इस बैलून से खोलकर हृदय का छेद डिवाइस से बंद किया गया।आपरेशन की प्रक्रिया तीन घंटे तक चली।

## पीएम किसान की जारी होने वाली हैं किस्त, जल्द कराएं ई-केवॉयसी

नई दिल्ली।पीएम किसान की अगली किस्त फरवरी और मार्च 2024 के बीच जारी होगी।ई-केवाईसी पूरा नहीं होने पर लाभार्थी किसानों को किस्त से वंचित रहना पड़ सकता हैं।पीएम किसान की 15वीं किस्त 15 नवंबर 2023 को जारी की गई थी। पीएम किसान वेबसाइट के अनुसार, ई-केवॉयसी पीएम किसान पंजीकृत किसानों के लिए अनिवार्य है।ई-केवाईसी करने के लिए सबसे पहले आपको पीएम किसान सम्मान निधि योजना के आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। इस वेबसाइट के होम पेज पर आपको फार्मर कॉर्नर का एक ऑप्शन दिखेगा और उसमें आपको ई केवाईसी का एक ऑप्शन मिलेगा जिस पर आपको क्लिक करना है। जैसे ही आप ई-केवाईसी के ऑप्शन पर क्लिक करते हैं, आपके सामने एक ओटीपी बेस्ड बॉक्स खुल जाएगा। वहां पर आपसे आपका आधार नंबर मांगा जाएगा आपको अपना आधार नंबर दर्ज कर देना है।इसके बाद आपसे आपका मोबाइल नंबर मांगा जाएगा। आप वहीं मोबाइल नंबर दे जो मोबाइल नंबर आपके आधार से लिंक है।इसके बाद आपको नीचे गेट ओटीपी के ऑप्शन पर क्लिक करना है।इसके बाद आपके उस नंबर पर एक ओटीपी भेजा जाएगा।वह ओटीपी आपको इस वेबसाइट के बॉक्स में डाल देना है और फिर नीचे सबमिट के ऑप्शन पर क्लिक करना है।

## रेलवे ने दी बड़ी सौगात.... इस रुट में फर्राटा भरेगी नई वंदे भारत एक्सप्रेस

नई दिल्ली।भारतीय रेलवे ने देश भर के यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी दी है।अब नए रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन फर्राटा भरने वाली है।इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) दुनिया में सबसे बड़ी रेलवे पैसेंजर कोच मेकर है। रिपोर्ट के मुताबिक, आला अधिकारी ने बताया कि आईसीएफजल्द ही जम्मू-कश्मीर के लिए वंदे भारत ट्रेन रैंक शुरू करेगा।गणतंत्र दिवस के मौके पर जनरल मैनेजर बी.जी. माल्या ने कर्मचारियों को संबोधित किया।उन्होंने कहा, आईसीएफके पास फिलहाल 2 बड़े प्रोजेक्ट हैं।पहला वंदे भारत मेट्रो प्रोजेक्ट है, जो कि पूरी तरह से वातनुकूलित इंटर-सिटी ट्रेन सर्विस होगी। आईसीएफइस साल मार्च तक वंदे मेट्रो का पहले प्रोटोटाइप तैयार करने का प्लान बना रहा है। माल्या ने इस वंदे भारत प्रोजेक्ट को लेकर और अधिक जानकारी दी।उन्होंने कहा, अगला प्रोजेक्ट जम्मू और कश्मीर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस रेक मुहैया कराना है। यह ऐसा होगा जिसे बदलती जलवायु परिस्थितियों के हिसाब से ठीक किया जा सके।हमें ऐसी उम्मीद है कि यह रेक जल्द ही तैयार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सही है कि सप्लाई के मोर्चे पर हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद भी पिछले साल आईसीएफने 50वीं वंदे भारत रेक तैयार की जो एक बड़ी उपलब्धि है।माल्या ने कहा कि अमृत भारत पुश-पुल ट्रेन पिछले साल अक्टूबर में सीएलडब्ल्यू (चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स) के सहयोग से शुरू की गई। जो आम लोगों के लिए यात्रा के लिहाज से वरदान से कम नहीं है।यह ट्रेन यात्रियों को तुलनात्मक रूप से कहीं बेहतर सुविधा मुहैया कराती है।बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते महीने 2 अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई थी।

## युवा शक्ति में लड़कियां महत्वपूर्ण हिस्सा : धनखड़

नई दिल्ली।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि देश में लड़कियां युवा शक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और भ्रष्टाचार की निरंकुशता का स्थान लोकतंत्र के योग्यतातंत्र ने ले लिया है।उपराष्ट्रपति धनखड़ ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों के साथ बातचीत कर कहा कि जीवन का हर क्षेत्र लड़कियों की प्रतिबद्धता और भागीदारी से युक्त है। लड़कियाँ हमारी युवा शक्ति का महत्वपूर्ण घटक हैं। धनखड़ ने गणतंत्र दिवस परेड में लड़कियों और महिला प्रतिभागियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भ्रष्टाचार और बिचौलियों को खत्म किया गया है।और युवाओं के पास अपनी क्षमता का उपयोग करने के अपार मौके हैं। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार की निरंकुशता को लोकतंत्र के योग्यतातंत्र में बदल दिया गया है। श्री धनखड़ ने उपस्थित युवाओं से नवोन्वेषी बनने और अनुसंधान और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

## रामलला के दर्शन करने उमड़ रहा जनसैलाब...श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने लिया यहां फैसला

अयोध्या।अयोध्या में भगवान रामलला के दर्शन करने रामभक्तों का बड़ी संख्या में आना जारी है।श्रीरामजन्मभूमि स्थित रामलला के भव्य, दिव्य और नव्य मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा ही हुआ है साथ ही हनुमानगढ़ी मंदिर में भी भक्तों का उमड़ना जारी है।इसके अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भीषण ठंड के बीच सरयू नदी में भी स्नान और पूजन के लिए पहुँच रहे हैं।वहीं लता मंगेशकर चौक पर रामभक्तों का हुजूम सेल्फी लेने के लिए भी खूब उमड़ रहा है।बताया जा रहा है कि गणतंत्र दिवस पर 3.25 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में दर्शन किए। अधिकारियों के मुताबिक पहले दिन लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए थे।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखकर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने आरती और दर्शन की समय सूची जारी की है।विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा के अनुसार रामलला की मंगला आरती साढ़े चार बजे, श्रृंगार आरती सुबह साढ़े छह बजे होगी।उन्होंने बताया कि इसके बाद श्रद्धालु सात बजे से दर्शन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि इसके बाद भोग आरती दोपहर बारह बजे, संध्या आरती शाम साढ़े सात बजे तथा रात्रि नौ बजे भोग आरती और शयन आरती रात दस बजे होगी।शर्मा ने बताया कि सुबह मंगला आरती के दौरान मंदिर के कपाट आम दर्शनार्थियों के लिए बंद करने वाले हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने राज्य के प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद और पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार अयोध्या पहुंचे थे।

# केजरीवाल बोले-भाजपा की दिल्ली सरकार गिराने की साजिश

### -7 विधायकों को 25 करोड़ ऑफर किए गए

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर दिल्ली की आप सरकार को गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा के एक नेता ने पिछले दिनों दिल्ली के 7 विधायकों को संपर्क कर कहा है कि कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद विधायकों को तोड़ेंगे।

केजरीवाल के मुताबिक, भाजपा ने 7 आप विधायकों को कहा है कि 21 विधायकों से बात हो गई है। बाकी विधायकों से भी बात कर रहे हैं। उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपए देंगे और भाजपा की टिकट से चुनाव लड़वा देंगे। केजरीवाल ने ये भी कहा कि भाजपा का दावा है कि उन्होंने हमारे 21 विधायकों से बात की है, लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 7 विधायकों से बात की है और सभी 7 विधायकों ने भाजपा का ऑफर ठुकरा दिया। केजरीवाल ने दावा किया है कि भाजपा नेता की इस बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया गया है।

हमारी सरकार गिराने के लिए 9 साल में इन्होंने कई षड्यंत्र किए

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा किसी शराब घोटाले की जांच के लिए मुझे गिरफ्तार नहीं करना चाहती, बल्कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिराने के लिए षड्यंत्र कर रही है। पिछले 9 साल में हमारी सरकार गिराने के लिए इन्होंने कई षड्यंत्र किए, लेकिन इन्हें कोई सफलता नहीं मिली। भगवान और जनता ने हमेशा हमारा साथ दिया। हमारे सभी विधायक भी मजबूती से साथ हैं। इस बार भी ये लोग अपने नापाक इरादों में फेल होंगे। केजरीवाल ने कहा कि ये लोग जानते हैं कि दिल्ली की जनता के लिए हमारी सरकार ने कितने काम किए हैं। इनकी पैदा की गईं तमाम अड़चन के बावजूद हमने इतने काम किए हैं। दिल्ली की जनता आप से बेइंतहा प्यार करती है। चुनावों में आप को हराना इनके बस की बात नहीं तो एक फर्जी शराब घोटाले के बहाने गिरफ्तार करके सरकार गिराना चाहते हैं।

## बिहार में सियासी संकट के बीच लालू परिवार को कोर्ट का बुलावा, 9 फरवरी को हाजिर हो

पटना।बिहार में सियासी उथल पुथल का दौर है।इस बीच लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान के मामला में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ सकती है।ईडी की चार्जशीट पर दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने संज्ञान लेकर बतौर आरोपी राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, हृदयानंद चौधरी और अन्य को समन जारी किया है। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सभी आरोपियों को 9 फरवरी को पेश होने का आदेश दिया है।बता दें कि मामले में ईडी ने 4751 पेज की चार्जशीट दाखिल की है। लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी की ये पहली चार्जशीट है।इस मामले में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कुल सात को आरोपी बनाया है।सात आरोपियों में राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, हृदयानंद चौधरी, अमित कात्याल और दो कंपनियों एके इंफोसिस्टम और एबी एक्सपोर्ट को आरोपी बनाया है। बता दें कि सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि आरोपी अमित कात्याल ने वर्ष 2006-07 में एके इंफोसिस्टम नामक कंपनी का गठन किया था।कंपनी आइटी से जुड़ी हुई थी।ईडी ने बताया था कि कंपनी ने वास्तविक रूप से कोई व्यापार नहीं किया, बल्कि कई भूखंड खरीदे।इसमें से एक भूखंड नौकरी के बदले जमीन घोटाले से हासिल किया गया। इसी कंपनी को 2014 में राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के नाम पर एक लाख रूपये में ट्रांसफर कर दिया गया था।वहीं, एबी एक्सपोर्ट कंपनी 1996 में एक्सपोर्ट का व्यापार करने के लिए गठित की गई थी।वर्ष 2007 में एबी एक्सपोर्ट कंपनी को पांच कंपनियों के पांच करोड़ रुपये मिले और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक संपत्ति खरीदी गई।

# मल्लिकार्जुन खरगे की बेबसी, पता कि नीतीश के मन में क्या

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार में मचे राजनीतिक घमासान के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा बयान सामने आया है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी बिहार राजनीतिक संकट के बीच इंडिया गठबंधन में मतभेदों को दूर करने की पूरी कोशिश कर रही है। बेंगलुरु में उन्होंने कहा कि उन्हें जनता दल (यूनाइटेड) के गठबंधन छोड़ने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। खरगे ने कहा कि उन्होंने नीतीश को पत्र लिखाकर नीतिश से बात करने की कोशिश भी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस प्रमुख ने कहा, लेकिन मुझे नहीं पता कि नीतीश के मन में क्या है। कल मैं दिल्ली जाऊंगा और पूरी जानकारी लूंगा। देखते हैं क्या होता है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन में सभी को एकजुट करने की पूरी कोशिश कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सीपीआई (एम) महासचिव सीताराम येचुरी से भी बात की है।

खरगे ने कहा, मैंने उनसे (ममता बनर्जी और सीताराम येचुरी से) कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है, तभी हम (आगामी लोकसभा चुनाव में) अच्छी लड़ाई दे सकते हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी यह चाहता है कि इंडिया गठबंधन अच्छा काम करे और लोकतंत्र बचाया जाए, तब वह जल्दबाजी में फैसला नहीं करेगा। 2024 के आम चुनाव में विपक्ष के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर घमासान मचा है।

रिपोर्टों में दावा किया गया है कि बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं और कई कांग्रेस विधायक उनके साथ जाएंगे। हालांकि नीतीश ने राजनीतिक उथल-पुथल पर अब तक चुप्पी साध रखी है। ऐसी अफवाहें जोर पकड़ रही हैं कि कुमार इस्तीफा दे सकते हैं और भाजपा के समर्थन से नई सरकार का गठन कर सकते हैं।

## महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म

### -सीएम शिंदे की मौजूदगी में मनोज जरांगे ने अनशन तोड़ा; सरकार ने सभी मांगें मानी

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलनकारियों की सभी मांगें मान ली हैं। सीएम एकनाथ शिंदे शनिवार को मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से मिलने नवी मुंबई पहुंचे। सीएम ने जरांगे को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया और अध्यादेश की कॉपी सौंपी।

मनोज जरांगे ने शुक्रवार देर रात कहा था कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अच्छा काम किया है। हमारी अपील मान ली गई है। हमारा विरोध अब खत्म हुआ। इससे पहले शुक्रवार को जरांगे ने शिंदे सरकार को शनिवार सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर 11 बजे तक आरक्षण का अध्यादेश जारी नहीं किया गया, तो वे 12 बजे मुंबई के आजाद मैदान पहुंचकर आंदोलन करेंगे। इसके बाद शिंदे सरकार ने देर रात अध्यादेश का ड्राफ्ट जरांगे के पास भेजा। इसमें जरांगे की मांगों का जिक्र था।

सीएम शिंदे और जरांगे के बीच फोन पर हुई थी बातचीत

मनोज ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 20 जनवरी को जालना से मुंबई तक के लिए पदयात्रा शुरू की थी। 26 जनवरी को जरांगे और लाखों की संख्या में उनके समर्थक नवी मुंबई के वाशी पहुंचे। जरांगे ने मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल करने की चेतावनी दी थी। इस बीच महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों की टीम रात करीब 10 बजे वाशी पहुंची और जरांगे से मुलाकात की। उन्होंने सीएम एकनाथ शिंदे से जरांगे की फोन पर बातचीत कराई। इसके बाद जरांगे ने कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें कुछ जरूरी दस्तावेज सौंपे हैं। जरांगे ने बताया कि वे शनिवार को वाशी के शिवाजी चौक में सभा करेंगे। यहीं पर सीएम शिंदे उनकी भूख हड़ताल खत्म कराएंगे। जरांगे राज्य के मराठाओं को कुनबी समाज में तत्काल शामिल कराने मांग कर रहे थे। इससे पूरी कम्युनिटी ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की श्रेणी में आ जाएगी और आरक्षण का लाभ ले सकेगी।

## पंजाब में भुल्लर की रिहाई को लेकर आप पर हमलावार अकाली दल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 1995 से जेल में बंद खालिस्तानी कार्यकर्ता और टाडा दोषी दविंदर पाल सिंह भुल्लर के भाग्य पर राजनीति नए सिरे से शुरू हुई है। नई दिल्ली तिहाड़ जेल के सजा समीक्षा बोर्ड द्वारा समय से पहले रिहाई की उनकी अपील की नवीनतम अस्वीकृति पर अकाली दल और आम आदमी पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप चल रहा है। भुल्लर को 1993 में नई दिल्ली में युवा कांग्रेस कार्यालय के बाहर हुए बम विस्फोट के लिए अगस्त 2001 में मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसका उद्देश्यद स्पष्ट रूप से तत्कालीन युवा कांग्रेस प्रमुख एमएस बिट्टा को निशाना बनाना था। जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 31 घायल हो गए थे। मार्च 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। 2011 में भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने उसकी दया याचिका खारिज कर दी थी। तब से, यह सातवीं बार है जब भुल्लर की समयपूर्व रिहाई की याचिका 2018 में दो बार, 2019 में एक बार और 2020 में तीन बार खारिज होने के बाद खारिज कर दी गई है। 2019 में, केंद्र ने गुरु नानक देव की 550वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान उनकी समयपूर्व रिहाई के लिए सहमति दी थी। लेकिन 2022 में उनकी रिहाई तीन बार टाली गई। अब, इस तिहाड़ बोर्ड ने खारिज कर दिया है, जो उनके मामले में सक्षम प्राधिकारी है। अकाली दल, जिन्होंने सभी राजनीतिक कैदियों (खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ताओं सहित) का मामला उठाया है, केजरीवाल और आप को दोषी ठहरा रहे हैं, क्योंकि तिहाड़ सजा समीक्षा बोर्ड के अध्यक्ष दिल्ली के जेल मंत्री कैलाश गहलोत हैं। अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने लिखा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके कठपुतली (पंजाब के मुख्यमंत्री) भगवंत मान द्वारा मानवता के खिलाफ चौंकाने वाला जघन्य अपराध। प्रोफेसर दविंदरपाल सिंह भुल्लर की समयपूर्व रिहाई की याचिका को खारिज करने के लिए एकजुट होकर, इन दोनों ने सिख संगत के घावों पर नमक छिड़का है। उन्होंने कहा, प्रोफेसर भुल्लर की खराब स्वास्थ्य स्थिति के बावजूद उन्हें करीब 29 साल तक जेल में रखकर उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। वहीं आप मुख्य प्रवक्ता मालविंदर सिंह कांग ने अकाली दल पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है, उन्होंने बताया कि सजा समीक्षा बोर्ड में सात सदस्य शामिल हैं, और गहलोत के अलावा, अन्य छह भाजपा से हैं, जो एक पुरानी अकाली सहयोगी है। कांग ने दावा किया कि केवल गहलोत ने भुल्लर की रिहाई का समर्थन किया था

## भारत की प्रति व्यक्ति आय बांग्लादेश और श्रीलंका से कम

### - भारत में अमीर और अमीर, गरीब और गरीब

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की प्रति व्यक्ति आय बांग्लादेश और श्रीलंका से भी कम है। हाल ही में प्रति व्यक्ति आय के बारे में जो सूची जारी हुई है। उसमें भारत 129 वें स्थान पर है। 190 देश में प्रति व्यक्ति आय की जो सूची जारी हुई है। उसमें टॉप 10 देश में एशिया के चार और यूरोप के पांच देश शामिल हैं।

भारत अभी दुनिया की पांचवी (जीडीपी) के अनुसार अर्थव्यवस्था है। 2027 में इसे तीसरी अर्थ व्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। 2027 तक ऐसा माना जा रहा है, कि जापान से बड़ी अर्थव्यवस्था भारत की हो जाएगी। पहले नंबर पर अमेरिका होगा, दूसरे नंबर पर चीन और तीसरे नंबर पर भारत होगा। इसके बाद भी हम प्रति व्यक्ति आय के मामले में बांग्लादेश और श्रीलंका से भी पिछड़े हुए हैं। यह चिंता का विषय है।

भारत में प्रति व्यक्ति आय 2673 डॉलर प्रति व्यक्ति है। भारतीय रुपए में यह प्रति व्यक्ति आय 225000 प्रतिवर्ष होती है। प्रति व्यक्ति आय के मुकाबले में सबसे ज्यादा आय लक्जमबर्ग की है। इसमें प्रति व्यक्ति आय 1,43000 डालर है। आयरलैंड की आय 1 लाख 37000 डालर है, सिंगापुर की प्रति व्यक्ति आय 143000 डालर है। कतर की प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति आय 114000 डालर है। मकाउ की 88000 डालर प्रति वर्ष है। स्विटजरलैंड की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 89000 डालर है। यूएई की आय 88000 डालर प्रति व्यक्ति है। सेन मेरिनो की वार्षिक आय 84000 डालर प्रतिवर्ष की है। नार्वे की प्रतिवर्ष आय 82 हजार डॉलर प्रतिवर्ष तथा उस अमेरिका की प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति आय 80 हजार डॉलर है।

प्रति व्यक्ति आय मे दुनिया भर के जो 190 देश के आंकड़े जारी किए गए हैं। उसमें भारत का 129 वां नंबर है। भारत के ऊपर बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देश हैं। भारत में जीडीपी के अनुसार जरूर पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन प्रति व्यक्ति आय में बहुत तेजी के साथ पिछड़ गया है। भारत में प्रति व्यक्ति आय के मामले में अमीरों की कमाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। वहीं गरीबों की आई प्रति व्यक्ति कम होती जा रही है। भारत में गरीबी बढ़ती जा रही है। यह चिंता का विषय है। पर कैपिटा इनकम में हम बांग्लादेश और श्रीलंका के नीचे जा चुके हैं।

## नाराज ओवैसी ने किसे बताया हिंदू धर्म का गुलाम

हैदराबाद ।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से जारी उस रिपोर्ट की आलोचना की है, जिसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जिस क्षेत्र में ज्ञानवापी मस्जिद स्थित है, वहां पहले एक विशाल हिंदू मंदिर था।ज्ञानवापी मामले में हिंदुओं की ओर से पैरवी कर रहे वकील विष्णु शंकर जैन के एएसआई की रिपोर्ट को लेकर कही बातों को ओवैसी ने खारिज कर दिया।ओवैसी ने स्टडी करने वाले एएसआई को हिंदुत्व का गुलाम बताया। ओवैसी ने कहा कि ज्ञानवापी परिसर पर एएसआई की ओर से जारी की गई रिपोर्ट किसी भी पेशेवर पुरातत्वविद् या इतिहासकार की अकादमिक जांच पर खरी नहीं उतरती है। उन्होंने गुस्सा जताया कि यह रिपोर्ट अटकलों के आधार पर तैयार की गई है।इसमें वैज्ञानिक अध्ययनों का मजाक उड़ाया गया है।ओवैसी ने सनसनीखेज आरोप लगाए गए कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग हिंदू धर्म का गुलाम बन गया है।

## आम चुनाव को लेकर फ्रंट फुट पर भाजपा, 23 राज्यों के लिए चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारियों का ऐलान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव को देखकर 23 राज्यों के चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारियों की सूची जारी की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने विनोद तावड़े और सांसद दीपक प्रकाश को बिहार की जिम्मेदारी दी है। वहीं, वैजयंत पांडा को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। दुष्यंत गौतम को उत्तराखंड की जिम्मेदारी मिली है। यह सूची भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह के द्वारा जारी की गई है।

भाजपा ने प्रभारियों की जो नई लिस्ट जारी की है, उसके मुताबिक सबसे अधिक 3 नेताओं को बंगाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बंगाल में मंगल पांडे, अमित मालवीय और आशा लकड़ा को प्रभारी और सह प्रभारी बनाया गया है। वहीं, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में सिर्फ एक प्रभारी की नियुक्ति की गई है।

भाजपा द्वारा घोषित प्रभारियों की लिस्ट- अंडमान और निकोबार की जिम्मेदारी वाई सत्या कुमार को, अरुणाचल प्रदेश की अशोक सिंघल को, बिहार की विनोद तावड़े और दीपक प्रकाश को, चंडीगढ़ की विजयभाई रूपाणी, दमन एवं दीव की पुरनेश मोदी और दुष्यंत पटेल, गोवा की आशीष सूद को, हरियाणा की बिप्लब कुमार देव और सुरेन्द्र नागर को, हिमाचल प्रदेश की श्रीकांत शर्मा और संजय टंडन को, जम्मू-कश्मीर की तरुण चुघ को, झारखंड- की लक्ष्मीकांत बाजपेयी, कर्नाटक की राधामोहन दास अग्रवाल और सुधाकर रेड्डी को, केरल की प्रकाश जावड़ेकर को, लद्दाख की अरविंद मेनन को, मध्य प्रदेश की महेन्द्र सिंह और सीतश उपाध्याय को, ओडिशा की विजयपाल सिंह तोमर और लता उसेंडी को, पुदुचेरी की निर्मल कुमार सुराणा को, पंजाब की विजयभाई रूपामई और नरिंदर सिंह को, सिक्किम की दिलीप जायसवाल को, तमिलनाडु की अरविंद मेनन और सुधाकर रेड्डी को, उत्तर प्रदेश की बैजयंत पांडा को, उत्तराखंड की दुष्यंत कुमार गौतम को और पश्चिम बंगाल की मंगल पांडे, अमित मालवीय और आशा लकड़ा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

# नाइट्रोजन से सजा-ए-मौत का विरोध

कनाडा। मजदूरों को ले जा रहा एक छोटा विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद कनाडा के सुदूर उत्तर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8 बजकर 50 मिनट पर हुआ। र सिम्पसन ने दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। सिम्पसन ने कहा, भारी मन से मैं उन लोगों के परिवारों, दोस्तों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। नॉर्थवेस्ट टेरिटरीज के मुख्य कोरोनर गर्थ एगेनबर्गर ने पुष्टि की कि मौतें हुई हैं, लेकिन कहा कि अधिकारी तब तक कोई और जानकारी नहीं देंगे जब तक कि परिजनों को सूचित नहीं किया जाता।

# मिस्टर बीस्ट ने सिर्फ एक पोस्?ट से कमाए थे 2.79 करोड़

**-परोपकार का जुनून ऐसा कि अनजान लोगों में बांट दिए 20-20 लाख**

न्यूयार्क। दुनिया के सबसे अमीर यू-ट्यूबर मिस्टर बीस्ट के परोपकार के चर्चे हर जगह हो रहे हैं। उन्होंने सिर्फ एक पोस्ट से 2.79 करोड़ की कमाई की और 10 अंजान लोगों को 20-20 लाख रुपये बांट दिए। बता दें कि उन्होंने कुछ महीनों पहले एक वेटर को लग्जरी कार गिफ्ट में दे दी थी। अब खबर आ रही है कि उन्होंने 10 अनजान लोगों को 25-25 हजार डॉलर यानी लगभग 20-20 लाख रुपये बांट दिए हैं। ये पैसे उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कमाए थे। आप जानकर हैरान होंगे कि महज एक वीडियो से उन्होंने 2.79 करोड़ रुपये कमा लिए थे। जानकारी के अनुसार अमेरिका के रहने वाले मिस्टर बीस्ट ने कुछ दिनों पहले एक्स पर एक पुराना वीडियो पोस्ट किया था, जो तेजी से वायरल हो गया। 20 करोड़ से ज्यादा लोगों ने उसे देखा, और इससे बीस्ट को करोड़ों रुपये की कमाई हुई। बाद में उन्होंने एक वीडियो शेयर कर बताया कि हमारे दर्शक मूल रूप से चीन को छोड़कर पूरी दुनिया में हैं, इसलिए मैंने सोचा कि चीन में भी इसे पहुंचाना चाहिए। मैं यह देखने के लिए बहुत उत्सुक हूं कि चीन में लोग मेरे द्वारा बनाए गए वीडियो के बारे में क्या सोचते हैं। यह एक मजेदार सफर होने वाला है। मिस्टर बीस्ट ने चीन के ऑनलाइन वीडियो प्लेटफार्म बिलिबिली पर 22 जनवरी को वीडियो को शेयर करते हुए यह बात कही। हालांकि आज भी उन्होंने एक वीडियो शेयर की है। मिस्टर बीस्ट ने वादा किया कि इससे होने वाली कमाई में से 25-25 हजार डॉलर वे 10 अनजान लोगों को देने वाले हैं, जो उनके फॉलोवर्स होंगे। जो उनके वीडियोज शेयर और लाइक करेंगे। 72 घंटों में भाग्यशाली विजेताओं को पैसे दे दिए जाएंगे। मिस्टर बीस्ट पहले भी इस तरह के चैलेंज अपने फॉलोवर्स को देते आए हैं। इसके बाद उनके पोस्ट को लाइक करने और शेयर करने वालों की बाढ़ आ गई। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह खबर चीनी सोशल मीडिया साइट वीवो पर भी काफी तेजी से फैल गई। कई इंफ्लूएंशर ने भी यह वीडियो शेयर किया और अपने फॉलोवर्स से इसमें हिस्सा लेने को कहा। इस दौरान 35 लाख से ज्यादा बार मिस्टर बीस्ट का यह वीडियो रीपोस्ट किया गया और 21 लाख से ज्यादा लाइक्स मिले। बाद में पता चला कि उन्होंने पैसे अपने फॉलोवर्स को बांट दिए हैं, लेकिन उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। मिस्टर बीस्ट का असली नाम जिमी डोनाल्डसन है। सिर्फ 25 साल की उम्र में वह दुनिया के सबसे मशहूर यूट्यूबर बन चुके हैं। भारत समेत दुनिया के कई देशों में बच्चों और युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं। सिर्फ एक वीडियो से ही वे लाखों कमा लेते हैं, लेकिन बहुत सारा पैसा दान भी करते हैं। यूट्यूब पर उनके मुख्य चैनल 'मिस्टर बीस्ट' 23 करोड़ 40 लाख सब्स्क्राइबर हैं। इसके अलावा 4 और यूट्यूब चैनल चलाते हैं।

# इमरान के नेताओं को बड़ी राहत, अब चुनाव में बन सकेंगे प्रत्याशी

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के नेताओं को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राहत दे दी। शीर्ष कोर्ट ने परवेज इलाही और कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं को आठ फरवरी को होने जा रहे आम चुनाव में प्रत्याशी बनने की अनुमति दे दी। तीन सदस्यीय पीठ ने इलाही की अपील पर सुनवाई की। इलाही ने लाहौर हाई कोर्ट और चुनाव ट्रिब्यूनल द्वारा उनकी उम्मीदवारी की अस्वीकृति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष कोर्ट ने पीटीआइ के अन्य नेताओं उमर असलम, ताहिर सादिक, सनाम जावेद और शौकत बसरा को भी आगामी चुनाव में प्रत्याशी बनने की अनुमति दी है। इस बीच पीटीआइ ने शुक्रवार को कहा कि उसकी वेबसाइट को ब्लाक कर दिया गया है।

# अदन की खाड़ी में हाउती आतंकियों ने मिसाइल से तेल टैंकर किया ध्वस्त

वाशिंगटन। एक हाउथी एंटी-शिप मिसाइल ने शुक्रवार को अदन की खाड़ी में एक तेल टैंकर को नुकसान पहुंचाया। हालांकि, किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी सेना ने इसकी सूचना देते हुए बताया कि अमेरिकी नौसेना का एक जहाज सहायता प्रदान कर रहा है। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मार्शल आइलैंड्स के ध्वज वाले मार्लिन लुआंडा ने एक संकट कॉल जारी की और क्षति की सूचना दी। इसमें कहा गया है कि यूएसएस कार्नी और अन्य गठबंधन जहाज तेल टैंकर को सहायता प्रदान कर रहे थे। अमेरिकी सेना ने कहा कि एक हाउती एंटी-शिप मिसाइल ने अदन की खाड़ी में एक तेल टैंकर को क्षतिग्रस्त कर दिया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी नौसेना का एक जहाज सहायता प्रदान कर रहा है। हाउती का कहना है कि उनके हमले गाजा में इजरायल के हमले के तहत फलस्तीनियों के साथ एकजुटता में हैं। सेंट्रल कमांड ने कहा कि लगभग आठ घंटे बाद, अमेरिकी सेना ने एक हाउती एंटी-शिप मिसाइल को नष्ट कर दिया, जिसका लक्ष्य लाल सागर था। बता दें कि मिसाइल ने क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों और अमेरिकी नौसेना के जहाजों के लिए एक आसन्न खतरा पैदा कर दिया है। बता दें कि पिछले कई हफ्तों से लाल सागर में और उसके आसपास जहाजों पर ईरान-गठबंधन हाउती मिलिशिया के हमलों ने एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को धीमा कर दिया है।

# अंग्रेजी के आंगन में भारतीय परंपरा की झलक, गूंजा जय सिया राम, छात्र ने शिक्षक के पैर छुए

लंदन। भारतीय परंपराएं मजबूत और सटीक हैं कि दुनिया के दूसरे देश भी इसे अजमाने लगे है। वहां पैरे छूकर आशीर्वाद लेने का चलन शुरु हुआ तो जय सिया राम की गूंज भी सुनाई देने लगी है। हाल ही में इंग्लैंड के लीसेस्टर यूनिवर्सिटी में हाल ही में हुए दीक्षांत समारोह में एक छात्र ने कुछ ऐसा कर दिया कि सब लोग हैरान रह गए। दरअसल एक छात्र ने हाल ही में एक दीक्षांत समारोह के दौरान एक शिक्षक के पैर छूकर और 'जय सिया राम' कहकर दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार अब इस घटना का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दीक्षांत समारोह की पोशाक पहने छात्र, शिक्षक के पास आया और वह उनके पैर छूने के लिए झुका। बता दें कि पैर छुना एक प्राचीन भारतीय परंपरा है, जो गहरे सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। सोशल मीडिया पर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया 'अपनी जड़ों, संस्कारों और परंपराओं पर गर्व करो - यूके के लीसेस्टर में ग्रेजुएशन समारोह के दौरान एक स्टूडेंट ने अपने टीचर के पैर छुए और 'जय सिया राम' का नारा लगाया।' वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट किया, 'अपनी जड़ों से कभी मत शरमाओ!' दूसरे ने कहा, 'ये देखकर बहुत अच्छा लगा कि आज की पीढ़ी भी अपनी संस्कृति और परंपराओं पर गर्व करती है।' चूंकि हॉल में बैठे कई लोगों को इस भारतीय परंपरा के बारे में जानकारी नहीं थी तो वह यह देखकर काफी हैरान रह गए। लेकिन कुछ देर बाद हॉल में तालियां बजने लगी।

पेरिस के पास चामंत में फ्रांसीसी किसान अपने ट्रैक्टरों से राजमार्ग को अवरुद्ध करते हुए। यह किसान मूल्य दबाव, करों और हरित विनियमन का विरोध रहे थे।

# मुइज्जू का चीनी राग...दोनों देश एक-दूसरे का करते हैं सम्मान

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने चीन के साथ अपने देश के रणनीतिक संबंधों की सराहना कर कहा कि दोनों देश एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और बीजिंग हिंद महासागर द्वीप की संप्रभुता का पूरा समर्थन करता है। चीन की हाई-प्रोफाइल राजकीय यात्रा के बाद मालदीव लौटे मुइज्जू ने कहा कि चीन ने 1972 में राजनयिक संबंध स्थापित करने के बाद से मालदीव के विकास में सहायता प्रदान की है। चीन समर्थक नेता माने जाने वाले मुइज्जू ने अपनी हाल ही में संपन्न चीन यात्रा के दौरान

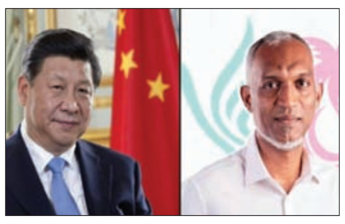

मालदीव को बीजिंग के करीब लाने की कोशिश की और दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया। उन्होंने कहा कि चीन की बेल्ट एंड रोड पहल द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले गई है। चीन ऐसा देश नहीं है जो मालदीव के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करेगा, यही कारण है कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मालदीव और चीन एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और चीन मालदीव की संप्रभुता का पूरा समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि उनके चीनी समकक्ष राष्ट्रपति शी जिनपिंग नागरिकों के हित को पहले रखते हैं और उनके नेतृत्व में चीन की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति शी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि चीनी सरकार मालदीव को उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगी।

# फिर पिटने के मूड़ में नजर आ रहा है पाकिस्तान, लगातार भारत को उकसाने पर तुले हैं

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान का कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने के बाद से अनवारुल हक काकड़ लगातार भारत के विरोध में बयान दे रहे हैं। कभी वह भारत को पाखंडी देश बताते हैं तो कभी भारत को उकसाने के लिए चीन की सीपीईसी परियोजना को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। अब तो उन्होंने गीदड़ भभकी देते हुए कह दिया है कि ईरान की ओर से किये गये मिसाइल हमले के जवाब में जो पलटवार किया गया है उसमें भारत के लिए भी संदेश छिपा है। देखा जाये तो अनवारुल हक काकड़ की वैसे तो कोई ज्यादा बड़ी राजनीतिक हैसियत नहीं है लेकिन जबसे वह पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने हैं तबसे उन्होंने अपना राजनीतिक वजूद कायम करने के लिए भारत के विरोध में लगातार बोलना जारी रखा है। वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि सुर्खियों में बने रहें और अपने भारत विरोधी रुख के चलते पाकिस्तानी सेना का समर्थन हासिल कर सकें। अनवारुल हक काकड़ यह सब करके पाकिस्तान में कोई राजनीतिक मुकाम हासिल कर पाएंगे या नहीं यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन एक बात जो साफ तौर पर नजर आ रही है वह यह है कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अपने ही देश में हंसी के पात्र जरूर बनते जा रहे हैं। विदेशी चंदे, चीन की ओर से मिल रहे कर्ज और कुछ मुस्लिम देशों की ओर से फेंके गये मदद के टुकड़ों की बदौलत चल रहे पाकिस्तान ने दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के बारे में जो कुछ कहा है उस पर दिल्ली ने तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है मगर आम पाकिस्तानी ही काकड़ को आईना दिखाने में लग गये हैं। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर लोग तमाम तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार को कोस रहे हैं। हम आपको बता दें कि काकड़ ने अपनी गीदड़ भभकी में कहा है कि

ईरान को जिस तरह से जवाब दिया गया उससे भारत को भी साफ और स्पष्ट संदेश गया है। काकड़ ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा है कि ईरान की ओर से जिस तरह से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के उल्लंघन किया गया, उसके बाद पाकिस्तानी सेना के पास ईरान को जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया में एक मजबूत जवाब दिया और ये निश्चित रूप से भारत और पूरे क्षेत्र के लिए एक संदेश है। अब काकड़ के इस बयान के बाद आम पाकिस्तानी अपनी ही सरकार को कोस रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत को उकसाना गलत है क्योंकि यदि उसने फिर से घुसकर मारा तो बड़ी फजीहत हो जायेगी। आम पाकिस्तानी कह रहे हैं कि जब भारत घुस कर मारता है तो हमारी सरकार कोई हमला होने से ही इंकार कर देती है मगर अब कह रही है कि भारत को संदेश चला गया है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल पीओके के दौरे के दौरान भी काकड़ ने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। काकड़ ने मुजफ्फराबाद में पीओके की विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश नहीं बल्कि सबसे बड़े पाखंडी देश के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसके अलावा, जहां तक चीन की सीपीईसी यानि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना की बात है तो उस पर भी आगे बढ़ने की बात कह कर काकड़ ने भारत को उकसाने का काम किया है। हम आपको बता दें कि भारत शुरू से ही इस परियोजना का विरोधी रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक काकड़ ने इस्लामाबाद में कहा है कि सीपीईसी के पहले चरण को हासिल करने के बाद, पाकिस्तान अपनी प्रारंभिक परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहा है और अगले चरण को लागू करने के लिए चीन के संपर्क में है। हम आपको बता दें कि सीपीईसी का उद्देश्य पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ना है। भारत इस परियोजना पर आपत्ति जताता रहा है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरती है। हम आपको यह भी बता दें कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री के अलावा पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भी भारत के खिलाफ अपने मन की नफरत का एक बार फिर प्रकटीकरण किया है। दरअसल ईरान पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि देश की पीठ में छुरा घोंपने वालों को करारा जवाब मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कह डाला कि किसी को भी पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही मुनीर ने भारत के साथ किसी भी प्रकार की सुलह से इंकार करते हुए कहा है कि भारत ने पाकिस्तान के दृष्टिकोण को नहीं माना है, तो हम उसके साथ कैसे सुलह कर सकते हैं? बताया जा रहा है कि नई दिल्ली इन बयानों पर गौर कर रही है और समुचित जवाब दिया जायेगा।

# फिलिस्तीनियों को लगा बड़ा झटका कोर्ट ने युद्ध रोकने से किया इनकार

**गाजा (एजेंसी)।** इजरायल और हमास के बीज लंबे समय से युद्ध चल रहा है। जिसको लेकर शांति के प्रयास किए जा रहे है। लेकिन सफलता नहीं मिल रही है

गाजा में इजरायल के हमले को लेकर इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने फैसला सुनाते हुए नरसंहार को रोकने का आदेश दिया है। दक्षिण अफ्रीका की याचिका पर कोर्ट ने यह आदेश दिया है। हालांकि इसे दक्षिण अफ्रीका के लिए भी झटका माना जा रहा है। आईसीजे ने सीजफायर को लेकर कोई भी आदेश नहीं दिया है जबकि दक्षिण अफ्रीका ने युद्धविराम की ही मांग की थी। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने इस मामले में सहमति नहीं जताई। यह बात फिलिस्तीनियों को भी निराश करने वाली है। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका ने गाजा पट्टी में नरसंहार को लेकर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का रुख किया था। इसके बाद उसे कोलंबिया और ब्राजील का भी साथ मिला था। इस याचिका में कहा गया था कि इजरायल जिनेवा कन्वेंशन के तहत अपने कर्तव्यों का उल्लंघन कर रहा है। वह जो कर रहा है वह जिनेवा कन्वेंशन के तहत गलत है। इसके बाद कोलंबिया के विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि दक्षिण अफ्रीका का मुकदमा एक साहसी कदम है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासिलो लूला दा सिल्वा ने भी कहा कि इजरायल अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

आईसीजे ने इजरायल से कहा कि वह गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों का नरसंहार बंद कर दे और अब तक हमले में हुई मौतों का पूरा ब्यौरा दे। कोर्ट ने कहा कि इजरायल इस बात को सुनिश्चित करे कि उसकी सेना गाजा में नरसंहार ना करे और मानवीय स्थिति को देखते हुए सुधारवादी तरीके अपनाए। आईसीजे ने इजरायल से एक महीने के अंदर ही रिपोर्ट सौंपने को कहा है। आईसीजे में 17 जज इस मामले की सुनवाई कर रहे थे। इनमें से ज्यादातर ने कहा कि इरजाल को ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे कि फिलिस्तीनी लोगों को शारीरिक और मानसिक नुकसान ना हो। हालांकि बता दें कि यह आईसीजे का अंतिम फैसला नहीं है। वहीं बात करें आईसीजे के आदेशों को लागू करने की तो ऐसा कोई सिस्टम नहीं है जो कि इसे लागू करवा सके। ऐसे में कई बार अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का फैसला केवल कागजों पर ही रह जाता है। बता दें कि गाजा में करीब 100 दिनों से अधिक समय से जंग जारी है। अब तक 26 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 60 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें 9000 से ज्यादा बच्चे और 6500 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। हमास के 7 अक्टूबर के हमलों के बाद गाजा में इजराइल हमले जारी हैं। हमास के 7 अक्टूबर के हमले में इजराइल में करीब 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

# चीन / ताइवान: सैन्य दबाव बनाने का प्रयास, 24 घंटे में भेजे 33 लड़ाकू विमान और युद्धपोत

**बीजिंग (एजेंसी)।** द्वीप के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि चीन ने ताइवान की ओर 30 से अधिक युद्धक विमान और नौसेना जहाजों का एक समूह भेजा है। सैन्य दबाव उस घोषणा के बाद आया है जिसमें वरिष्ठ अमेरिकी और चीनी प्रतिनिधियों के थाई राजधानी में मिलने की उम्मीद थी क्योंकि दोनों देश तनाव को कम करना चाहते हैं। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने शुक्रवार सुबह 6 बजे से शनिवार सुबह 6 बजे के बीच ताइवान के आसपास एसयू-30 लड़ाकू विमानों और छह नौसेना जहाजों सहित 33 विमान भेजे। इनमें से 13 युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया। एक अनौपचारिक सीमा जिसे द्वीप और मुख्य भूमि के बीच एक बफर माना जाता है। ताइवान ने स्थिति पर नजर रखी है और गतिविधियों के जवाब में अपनी सेना को तैनात किया है। चीन स्व-शासित ताइवान को अपना क्षेत्र होने का दावा करता है और हाल के वर्षों में सैन्य विमान और जहाज भेजकर ताइवान में राजनीतिक गतिविधियों पर नाराजगी जताई है। ताइवान ने कहा कि स्व-शासित द्वीप द्वारा लाई चिंग-ते को नया राष्ट्रपति चुने जाने के कुछ दिनों बाद छह चीनी गुब्बारे या तो द्वीप के ऊपर से या उसके ठीक उत्तर में हवाई क्षेत्र से होकर उड़े। लाई की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने बड़े पैमाने पर आत्मनिर्णय, सामाजिक न्याय और चीन की धमकियों को अस्वीकार करने पर अभियान चलाया। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और चीनी विदेश मंत्री वांग यी दोनों बातचीत के लिए बैंकॉक में थे, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि बैठक कब होगी या पहले ही हो चुकी है।

# ट्रंप गुस्से में भरी अदालत से बाहर चले गए, इधर कोर्ट ने ठोक दिया 7 अरब का जुर्माना

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार अपने गुस्से के कारण अपना ही नुकसान कर लेते हैं। कुछ इसी तरह का गुस्सा न्यूयॉर्क सिटी जूरी में उन्होंने दिखा दिया और भरी अदालत से उठकर बाहर चले गए। इस पर अदालत ने बिना देरी के लगभग 7 अरब का रुपए का जुर्माना ट्रंप पर ठोक दिया।

ट्रंप को जुर्माने के तौर पर लेखिका ई जीन कैरोल को 83.3 मिलियन डॉलर (करीब 7 अरब रुपये) देने होंगे। पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ मानहानि के मुकदमे में न्यूयॉर्क सिटी जूरी ने यह फैसला सुनाया। बता दें कि कैरोल ने एले पत्रिका के लिए एक लंबे समय तक कॉलम लिखा। उन्होंने 2019 में छपी किताब में पहली बार आरोप लगाया था कि ट्रंप ने 1995 के अंत में या 1996 की शुरुआत में उनका बलात्कार किया था। यह घटना मैनहट्टन के एक लक्जरी डिपार्टमेंटल स्टोर के ड्रेसिंग रूम में हुई थी। ट्रंप ने इन आरोपों के जवाब में कहा था कि ऐसा कभी नहीं हो सकता था क्योंकि कैरोल मेरे टाइप की नहीं हैं। इसके बाद कैरोल ने ट्रंप के खिलाफ मानहानि का

मामला भी दायर किया था। इससे पहले कानून के तहत कैरोल को घटना को हुए कई वर्ष बीत जाने के कारण ट्रंप के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दायर करने से रोक दिया गया था।

जूरी ने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप को कैरोल को उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के बदले यह रकम देनी होगी। इससे पहले ट्रंप अंतिम बहस के दौरान उस वक्त अदालत कक्ष से उठकर बाहर चले गए, जब लेखिका कैरोल के वकील ने निर्णायक मंडल से उनकी मुवक्किल को कम से कम 1.2 करोड़ डॉलर का हर्जाना दिलाए जाने की अपील की। कैरोल के वकील ने कहा कि ट्रंप ने अपने सार्वजनिक बयानों के माध्यम से उन्हें झूठा करार दिया। कैरोल के प्रति नफरत पैदा की, जिससे उनके सम्मान को हानि पहुंची है। मैनहटन संघीय अदालत में वकील रोबर्टा कपलान ने अपनी अंतिम दलीलें शुरू कीं। इसके कुछ ही मिनटों बाद ट्रंप अचानक बचाव पक्ष की तरफ की अपनी सीट से उठे और बाहर की ओर जाने लगे। वह खचाखच भरे अदालत कक्ष को देखने के लिए एक पल रुके और इसी दौरान खुफिया विभाग के सदस्य उनके पीछे की ओर जाने लगे। पूर्व राष्ट्रपति के अचानक चले जाने से जस्टिस लुईस ए कपलान को जिरह के बीच दखल देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड में दिखाया जाएगा कि ट्रंप उठे और अदालत से बाहर चले गए। ट्रंप के बाहर जाने से कुछ ही वक्त पहले जूरी की अनुपस्थिति में न्यायाधीश ने ट्रंप की अधिवक्ता अलीना हब्बा को चेताया था। उन्होंने कहा कि दलीलें पूरी करने के बावजूद बार-बार टोकने पर वह उन्हें जेल भेज देंगी। जस्टिस ने हब्बा से कहा कि आप जेल में कुछ समय बिताने के कगार पर हैं। अब बैठ जाइए।

# पाकिस्तान में चुनाव: जेल से तीन महिलाएं, शरीफ परिवार के लिए खड़ी करेंगी बड़ी चुनौती

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव है। नेशनल असेंबली के इस चुनाव में 175 पार्टियां चुनावी मैदान में उतरी हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवार भी अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कुछ वैसे भी उम्मीदवार हैं, जो जेल से चुनाव लड़ रहे हैं। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की तीन महिलाएं जेल से चुनाव लड़ रही हैं। ये तीनों शरीफ परिवार के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरी हैं।

इमरान की पार्टी की नेता डॉ यास्मीन रशीद लाहौर नेशनल असेंबली-130 निर्वाचन क्षेत्र से नवाज शरीफ के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरी हैं। दोनों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है. यह निर्वाचन क्षेत्र 1990 से पीएमएल-एन का गढ़ रहा है, जब नवाज शरीफ ने पहली बार सीट जीती थी। शरीफ ने 1993, 1997 और 2013 में यह सीट बरकरार रखी, जबकि उनकी पार्टी के उम्मीदवारों ने 2002 और 2008 में इस सीट पर जीत हासिल की। डॉ. यास्मीन रशीद 2013 से 2023 तक इस सीट से तीन बार दावेदार रहीं, हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पीएमएल-एन नेता हमजा शहबाज को नेशनल असेंबली-118 में सबसे मजबूत उम्मीदवार माना जाता है। मगर इस बार पीटीआई की आलिया हमजा मलिक से कड़ी टक्कर की उम्मीद है। हालांकि, 2018 के आम चुनावों में यह सीट पीएमएल-एन के खाते में गई थी। हमजा शहबाज ने पीटीआई के नौमान कैसर और टीएलपी की सुमैरा नौरीन के खिलाफ इस सीट को आसानी से जीत लिया था. बता दें कि आलिया 2018 में पंजाब से महिलाओं के लिए आरक्षित सीट पर पीटीआई के उम्मीदवार के रूप में पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के लिए चुनी गई थीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हें संघीय संसदीय सचिव भी नियुक्त किया था। जेल में बंद पीटीआई की महिला कार्यकर्ता सनम जावेद नेशनल असेंबली-119 से पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की चीफ मरियम नवाज के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। दोनों के बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद है। बता दें कि 9 मई की घटनाओं को लेकर सनम जावेद सहित पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की लगभग एक दर्जन से अधिक महिलाएं पिछले पांच महीने से अलग-अलग जेलों में बंद हैं।

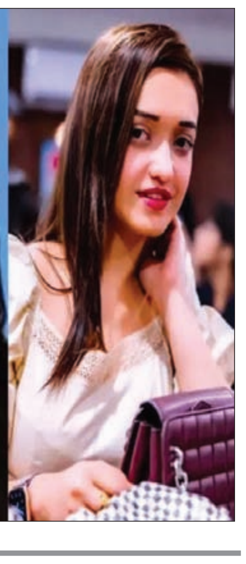

## अगले साल भारत में होंगे 2 विश्व कप, आईसीसी ने किया खुलासा

**नई दिल्ली ।**

भारत में अगले साल दो विश्व कप होंगे। आईसीसी ने इस बात का खुलासा करके क्रिकेट प्रे मियों को खुश कर दिया है। हालांकि पिछले साल खेले गए आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली भारतीय टीम की हार ने क्रिकेट फैंस का दिल तोड़ दिया था। हर किसी को इसी बात का अफसोस था कि आईसीसी ट्रॉफी को अपने घर पर जीतने का एक बेहतरीन मौका हाथ से निकल गया। लेकिन अब भारतीय फैंस के लिए आईसीसी की तरफ से अच्छी खबर सामने आई है। भारत में अगले साल एक नहीं बल्कि दो विश्व कप का आयोजन होगा। बता दें कि आईसीसी के अगले चार साल के इवेंट्स की लिस्ट सामने आ गई है। इसमें साल 2024 से 2027 के बीच होने वाले सभी आईसीसी इवेंट्स का शेड्यूल सामने आया है जिसमें भारत के पास दो आईसीसी विश्व कप की मेजबानी है। वहीं इंग्लैंड को ही आईसीसी ने अगले दो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल का आयोजन करने की जिम्मेदारी दे दी है। वहीं पाकिस्तान को अगले साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी है। आईसीसी के अगले चार साल के इवेंट्स लिस्ट पर ध्यान दें तो भारत के पास महिला विश्व कप की मेजबानी है। जानकारी के अनुसार अक्टूबर-नवंबर के बीच इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 2026 में श्रीलंका के साथ मिलकर भारत पुरुष टी20 विश्व कप की मेबजानी भी करेगा। बताया जा रहा है कि अक्टूबर-नवंबर में ही इस टूर्नामेंट का भी आयोजन किया जाना निर्धारित है।

# फाइव्स विश्व कप के फाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

**मस्कट।**

भारतीय महिला टीम फाइव्स विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है। टीम ने यहां दक्षिण अफ्रीका पर 6-3 की रोमांचक जीत दर्ज करते हुए एफआईएच हॉकी फाइव्स महिला विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। बता दें कि फाइनल में रविवार को भारत का सामना नीदरलैंड से होगा। अक्षता अबासो ढेकाले (सातवें मिनट), मारियाना कुजूर (11वें), मुमताज खान (21वें), रुतुजा दादासो पिसल (23वें), ज्योति छत्री (25वें) और अजीमा कुजूर (26वें) ने शुक्रवार रात हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए गोल दागे। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेशॉन डी ला रे (5वें), कप्तान टोनी मार्क्स (8वें) और डिर्की चेम्बरलेन (29वें) ने गोल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहले हाफ में काफी डिफेंसिव शुरूआत की लेकिन गोल करने का पहला मौका भी उसे ही मिला। इधर भारतीय गोलकीपर रजनी इतिमारपू काफी सतर्क थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका की डी ला रे के करीबी रिवर्स शार्ट से टीम ने शुरूआत में बढ़त बना ली। लेकिन यह ज्यादा देर नहीं रह सकी और अक्षता दक्षिण अफ्रीका की गोलकीपर ग्रेस कोचराने को छकाते हुए भारत को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

टीम की कप्तान टोनी ने गोल कर दक्षिण अफ्रीका को फिर बढ़त दिला दी लेकिन मारियाना के गोल से भारत फिर बराबरी पर था। दूसरे हाफ में दक्षिण अफ्रीका ने तेज शुरूआत की जिससे भारतीय गोलकीपर फिर से काफी सतर्क हो गयीं। मुमताज के गोल से भारत ने पहली बार मैच में बढ़त बनाई। फिर रूतुजा ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए गोल किया। दक्षिण अफ्रीका की कोशिशें जारी रहीं लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। हालों कि खेल खत्म होने में 5 मिनट पहले ज्योति ने दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर को कोई मौका नहीं देते हुए गोल कर दिया। अजीमा ने गोल कर स्कोर 6-2 किया। जबे कि हूटर से एक मिनट पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए चेम्बरलेन ने सांत्वना गोल किया।

# रिदम, उज्जवल ने मिश्रित टीम पिस्टल स्वर्ण जीता

**नई दिल्ली,**

भारत ने मिस्र के काहिरा में अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में अपना पहला स्वर्ण जीता, जब रिदम सांगवान और उज्जवल ने मिलकर अर्मेनियाई जोड़ी एल्मिरा करापेटियन-बेनिक खलघटयान को शनिवार को मिस्र अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक सिटी शूटिंग रेंज में प्रतियोगिता के दूसरे दिन 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के स्वर्ण पदक मैच में 17-7 से हरा दिया। इससे पहले, अर्जुन बाबुता और सोनम उत्तम मस्कर ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, क्योंकि भारत ने दिन का अंत एक स्वर्ण और दो रजत पदक के साथ किया। अनुराधा देवी ने शुक्रवार शाम महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक के साथ टीम का खाता खोला था। रिदम, जिन्होंने काहिरा में लगातार दूसरा विश्व कप मिश्रित टीम स्वर्ण जीता, और उज्जवल 580 के कुल स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में अर्मेनियाई जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। अर्मेनियाई जोड़ी एक अंक आगे थी। हालाँकि, भारतीय फ़ाइनल में बहुत बेहतर साबित हुए, बहुत तेज़ी से 7-1 से आगे हो गए क्योंकि बेनिक का फ़ाइनल बहुत ही ख़राब रहा। जब स्कोर 11-7 था तब अर्मेनियाई लोग सबसे करीब थे, लेकिन बाद के चरणों में रिदम में तेजी आई और चारों ओर कम स्कोर के बावजूद, भारतीय अंत में 17-7 से आगे रहे। एयर राइफल मिश्रित टीम में, अर्जुन और सोनम ने क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया था, उन्होंने डीन बेल और सियोनैड मैकिंटोश की ब्रिटिश जोड़ी को एक अंक से पछाड़ दिया था, लेकिन फिर दौड़ की शुरुआत में 16 अंकों के फाइनल में 3-9 हो गया। जल्द ही स्कोर 6-12 हो गया, क्योंकि भारतीय जो कुछ भी ब्रिटिश जोड़ी पर फेंकते थे, वे उसी रूप में वापस आते थे। लेकिन जब डीन ने घबराहट और अनुभवहीनता दिखाई तो अर्जुन और सोनम ने संयम बनाए रखा और जल्द ही स्कोर 14-14 हो गया। मैच प्वाइंट पर, मैकिंटोश ने अपना क्लास दिखाया और 10.9 का स्कोर किया और भारतीयों के ठोस 10 के बावजूद, ब्रिटिश जोड़ी ने स्वर्ण पदक छीन लिया। हालाँकि, कोई भी भारतीय निशानेबाज शॉटगन रेंज में ट्रैप शूटिंग के फाइनल में जगह बनाने में सक्षम नहीं था।

जोरावर संधू 118 के स्कोर के साथ पुरुष ट्रैप में 12वें स्थान पर रहे, जबकि भवनीश मेंदीरत्ता (114) और पृथ्वीराज टोंडिमान (112) और पीछे रहे। महिलाओं के ट्रैप में राजेश्वरी कुमारी 110 के स्कोर के साथ 13वें स्थान पर रहीं जबकि मनीषा कीर (109) और भाव्या त्रिपाठी (106) क्रमशः 15वें और 18वें स्थान पर रहीं।

# अनिल कुंबले ने भी बताई शुभमन गिल की बल्लेबाजी में बड़ी खामी

**हैदराबाद।**

पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने शुभमन गिल की बल्लेबाजी तकनीक में बड़ी खामी बताई है। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद में चल रहे पहले टेस्ट के दौरान युवा प्लेयर शुभमन गिल की बल्लेबाजी को लेकर बात हुई है। इससे पहले पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर भी शुभमन की पहली पारी में खेले गए शॉट को लेकर कमी बता चुके हैं। शुभमन टेस्ट में अपनी फॉर्म को लेकर निशाने पर हैं। उन्होंने मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी शतक लगाया था। इसके बाद वह 10 पारियों में एक भी अर्धशतक लगा नहीं पाए हैं। बहरहाल दूसरे दिन लंच ब्रेक के दौरान बोलते हुए कुंबले ने गिल को स्पिनरों का सामना करते समय स्ट्राइक रोटेट करने की अपनी क्षमता बढ़ाने को कहा। वहीं अनिल कुंबले ने चेतेश्वर पुजारा और राहुल द्रविड़ के दृष्टिकोण के साथ समानताएं बताईं, जो लगातार इस नंबर पर खेले हैं। उन्होंने गिल से स्पिन के खिलाफ खेलते समय नरम रुख अपनाने का आग्रह किया। कुंबले बोले कि इस नंबर पर दबाव बढ़ता है। स्ट्राइक रोटेट करने में संघर्ष करना पड़ता है लेकिन इसे सीखना बहुत ही महत्वपूर्ण है।

अनिल कुंबले ने कहा कि हमारे बीच पुजारा और द्रविड़ है जोकि इस नंबर पर फिट रहे हैं। उन्हें स्ट्राइक रोटेट करने में महारत हासिल करनी होगी। मुलायम हाथों से स्पिन खेलना और कलाई का उपयोग करना जरूरी है। जो खेल की जरूरत है।

कल, जब वह बल्लेबाजी के लिए आए थे तो उन्होंने अपना समय लिया था। लेकिन टिकने के बाद उन्हें फिर से चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह टर्न के खिलाफ रिलीज़ शॉट खेलने के प्रयास में फंस गए। मेरी राय में यह एक आदर्श शॉट नहीं था। इससे पहले गावस्कर ने भी कमेंट्री में निराशा व्यक्त करते हुए गिल के शॉट चयन के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया था।

# भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

**केप टाउन ।**

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अपना अजेय क्रम जारी रख मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3-0 की सनसनीखेज जीत दर्ज की। मैच में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (2), अभिषेक (13) और सुमित (30) ने टीम की जीत तय की। मैच की शुरुआत भारत को शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिलने से हुई और कप्तान हरमनप्रीत ने दूसरे मिनट में नेट के पीछे से एक शक्तिशाली ड्रैग फिलक मारकर भारत को शुरुआती बढ़त दिला दी। पहले क्वार्टर में कुछ ही मिनट शेष थे, अभिषेक (13) ने आक्रामक कदम का भरपूर फायदा उठाया और दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर को छकाकर भारत की बढ़त

दोगुनी कर दी। दूसरे क्वार्टर में दक्षिण अफ्रीका के कई हमलों के बावजूद भारत की रक्षापंक्ति ने संयम बनाए रखा और क्लीनशीट हासिल करने के अपने दृढ़ संकल्प पर कायम रही। मध्यांतर के तुरंत बाद सुमित (30) एक और फील्ड गोल करने में सफल रहे और भारत ने 3-0 की बढ़त ले ली। मध्यांतर के बाद दक्षिण अफ्रीका ने गोल करने में तेजी दिखानी शुरू कर दी, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने किले पर पकड़ बनाए रखी। तीसरे क्वार्टर में दोनों छोर पर काफी गतिविधियां देखने को मिलीं, लेकिन दोनों में से कोई भी टीम नेट हासिल करने में सफल नहीं हो सकी।

# जानिक सिनर से मिली हार पर जोकोविच ने स्वीकारा उनका प्रदर्शन खराब रहा

**मेलबर्न ।**

मेलबर्न में 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के सेमीफाइनल में इटालियन खिलाड़ी जानिक सिनर से मिली हार को अब तक के सबसे खराब ग्रैंड स्लैम मैचों में से एक करार दिया है। सिनर, 22 साल की उम्र में 2008 के बाद से मेलबर्न पार्क में फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं, उन्होंने रॉड लेवर एरेना में शानदार जीत दर्ज की, जिससे जोकोविच का मेलबर्न में 33- मैच जीतने का सिलसिला टूट गया और 2018 के बाद से उन्हें अपनी पहली ऑस्ट्रेलियन ओपन हार मिली।

जोकोविच ने खुद पर युवा दावेदार को हावी पाया और उन्हें मात झेलनी पड़ी। सर्बियाई उस्ताद, जो कोर्ट पर अपने प्रभुत्व के लिए जाना जाता है, स्पष्ट रूप से निराश था क्योंकि वह अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा था और उसने अस्वाभाविक 54 बेजां भूलें कीं।

जोकोविच ने अपने प्रदर्शन की पूरी ईमानदारी से आलोचना कर कहा, मैं अपने स्तर से बुरी तरह हैरान था। अपनी सामान्य प्रतिभा और उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन के फीके प्रदर्शन के बीच स्पष्ट अंतर को स्वीकार करते हुए, उन्होंने स्वीकार किया, पहले दो सेटों में मैं बहुत कुछ सही नहीं कर रहा था। यह मेरे द्वारा खेले गए अब तक के सबसे खराब ग्रैंड स्लैम मैचों में से एक था, कम से कम मुझे यहीं याद है। (यह) इस तरह से खेलना बहुत सुखद एहसास नहीं था। खेल के हर पहलू में मुझसे बेहतर प्रदर्शन करने का श्रेय उन्हें जाता है। मैंने कोशिश की, मैंने संघर्ष किया। मैं तीसरे सेट में स्तर को थोड़ा ऊपर उठाने में कामयाब रहा, एक मैच प्वाइंट बचाया और एक अच्छा टाई-ब्रेक खेला। जोकोविच ने कहा, मेरे टेनिस का प्रदर्शन स्तर वास्तव में अच्छा नहीं था। जोकोविच ने स्वीकार किया, पूरे टूर्नामेंट में मैं वास्तव में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी नहीं खेल पाया।

हो सकता है कि (एड्रियन) मन्नारिनो के खिलाफ, मैं बहुत अच्छा था, लेकिन ज्यादातर मैचों में मैं उसके बराबर नहीं खेल रहा था [तुलना में] जैसा कि मैं यहां ऑस्ट्रेलिया में आम तौर पर खेलता हूं। इससे मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि मैंने सोचा था कि पहले दो सेटों में यह उतना बुरा नहीं होगा।

लेकिन दूसरी ओर, इस टूर्नामेंट के दौरान मुझे ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं कोर्ट पर हूं। करारी हार के बावजूद, जोकोविच ने उम्र की किसी भी धारणा को तेजी से दूर कर दिया। 36 साल की उम्र में, वह ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक सहित भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए उच्च उम्मीदें व्यक्त करते हुए दृढ़ बने रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### मेदवेदेव ने ज्वेरेव को हराया, तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

**मेलबर्न।** दानिल मेदवेदेव ने नाटकीय वापसी कर अलेक्जेंडर ज्वेरेव को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में हराकर तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। मेलबर्न पार्क में अपनी 27वीं मैच जीत के साथ, मेदवेदेव ओपन युग में तीन या अधिक मौकों पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले 13वें व्यक्ति हैं, 2021 और 2022 में हार गए थे, जब उन्होंने राफेल नडाल से दो सेटों से बढ़त बनाई थी। शुरुआत में स्क्रिप्ट ने ज्वेरेव का पक्ष लिया, जिन्होंने पहले सेट में डबल ब्रेक के साथ 4-1 की बढ़त बना ली, जिससे कहानी तय होती दिख रही थी। हालाँकि, भीषण मैचों की शारीरिक मार से परेशान मेदवेदेव ने जर्मन प्रभुत्व के आगे झुकने से इंकार किया। जैसे ही दूसरा सेट शुरू हुआ, ज्वेरेव ने अपनी बढ़त जारी रखी, 2-2 पर ब्रेक हासिल किया और 4-2 से आगे बढ़ने के लिए अपना फायदा मजबूत किया। अपने लक्ष्य में अडिग ज्वेरेव न क्लिनिकल परिशुद्धता के साथ सेट को बंद कर दिया, जिससे मेदवेदेव को चढ़ने के लिए एक पहाड़ छोड़ना पड़ा। बिना किसी डर के, रूसी ने सेट के अंत में एक रणनीतिक बाथरूम ब्रेक लिया, और एक नए जोश के साथ उभरे जिसने शारीरिक नुकसान को झुठला दिया। तीसरा सेट एक रोमांचक लड़ाई के रूप में सामने आया, जिसमें दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे से शॉट दर शॉट मैच कर रहे थे। सेट का समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जो समानता पर आधारित लड़ाई का एक उपयुक्त निष्कर्ष था। मेदवेदेव, 3-1 से हार के कगार पर लग रहे थे, उन्होंने उस क्षण का फायदा उठाया जब ज्वेरेव के खेल में दरारें दिखाई दीं। अटूट फोकस के साथ, उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की त्रुटियों का फायदा उठाया और सभी बाधाओं के बावजूद चौथे सेट में जीत हासिल की।

### शुभमन गिल के आऊट होने के कारण गावस्कर ने की खिंचाई

**हैदराबाद।** भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ के शुरुआती मैच में आऊट होने को लेकर शुभमन गिल को सुनील गावस्कर की तीखी आलोचना का सहना पड़ी है। इसके साथ ही गावस्कर ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले टेस्ट के दौरान गिल के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की है। गौरतलब है कि शुभमन गिल ने जायसवाल के साथ मिलकर सधी हुई शुरूआत तो की थी, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता उन्होंने सतर्कता खो दी और उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया। दरअसल इंग्लैंड के हार्टले ने गिल के पैड पर धीमी गेंद फेंकी, इस पर गिल ने छक्का मारने की कोशिश की और वो बुरी तरह चूक गए। मिडविकेट पर मौजूद फील्डर ने आसान गेंद को पकड़ लिया। यहां गावस्कर ने कमेंट्री करते हुए निराशा व्यक्त की और गिल के शॉट चयन के पीछे के तर्क पर सवाल भी उठाए। उन्होंने कहा कि वह गिल उस शॉट से क्या प्रयास कर रहा था? अगर उसका लक्ष्य इसे हवा में मारना था तो यह समझ में आता। बल्कि यह एक ख़राब तरीके से खेला गया ऑन-ड्राइव था। इस तरह गावस्कर ने शुभमन के आऊट होने पर ही सवाल खडे कर उनकी खिंचाई कर दी। जहां तक मुकाबले की बात है तो हैदराबाद के मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन टीम इंडिया मजबूत स्थिति में है।

## तन्मय ने सबसे तेज तिहरा शतक ठोककर तोड़ दिए कई रिकॉर्ड

**नई दिल्ली ।**

भारतीय बल्लेबाजों का दुनियाभर में सिक्का चलता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बैटर कोई ना कोई रिकॉर्ड अपने नाम करते रहते हैं। उनके पीछे से अब युवाओं की फौज तैयार हो रही है, जो इंटरनेशनल क्रिकेट में धमाका करने को बेताब दिख रही है। मौजूदा रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में शुक्रवार 26 जनवरी को ऐसी ही पारी देखने को मिली जिसने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ डाला। तन्मय अग्रवाल दुनिया में सबसे तेज तिहरा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं। छक्कों चौकों की बौछार करते हुए तन्मय ने कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। रणजी ट्रॉफी में 26 जनवरी 2024 खेला गया अरुणाचल प्रदेश और हैदराबाद के बीच का मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। एक दिन के खेल में ही तन्मय ने धुंआधार अंदाज में गेंदबाजों की धुनाई कर ट्रिपल सेंचुरी जमा दी। इस धमाकेदार तिहरा शतक को जमाकर तन्मय ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। महज 147 गेंद पर 21 छक्के और 33 चौके की मदद से इस बैटर ने 323 रन ठोक दिए। 28 साल के तन्मय का जन्म आंध्र प्रदेश में तीन मई 1995 को हुआ था। क्रिकेट की तरफ छोटी उम्र में ही रुझान पैदा होने पर माता पिता ने उन्हें खेल की ओर बढ़ाया। तन्मय की धमाकेदार खेल की नतीजा था कि उन्होंने हैदराबाद अंडर-14 टीम में जगह बनाई। अंडर-16, अंडर-19, अंडर-22 और अंडर-25 में टीम में वह जगह बनाने में कामयाब हुए। साल 2014 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला। इंडियन प्रीमियर लीग की फेंचाइजी टीम सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में भी तन्मय ने जगह बनाई। 56 फर्स्ट क्लास मैचों में 3500 से अधिक रन बनाए हैं। तन्मय ने साउथ अफ्रीका के मार्को माराइस 191 रन पर बनाए तिहरे शतक के रिकॉर्ड को 147 रन पर बनाकर तोड़ डाला। इस कारनामे को वेस्टइंडीज के महान बैटर विव रिचर्ड्स ने 244 गेंद पर अंजाम दिया था। एक दिन में 300 रन बनाकर तन्मय ने वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया। 2009 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबॉर्न टेस्ट में एक दिन में 284 रन बनाए गए थे।

## रहाणे को दोस्त ने ही दे दिया गच्चा....जारी हैं खराब प्रदर्शन

**मुंबई ।** मुंबई और उत्तर प्रदेश के बीच रणजी ट्रॉफी 2024 का मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। यूपी के कप्तान नीतीश राणा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की यूपी की टीम ने मुंबई को पहले दिन ही ढेर कर दिया। पहले दिन कप्तान अजिंक्य रहाणे सहित उनके टॉप के बल्लेबाज फ्लॉप रहे। साल 2024 रहाणे के लिए बिलकुल सही है। पहले ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। वहीं रणजी ट्रॉफी की पिछली चार पारियों में वह सिर्फ 24 रन ही बना सके हैं। मुंबई के कप्तान रहाणे रणजी ट्रॉफी के लगातार तीसरे मैच में रन बनाने को तरस गए। आंध्र के खिलाफ मुकाबले में रहाणे पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले लौटे थे। वहीं केरल के खिलाफ पहली पारी में शून्य और दूसरी पारी में 16 रन बनाकर आउट हुए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रहाणे 29 गेंद में एक चौके की मदद से सिर्फ 8 रन ही बना सके। उन्हें अंकित राजपूत ने शिवम शर्मा के हाथों कैच आउट कराया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी के बाद ही भुवनेश्वर कुमार लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। बंगाल के खिलाफ मुकाबले में भुवी ने 41 रन देकर आठ विकेट झटके।

## आईपीएल के स्टार खिलाड़ी को बाहर रखने पर गहराया विवाद

**नई दिल्ली ।**

इंडियन प्रीमियर लीग से स्टार खिलाड़ी के खराब प्रदर्शन की वजह से बाहर रखने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। खराब फॉर्म से जूझ रहे उसके सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आयुष बडोनी को कद्दावर अधिकारियों के कहने पर टीम होटल में ही रूकने को कहा गया। वे इस 'आईपीएल स्टार' को सबक सिखाना चाहते थे। इस सत्र में अब तक पांच पारियों में से तीन बार दिल्ली की टीम 200 रन भी पार नहीं कर सकी। सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 49 रन रहा जो पिछले मैच में वैभव कांडपाल ने बनाया। मैच में पहले दिन यश ढुल ने 47 रन बनाए। पहले दिन का खेल खत्म होने पर उत्तराखंड के चार विकेट 98 रन पर गिर चुके थे। नवदीप सैनी ने तीन विकेट लिए। डीडीसीए के सीनियर अधिकारी ने बताया, क्षितिज को खिलाने और बडोनी को 15 से बाहर रखने का दबाव था ताकि उस बीसीसीआई से मैच फीस भी नहीं मिल सके। 15 खिलाड़ियों को ही मैच फीस मिलती है। चूंकि उसे खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र में जाने की अनुमति नहीं थी, तब उस होटल में ही रखा गया। जब वह वीआईपी दीर्घा से मैच देख सकते थे, तब उन्हें मैदान में क्यों नहीं लाया गया, यह पूछने पर अधिकारी ने कहा, टीम मैनेजर को उसके खाने का अलग से इंतजाम करना पड़ता क्योंकि बीसीसीआई इसके पैसे नहीं देता। वह नेट पर भी नहीं जा सकता था क्योंकि पंजाब सीए का शिविर चल रहा था। ऐसा भी माना जा रहा है कि आईपीएल के दो सत्र के बाद बडोनी का फोकस नहीं रह गया है और उन्हें सबक सिखाने के लिये टीम होटल में ही रखा गया।

THE PHOTON NEWS

12 www.thephotonnews.com

Sunday, 28 January 2024

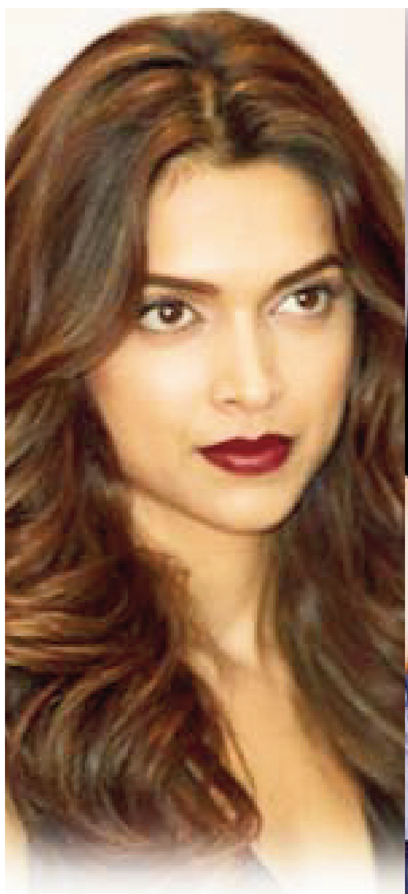

# एमी विजेता शो से जुड़ीं दीपिका पादुकोण?

दीपिका पादुकोण का नाम बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों की सूची में शुमार है। साल 2024 में दीपिका इतिहास रचने को तैयार हैं, क्योंकि इस साल उनकी एक दो नहीं तीन बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने वाली हैं। दो दिन बाद गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन अभिनीत पहली एक्शन एरियल फिल्म फाइटर बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। फिल्म को लेकर फैंस का उत्साह चरम पर है। एडवांस बुकिंग मामले में यह मूवी शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच दीपिका के फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बॉलीवुड के साथ ही अभिनेत्री हॉलीवुड में एक दफा फिर अपना जलवा बिखेरने वाली हैं। विन डीजल के साथ एक्सएक्सएक्स – रिटर्न ऑफ जेंडर केज जैसी परियोजनाओं की बदौलत दीपिका पादुकोण का अभिनय कौशल न केवल बॉलीवुड में बल्कि हॉलीवुड में भी प्रसिद्ध है। ऐसा लगता है कि दीपिका को एक और हॉलीवुड प्रोजेक्ट, सुपरहिट शो द व्हाइट लोटस मिल गया है। अफवाहें हैं कि दीपिका लोकप्रिय शो द व्हाइट लोटस के तीसरे सीजन में दिखाई देंगी। एमी विजेता इस शो की स्टार कास्ट में जेनिफर कूलिज, थियो जेम्स और ऑब्रे प्लाजा जैसे नाम शामिल हैं। अफवाहों के बीच, रेडिट पर एक स्क्रीनशॉट सामने आया, जो उनकी सास अंजू भवनानी का एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट था। शो में दीपिका की उपस्थिति की अफवाह के बारे में तीन पोस्ट को अकाउंट ने लाइक किया था। यह पोस्ट तेजी से माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर वायरल हो रही है। रिपोर्ट्स पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, अगर यह सच है तो मैं उनके लिए खुश हूं। दूसरे ने कहा, मेरा निष्कर्ष यह है कि उनकी सास कितनी सहायक हैं। ऐसे ससुराल वाले पाना हर किसी की किस्मत में नहीं होता।

रिपोर्ट पर प्रतिक्रियाओं की लड़ी लगी हुई है। एक व्यक्ति ने टिप्पणी की, क्या यह सच हो सकता है? उनकी एक छोटी सी भूमिका हो सकती है? एक अन्य ने कहा, वह केवल छोटी भूमिकाएं या कैमियो ही क्यों कर रही हैं? वह बहुत अच्छी अभिनेत्री ,हैं और मैं उन्हें स्क्रीन पर और अधिक अभिनय करते हुए देखना पसंद करूंगा। हालांकि, दीपिका और उनकी टीम ने अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

# विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म कंट्रोल मिलने पर बोलीं अनन्या - पूरा हुआ बड़ा सपना

खो गए हम कहां के बाद अनन्या पांडे अब अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी कर रही हैं। वे विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा निर्देशित एक साइबर थ्रिलर में नजर आएंगी, जिसका अस्थायी नाम कंट्रोल है। अब हाल ही में दिए साक्षात्कार में उन्होंने फिल्म के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि जब फिल्म निर्माता ने पहली बार उनसे इस परियोजना का हिस्सा बनने के लिए कहा तो वे सदमे में थीं।

अनन्या ने खुलासा किया कि उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा कि उन्हें यह फिल्म मिल गई है। उन्होंने कहा, विक्रम सर के साथ काम करना वास्तव में एक सपना था, क्योंकि मैंने उड़ान अनगिनत बार देखी है। यह मेरी मां की पसंदीदा फिल्म है। मुझे लगता है कि जब वे मुझसे मिलना चाहते थे तो मैं सदमे में थी। शुरुआत करने के लिए जब मेरी टीम ने कहा कि विक्रम सर आपसे मिलना चाहते हैं तो मैंने कहा, क्यों? वे मेरे साथ काम करना चाहते हैं? और जब मैं उनसे मिली तो मैंने उनसे पूछा, क्या आप वाकई इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं? उन्होंने कहा, हां, मुझे यकीन है। इस वजह से मुझे यह समझने में कुछ समय लगा कि मैं विक्रम सर के साथ काम कर रही हूं।

## अभिनेत्री में आत्मविश्वास की कमी

अनन्या ने यह भी खुलासा किया कि वह कम आत्मविश्वास से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, मुझमें आत्म-विश्वास बहुत कम है। मैं सत्यापन चाहने वाली व्यक्ति हूं, इसलिए जब मैं सेट पर होती हूं, तब भी मुझे अपने निर्देशकों से 10 बार पुष्टि करने की आवश्यकता होती है कि शॉट ठीक था। मैं हमेशा कहती हूं कि क्या यह ठीक था? क्या मुझे एक और करना चाहिए? यहां तक कि जब कोई मेरे काम की प्रशंसा करता है या मेरी तारीफ करता है तो मेरी पहली प्रतिक्रिया होती है कि सच में? क्या आपको यकीन है? तो मेरे पास वह है, जिसे मैं बेहतर करने की कोशिश कर रही हूं। मैं नहीं जानती कि यह कहां से आता है। मुझे लगता है कि यह हमेशा मेरे व्यक्तित्व में रहा है।

## विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्में

विक्रमादित्य मोटवानी ने 2010 की फिल्म उड़ान से निर्देशन शुरू किया और बाद में लूटेरा, ट्रैप्ड, भावेश जोशी सुपरहीरो और सेक्रेड गेम्स जैसी फिल्में बनाईं। उन्होंने हाल की फिल्म जुबली, एके वर्सेज एके का भी निर्देशन किया है। वहीं अब वे अपनी फिल्म कंट्रोल के लिए तैयार हैं।

# ओटीटी नहीं सिनेमाघरों में दस्तक देगी मैदान, आमने सामने होंगे अजय देवगन-अक्षय कुमार

अजय देवगन की फिल्म मैदान बीते लंबे समय से सुर्खियों में है। अमित शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज को कई दफा टाला जा चुका है। इसी बीच फिल्म का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बीते दिन रिपोर्ट्स आई थीं कि अजय देवगन की इस फिल्म का प्रीमियर अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगा। हालांकि, निर्माताओं ने नए खुलासे से फैंस को खुश कर दिया है। फिल्म, बड़े पर्दे पर ही रिलीज होगी। इतना ही नहीं इसकी नई रिलीज डेट से भी पर्दा उठ गया है। बोनी कपूर और जी स्टूडियोज के जरिए निर्मित फिल्म मैदान में अजय देवगन एक कुशल भारतीय कोच सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका में नजर आने वाले हैं। रविवार को निर्माताओं ने दर्शकों को बड़ा तोहफा देते हुए फिल्म की नई रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। मैदान इस साल अप्रैल के महीने में ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। इस तरह बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन की फिल्म का क्लैश अक्षय कुमार की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से होगा।

# रोहित शेट्टी ने खोली बॉलीवुड की पोल, कहा– स्टार्स अपने प्रतिद्वंदी कलाकर की करवाते हैं ट्रोलिंग

इन दिनों एक्शन फिल्में बनाने के लिए मशहूर रोहित शेट्टी चर्चा में हैं। उन्होंने वेव सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स से ओटीटी पर अपना धमाकेदार डेब्यू किया है। दर्शकों को यह सीरिज काफी पसंद आ रही है। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा से लेकर विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी जैसे दिग्गज कलाकार अहम भूमिका निभा रहे हैं। रोहित शेट्टी अपने सीरीज के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। पिछले दिनों रोहित ने बॉलीवुड सिनेमा और सिने स्टार्स की सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग के बारे में खुलकर मीडिया से बात की है।

## अभिनेता खुद करवाते हैं ट्रोलिंग

रोहित शेट्टी अपने बेबाक और निडर अंदाज के लिए जाने जाते हैं। पिछले दिनों उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कई खुलासे किए। निर्देशक ने बताया, इन दिनों सोशल मीडिया पर जिस तरह से स्टार्स ट्रोल किए जाते हैं, वो काफी दुखद है। बॉलीवुड स्टार्स के फैन क्लब बने हुए हैं। इन्हीं क्लब्स के जरिए बहुत बार कई स्टार्स अपने प्रतिद्वंदी कलाकर की ट्रोलिंग करवाते हैं। मुझे इनमें से कई स्टार्स के नाम भी पता हैं क्योंकि मैं अपनी फिल्मों के लिए साइबर सेल से कई बार मिलता रहता हूं, लेकिन मैं इनके नाम का खुलासा नहीं करूंगा। मैं किसी का भी नाम नहीं लेना चाहता हूं।

## ट्रोलिंग के लिए फिक्स हैं रेट

इंडियन पुलिस फोर्स के निर्देशक आगे कहते हैं, ये एक्टर्स जानते हैं कि मुझे इनके बारे पता है, इसलिए वे कुछ बोल नहीं सकते हैं। ट्रोलिंग के लिए 1200 से 1500 रुपए का रेट फिक्स होता है। यही एक्टर्स अपने फैन क्लब को बताते हैं कि उस एक्टर की फिल्म आ रही है, अब उन्हें ट्रोल करना है, अब उन्हें गालियां देनी हैं।

## रोहित शेट्टी का वर्क फ्रंट

रोहित शेट्टी इन दिनों 'इंडियन पुलिस फोर्स के प्रमोशन में व्यस्त हैं। दर्शकों को पुलिस फोर्स पर आधारित ये शो काफी पसंद आ रहा है। इस सीरीज से विवेक ओबेरॉय ने अपनी धमाकेदार वापसी की है। वहीं पुलिस ऑफिसर बनीं शिल्पा शेट्टी का लुक दर्शकों को काफी कमाल लग रहा है। इसके अलावा रोहित की आगामी फिल्मों में गोलमाल 5 और सिंघम 3 शामिल हैं।

# पैन इंडिया फिल्म का निर्माण करने की तैयारी में भंसाली, मार्च में कर सकते हैं एलान

संजय लीला भंसाली फिलहाल अपने बहुचर्चित प्रोजेक्ट हीरामंडी को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। अभी इसे पोस्ट प्रोडक्शन का काम हो रहा है। इस बीच निर्देशक अपनी अगली फिल्म को लेकर भी चर्चा में हैं। कहा जा रहा है कि भंसाली एक मल्टी स्टारर फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं। इसका एलान वे मार्च में कर सकते हैं। ये फिल्म पैन इंडिया होगी।

## मार्च में होगा फिल्म का एलान?

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरमंडी रिलीज के लिए तैयार है। ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर आएगी और इसी के साथ दिग्गज निर्देशक ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। हीरामंडी के पोस्ट-प्रोडक्शन काम के बीच भंसाली अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि वे मार्च 2024 तक आगामी फिल्म का एलान भी कर सकते हैं।

## पैन इंडिया स्तर पर बनेगी फिल्म

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भंसाली एक मल्टी स्टारर प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है, संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म पैन इंडिया होगी। यह मल्टी स्टारर पैन इंडिया फिल्म हो सकती है, जिसे व्यापक स्तर पर बनाए जाने की तैयारी है। इस फिल्म को लेकर तरह-तरह की खबरें फैल रही हैं, हालांकि अभी तक किसी चीज को लेकर खुलासा नहीं हुआ है।

## हीरामंडी में नजर आएंगे ये सितारे

बात करें हीरामंडी की तो भंसाली इसके क्रिएटर और डायरेक्टर हैं। इसके लिए वे पहली बार नेटफ्लिक्स के साथ आए हैं। इस सीरीज में ऋचा चड्ढा, सोनाक्षी सिन्हा, मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी और संजीदा शेख नजर आएंगे। हीरामंडी के अलावा भंसाली बैजू बावरा को लेकर भी लगातार चर्चा में हैं। लेकिन, एक एंटरटेनमेंट न्यूज पोर्टल की खबर के मुताबिक, संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बैजू बावरा' ठंडे बस्ते में चली गई है, हालांकि भंसाली की कंपनी इस खबर को सही नहीं मानती है।

# कर्मा कालिंग में रवीना टंडन के साथ भिड़ती नजर आएंगी नम्रता शेठ

अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज गिल्टी माइंड्स के बाद अभिनेत्री नम्रता शेठ इस बार डिज्नी प्लस हॉटस्टार की सीरीज में कर्मा कालिंग में दमदार भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में कर्मा तलवार की भूमिका निभा रही नम्रता शेठ का कहना है कि इस भूमिका को हासिल करने के लिए उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ा। इस सीरीज में उनका किरदार अभिनेत्री रवीना टंडन के किरदार इंद्राणी चौधरी के साथ भिड़ता नजर आएगा। वेब सीरीज कर्मा कॉलिंग के बारे में अभिनेत्री नम्रता शेठ कहती हैं, इस सीरीज में कर्मा तलवार की भूमिका के लिए मुझे कई दौर के ऑडिशन से गुजरना पड़ा क्योंकि यह एक ऐसी भूमिका थी जिसे मैं वास्तव में करना चाहती थी। कर्मा तलवार की ऐसी भूमिका है, जिसके साथ बहुत बुरा हुआ है, जिसका वह बदला लेना चाहती है। कर्म कभी माफ नहीं करता, कभी न कभी कर्म का फल सबको भुगतना पड़ता है। मुझे इस किरदार से बहुत जुड़ाव महसूस हुआ। जब सीरीज की डायरेक्टर रुचि नारायण मुझसे मिली, तो उन्हें तुरंत लगा कि मैं कर्मा तलवार हो सकती हूं। वेब सीरीज गिल्टी माइंड्स 2022 अप्रैल में रिलीज हुई थी और कर्मा कॉलिंग के लिए जून जुलाई में ऑडिशन दिया और अगस्त में इस शो के लिए फाइनल हुई थी काफी लम्बा ऑडिशन प्रोसेस था। अभिनेत्री रवीना टंडन के साथ अपने काम करने के अनुभव को साझा करते हुए नम्रता सेठ कहती हैं, रवीना मैडम से हर छोटी सी छोटी चीज सीखने को मिली। उनके पास कई सालों का बड़ा अनुभव है। उनके लुक्स और अदाओं को देखना मेरे लिए बहुत ही अद्भुत अनुभव रहा है। गिल्टी माइंड्स में ज्यादातर हैंड हेल्ड शॉट थे। लेकिन इस शो में सही मार्क्स पर पहुंचकर अपने डायलॉग्स बोलने थे। डायलॉग का ध्यान रखती थी तो मार्क्स भूल जाती है और मार्क्स का ध्यान रखती थी तो डायलॉग्स भूल जाती थी, लेकिन रवीना मैडम ने धैर्य और पूरी सहजता से मेरा साथ दिया।

# आलिया भट्ट-रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगे विक्की कौशल

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो चुकी है। ये एक मॉडर्न लव स्टोरी होने वाली है, जिसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। विक्की कौशल ने फिल्म पर कन्फर्मेशन देते हुए बताया है कि फिल्म अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जाएगी। विक्की कौशल ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट करते हुए लिखा है, सिनेमा का इटरनल ड्रीम अब सच हो रहा है। विक्की कौशल के अलावा आलिया भट्ट और संजय लीला भंसाली की प्रोडक्शन टीम ने भी फिल्म का पोस्टर शेयर किया है, जिसमें लिखा है, हम पेश करते हैं संजय लीला भंसाली की एपिक सागा, लव एंड वॉर। क्रिसमस 2025 में मूवी में मिलते हैं। इस पोस्टर के साथ ये कन्फर्मेशन भी मिल चुका है कि फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल अहम किरदारों में हैं। इसमें तीनों स्टारकास्ट के सिग्नेचर दिए गए हैं। 6 साल बाद साथ आ रहे हैं आलिया-विक्की फिल्म लव एंड वॉर आलिया भट्ट और विक्की कौशल की दूसरी फिल्म होने वाली है। इससे पहले दोनों साल 2018 की फिल्म राजी में साथ नजर आ चुके हैं। वहीं ये रणबीर आलिया की भी साथ में दूसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों ब्रह्मास्त्र : पार्ट 1 में साथ नजर आ चुके हैं।